साइबर अपराधों के खिलाफ बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए बनेगी एसओपी
- 12

डब्ल्यूईएफ में वैश्विक दिग्गजों के सामने दमदार उपस्थिति के लिए तैयार भारत
- 12

ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर लगाई रोक
- 13

लिन चुन यी और आन से यंग बने इंडिया ओपन चैंपियन
- 14

आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.58
सूर्यास्त 05.41

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:14 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 19 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 150, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

हर-हर गंगे

मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में संगम पर अनुष्ठान करते संत।

आस्था का महासागर... संगम में 4.5 करोड़ ने लगाई डुबकी

- कड़ाके की ठंड में मौनी अमावस्या पर अयोध्या से लेकर काशी-मथुरा तक उमड़ा जनसैलाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मौनी अमावस्या पर कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और शीतलहर भी श्रद्धालुओं को नहीं रोक सके। ब्रह्ममुहूर्त से ही संगम, गंगा, सरयू और यमुना के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। संगम में 4.5 करोड़ से भी ज्यादा श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का अनुमान है। स्नान, दान और मौन के इस महापर्व पर प्रदेश भर में हर-हर गंगे और हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे।

प्रयागराज में स्नान करने आए श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। प्रशासन के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे तक करीब 1.5 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके थे। दोपहर 12 बजे तक यह संख्या 3.15 करोड़ पहुंची, शाम होते-होते चार करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर नया रिकॉर्ड बना दिया। काशी में दशाश्वमेध, अस्सी और राजघाट समेत प्रमुख गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान किया। मथुरा और वृंदावन में यमुना घाटों पर भी जनसैलाब उमड़ा। कानपुर में महाराजपुर के ड्योढ़ी गंगा घाट पर भोर से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। अन्य शहरों में भी लोगों ने पवित्र नदियों में स्नान किया।

सीएम योगी ने किया स्वागत: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मौनी अमावस्या पर शुभकामनाएं देते हुए संगम में पवित्र स्नान के लिए आए अखाड़ों, संतों, साधकों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

पुलिस ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को रोका, साधुओं से हाथापाई, संत भड़के

प्रयागराज। माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के काफिले को पुलिस ने संगम तट पर जाने से रोक दिया। इस पर शंकराचार्य के शिष्यों और पुलिस के बीच तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस और शंकराचार्य के शिष्यों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। पुलिस ने उन्हें धक्का देकर पीछे हटाया। इस घटना से संतों में भारी नाराजगी फैल गई। पुलिस प्रशासन के मुताबिक मौनी अमावस्या के दिन मेला क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया था। अपने काफिले के साथ संगम तट जा रहे शंकराचार्य को इसी कारण रोका गया था। अधिकारियों ने कहा कि शंकराचार्य से पैदल जाने का अनुरोध किया गया था।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में छायी जहरीली धुंध, एक्यूआई 440 के पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रविवार को जहरीले स्मॉग की मोटी परत छा गई, जिससे वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली में सभी 39 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र 'रेड' श्रेणी में दर्ज किए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शाम 4 बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 440 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी की सीमा 400 से काफी ऊपर है। शनिवार को दिल्ली का एक्यूआई 400 था। गाजियाबाद देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां एक्यूआई एक दिन पहले के 394 से बढ़कर 458 पहुंच गया।

किश्तवाड़: आतंकियों से मुठभेड़ में सेना के आठ जवान घायल

जम्मू। किश्तवाड़ जिले के सुदूर वन क्षेत्र में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच छिड़ी मुठभेड़ में आठ जवान घायल हो गए। आतंकवादियों को मार गिराने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। सेना की जम्मू आधारित व्हाइट नाइट कोर द्वारा 'ऑपरेशन त्राशी-1' नाम से शुरू किया गया अभियान दोपहर को शुरू हुआ। 'व्हाइट नाइट कोर' ने बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ चलाए जा रहे संयुक्त अभियान के तहत तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों का सोनानार क्षेत्र में आतंकवादियों से सामना हुआ।

उत्तराखंड में आज से 'ई-डिटेक्शन' प्रणाली होंगे स्वत: चालान

देहरादून। उत्तराखंड परिवहन विभाग सोमवार से 'ई-डिटेक्शन' प्रणाली शुरू करने जा रहा है जिसके जरिए वाहन चलाने के लिए जरूरी वैध प्रमाणपत्रों के बिना प्रदेश में प्रवेश करने वाली गाड़ियों का स्वत: ई-चालान हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के सात टोल प्लाजा पर यह प्रणाली लगा दी गई है जो फास्टैग के जरिए वाहनों के पंजीकरण नंबरों को दर्ज करेगी, फिर परिवहन मंत्रालय के डेटाबेस पोर्टल 'वाहन' के जरिए उस गाड़ी के पंजीकरण, बीमा, प्रदूषण, रोड टैक्स और फिटनेस जैसे प्रमाणपत्रों का सत्यापन करेगी।

घने कोहरे से दृश्यता शून्य, सड़कों पर भिड़े 70 से ज्यादा वाहन, 11 की मौत

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन बरपा कोहरे का कहर, 75 से ज्यादा लोग घायल हुए इन दुर्घटनाओं में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के ज्यादातर जिलों में लगातार दूसरे छाया घना कोहरा सड़कों पर जानलेवा साबित हुआ। शून्य दृश्यता के बीच हुए ताबड़तोड़ हादसों में 70 से ज्यादा वाहन सड़कों पर टकराए। इनमें 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कड़ाके की ठंड की वजह से भी जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा।

सबसे भीषण हादसा अमरोहा में हुआ, जहां घने कोहरे के बीच हाईवे पर 15 वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। वाहनों के आपस में टकराने के बाद क्षतिग्रस्त होकर खड़े जाने से सड़क बंद हो गई जिसकी वजह से घंटों तक यातायात ठप रहा। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को एक साइड खड़ा कराया, तब कहीं यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा कानपुर-अमेठी मार्ग पर कार-ट्रक भिड़ंत में दो, बाराबंकी और कासगंज में एक-एक व्यक्ति की दुर्घटना में मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह से मुजफ्फरनगर हाईवे पर ट्रक-कार की भिड़ंत में एक, मैनपुरी में कोहरे में ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक टकरा जाने से एक, हरदोई में सड़क पार करते समय वाहन की चपेट में आने से दो , बरेली में एक तथा शाहजहांपुर में बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई।

अमरोहा में घने कोहरे में टकराने के बाद सड़क पर खड़ी क्षतिग्रस्त गाड़ियां।

50 से अधिक जिलों में छाया रहा घना कोहरा

राजधानी लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या, बरेली, कानपुर समेत प्रदेश के 50 से ज्यादा जिले घने से अत्यंत घने कोहरे की चपेट में रहे। कई इलाकों में दृश्यता शून्य से 50 मीटर तक सिमट गई। सुबह के वक्त सड़कों पर खड़े वाहन भी आखिरी पल में नजर आए, जिससे टक्कर की घटनाएं बढ़ती चली गईं।

रेल और हवाई यातायात भी बुरी तरह प्रभावित

कोहरे का असर सड़क तक सीमित नहीं रहा। रेल और हवाई सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हुईं। भारतीय रेल के अनुसार गोरखपुर, वाराणसी समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर 100 से अधिक ट्रेनें देरी से चलीं। लखनऊ एयरपोर्ट पर हालात और गंभीर रहे। यूएई और मुंबई से आने वाली कई उड़ानों को आधे घंटे तक आसमान में चक्कर लगाना पड़ा। दृश्यता बेहद कम होने के कारण कुछ फ्लाइट्स को दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

शीतलहर के प्रकोप से हरदोई सबसे ठंडा

बीते 24 घंटों में हरदोई 3 .5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों तक पहुंच गया है, जिससे शीतलहर और तीखी हो गई है। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिन तक ठंड और घना कोहरा बना रह सकता है।

घुसपैठियों की मदद कर राष्ट्रीय सुरक्षा से खेल रहीं ममता: मोदी

सिंगूर, एजेंसी

- प्रधानमंत्री का चुनाव अभियान जारी, सिंगूर की रैली में बोला तृणमूल कांग्रेस पर हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों की मदद करके राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विकास और सुशासन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए पश्चिम बंगाल में पार्टी के महाजंगल राज को समाप्त करना जरूरी है। हुगली जिले के सिंगूर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सीमा पर बाड़ लगाने सहित महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों पर केंद्र के साथ सहयोग नहीं कर रही है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, पिछले कई वर्षों से केंद्र सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन की मांग करते हुए तृणमूल सरकार को पत्र लिख रही है, लेकिन राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार राज्य से अवैध प्रवासियों को बाहर करेगी। भाजपा को आपका वोट बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निकालने में मदद करेगा। मोदी ने राज्य में डबल इंजन वाली सरकार बनाने के लिए सत्ता परिवर्तन की अपील करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस के महाजंगलराज को समाप्त करना आवश्यक है। पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य में टीएमसी का सिंडिकेट राज बेखौफ चल रहा है। भाजपा सरकार इसे खत्म करेगी। उद्योग और निवेश तभी आएंगे जब कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधरेगी। मोदी ने कहा, लोगों को भाजपा को वोट देना चाहिए, ताकि संदेशखलि में भूमि हड़पने और बलात्कार की घटनाएं दोबारा न हों।

असम को 6,957, सिंगूर को दी 830 करोड़ की परियोजना

मोदी ने रविवार को सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। असम के नगांव जिले में 6,957 रुपये की काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी और दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई। मोदी ने यहां कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने पूर्वोत्तर राज्य असम में अपने शासन के दौरान वोट के लिए घुसपैठियों को जमीन सौंप दी।

बम की सूचना पर विमान की लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

- इंडिगो के सुरक्षा अधिकारी ने थाना सरोजनीनगर में दर्ज कराई रिपोर्ट

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब दिल्ली से पश्चिम बंगाल के बागडोरा जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में बम की सूचना पर यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। पुलिस ने बीडीएस, डॉग स्क्वायड और दमकल टीम के साथ जांच की लेकिन बम मिलने की पुष्टि नहीं हुई।

विमान के बाथरूम में एक टिश्यू पेपर जरूर मिला, जिस पर लिखा था कि फ्लाइट में बम है। इंडिगो के सुरक्षा अधिकारी विपिन ने थाना सरोजनीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंडिगो एयरलाइंस की यह फ्लाइट 6ई-6650 रविवार सुबह दिल्ली से बागडोरा जा रही थी। बम की सूचना से यात्रियों में अफरातफरी मच गई। विमान की सुबह करीब 9:15 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग कराई गई।

शिंदे के हारे उम्मीदवार ने भाजपा के विजेता प्रत्याशी के घर डाली डकैती

- अपने चुनाव में खर्च हुए 55 लाख की वसूली के लिए की वारदात, राकांपा प्रत्याशी को भी धमकी

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक नगर निगम चुनाव में शिवसेना (शिंदे गुट) के एक पदाधिकारी ने अपनी मांग के चुनाव हारने के बाद चुनाव खर्च की वसूली के लिए भाजपा के विजेता निर्वाचित प्रत्याशी के घर डकैती डाल दी।

पुलिस ने शिंदे गुट के नेता पवन पवार और उसके भाई सहित करीब 15-17 लोगों पर दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पवन की मां आशा चंद्रकांत पवार ने चुनाव लड़ा था। हारने के बाद पवन पवार ने अपने भाई और साथियों समेत चुनाव खर्च वसूलने के लिए भाजपा के जीते उम्मीदवार शरद मोरे के घर में घुसकर मारपीट की और डकैती डाली। पवन ने राकांपा के हारे प्रत्याशी से भी रंगदारी मांगी और हत्या की धमकी दी।

आप सांसद संजय, पप्पू यादव समेत 8 पर केस

वाराणसी, एजेंसी

- मणिकर्णिका घाट की एआई से बनी फर्जी तस्वीरें वायरल करने का आरोप

वाराणसी पुलिस ने मणिकर्णिका घाट पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों के बारे में सोशल मीडिया पर एआई से निर्मित तस्वीरें, वीडियो और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने के आरोप में आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह और कांग्रेस नेता पप्पू यादव व जसविंदर कौर सहित आठ लोगों के खिलाफ आठ प्राथमिकी दर्ज की हैं।

एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी के मुताबिक मणिकर्णिका घाट को लेकर भ्रामक वीडियो और एआई से बनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में थाना चौक में आठ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। एसीपी ने बताया कि इसके बाद भी एक और भ्रामक वीडियो वायरल किया गया, जो एआई से बना था। इसके साथ एआई से बनी तस्वीरें भी साझा की गईं, जिससे लोगों में भ्रम और गुस्सा फैला। आरोपियों में पोस्ट करने, उसे रीट्वीट करने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने कहा, यह काम सिर्फ भ्रामक सूचना फैलाने का नहीं है, बल्कि धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास भी किया गया, जो दंडनीय अपराध है।

सिर्फ मैं नहीं, साधु भी कर रहे हैं विरोध : संजय सिंह

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद संजय सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री के क्षेत्र में मणिकर्णिका घाट को तहस नहस किया गया, मंदिरों को तोड़ा गया, काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराने वाली माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भी तोड़ी गई जिसका विरोध काशी के साधुओं और अहिल्याबाई होल्कर के परिवार ने किया। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी विरोध दर्ज कराया। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा, मंदिर तोड़ने वाले पापियों पर कारवाई करो, मुझे डराने की कोशिश मत करो।

आरटीआई: मुवक्किलों के लिए सूचना नहीं मांग सकेंगे वकील

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय सूचना आयोग ने लागू की व्यवस्था, कहा- यह कानून के मूल उद्देश्य के अनुरूप नहीं

वकील अपने मुवक्किल के लिए किसी भी मामले से संबंधित जानकारी आरटीआई के तहत नहीं मांग सकेंगे। केंद्रीय सूचना आयोग की ओर से यह व्यवस्था लागू की गई है। आयोग ने इसके साथ टिप्पणी की है कि यह परिपाटी पारदर्शिता कानून के मूल उद्देश्यों को विफल कर देगा।

आयोग ने इसी के साथ हरियाणा के नवोदय विद्यालय में फलों और सब्जियों की आपूर्ति के अनुबंध को समाप्त करने संबंधी विवाद में एक अधिवक्ता की दूसरी अपील खारिज कर दी। केंद्रीय सूचना आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा, वकील मुवक्किल की ओर से दायर मामलों में जानकारी नहीं मांग सकता है। हाईकोर्ट ने कहा था कि पाबंदी न होने पर हर वकील मुवक्किल की ओर से सूचना प्राप्त करने के लिए अधिनियम के प्रावधानों का सहारा लेगा जो आरटीआई के उद्देश्यों को अनुरूप नहीं होगा।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में दो और नक्सली मारे गए

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जारी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में रविवार को दो और नक्सलियों को मार गिराया। शनिवार को भी इसी क्षेत्र में चार नक्सली मारे गए थे।

पुलिस के मुताबिक ताजा मुठभेड़ जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के जंगलों में सुबह हुई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम नक्सलरोधी अभियान चला रही है। मारे गए दोनों नक्सलियों की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक शनिवार को मारे गए नक्सलियों की पहचान दिलीप वेदजा, मदवी कोसा, लक्खी मदकम तथा राधा मेट्टा के रूप में हुई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र योगी ने किया यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव 1.0 का उद्घाटन, बोले - प्रदेश पर 35 करोड़ लोगों की सेहत की जिम्मेदारी

हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी हब बनेगा यूपी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ में यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव 1.0 का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रदेश अब केवल 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य नहीं रहा बल्कि 35 करोड़ से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जिम्मेदारी उठाने के साथ देश और पड़ोसी राज्यों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की भी पूर्ति का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

सरकार उत्तर प्रदेश को मेडिकल टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर इनोवेशन और फार्मा मैन्युफैक्चरिंग का राष्ट्रीय व वैश्विक हब बनाने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में पिछले पौने नौ वर्षों में प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन हुआ है।

परिणाम जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर केवल 40 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि आज 81 मेडिकल कॉलेज पूरी तरह क्रियाशील हैं। इसके साथ दो एम्स, 100 से अधिक जिला अस्पताल, सैकड़ों सीएचसी, पीएचसी और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स की मजबूत श्रृंखला खड़ी की गई है, जिससे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लागू होने से पहले गंभीर बीमारी गरीब परिवारों के लिए अभिशाप बन जाती थी। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में 5.5 करोड़ परिवारों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से प्रति परिवार 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज संभव हुआ है। जो पात्र परिवार इस योजना से वंचित रह गए, उन्हें मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कवर किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सुधारों का सीधा असर मातृ एवं शिशु मृत्युदर में कमी के रूप में सामने आया है। संस्थागत प्रसव राष्ट्रीय औसत के समकक्ष पहुंच चुका है।

मेडिकल डिवाइस और फार्मा सेक्टर युद्धस्तर पर किया जा रहा विकसित

मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क का विकास युद्धस्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' से आगे बढ़कर 'मेक फॉर द वर्ल्ड' का है और निवेशकों को उत्तर प्रदेश आने के लिए खुला आमंत्रण दिया।

यूपी-आईएमआरएएस सॉफ्टवेयर का लोकार्पण, पुस्तक का भी विमोचन

मुख्यमंत्री ने यूपी-आईएमआरएएस सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म क्लिनिकल ट्रायल, मेडिकल डिवाइस और फार्मा रिसर्च से जुड़ी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बनाएगा। इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी की एसओपी पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 19 जनवरी 2026

भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश : असीम अरुण

तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो-2026 का समापन, वक्ताओं ने कहा- यूपी उत्पादन का पॉवर हाउस, एमएसएमई विकसित भारत की नींव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ : इंडिया फूड एक्सपो 2026 के समापन अवसर पर सम्मानित होने वाले लोगों का ग्रुप, इस मौके पर उपस्थित समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरूण व मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेट ट्रांसफर्मेशन कमीशन मनोज कुमार सिंह मौजूद रहे। अमृत विचार

अमृत विचार: प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि फ़ूड सेक्शन कभी आउटडेटेड नहीं होता। हम इसकी बेहतरी को काफी कुछ कर रहे हैं। आज जापान को पीछे छोड़ भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। हम समाज की विषमताओं को दूर करने के लिए प्रयास भी कर रहे हैं। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की ओर से गोमतीनगर के रिंगेलिया ग्रीन्स में आयोजित तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो-2026 के समापन अवसर पर रविवार को बतौर मुख्य अतिथि असीम अरुण ने कहा कि कम दाम में हर परिवार तक भोजन पहुंचना हमारी चुनौती है। हमें देखना होगा कि ज्यादा से ज्यादा फ्रेश खाना हमारी प्लेट में आए उन्होंने सावधान किया कि पैक खाने में केमिकल होता है, जिसकी वजह से बीमारियां बढ़ रही हैं। हमारे बच्चे पैक खाने की तरफ आकर्षित हैं, यह हमारे लिए गंभीर चिंता की बात है।

प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव व स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने इस मौके पर कहा कि आईआईए ने अलग-अलग शहरों में चार कार्यक्रम कर अच्छा काम किया। एमएसएमई से जुड़े लोगों को इससे ज्यादा फायदा होगा। यूपी में 98 लाख एमएसएमई हैं, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। यूपी के लिए फूड प्रोसेसिंग और एमएसएमई में सबसे आगे है। यूपी उत्पादन का पॉवर हाउस है। लोक निर्माण विभाग के पूर्व प्रमुख अभियंता और वाराणसी के विधायक त्रिभुवन राम ने कहा कि देश की 70 प्रतिशत आबादी गांव में रहती है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र की पंक्ति में खड़ा करना है। ऐसे में एमएसएमई को आगे बढ़ाना है। आईआईए के वूमेन इंटरप्रेन्योर सेल की चेयरपर्सन आनंदी अग्रवाल ने कहा कि तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में फ़ूड इंडस्ट्री पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें बैंकों के अधिकारी और सीनियर आर्किटेक्ट भी मौजूद रहे। आज बेकरी सेक्टर पर विस्तार से चर्चा करते हुए यह सिखाया गया कि अपने बिजनेस को कैसे आगे बढ़ाया जाए। आईआईए के पूर्व अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा कि 40 साल पहले कुछ लोगों ने आईआईए को बनाया था। पूरी टीम की लगातार मेहनत का नतीजा है। आईआईए के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट आलोक अग्रवाल ने कहा कि एमएसएमई रोजगार उपलब्ध कराती है। आईआईए लगातार विकसित भारत के लिए काम करता है। एमएसएमई आर्थिक और सामाजिक योगदान देता है और यह विकसित भारत की नींव है।

इंडिया फूड एक्सपो में इन्हें मिला सम्मान

मंत्री असीम अरुण ने एक्सपो में लगे 115 स्टालों में से 11 सर्वश्रेष्ठ स्टालों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। पहला पुरस्कार समृद्धि पैकेजिंग के सक्षम को, दूसरा पुरस्कार एशियन थाई फूड के नमन को, तीसरा पुरस्कार लखनऊ के भरतिया फूड को, चौथा पुरस्कार अरोरा फूड इंडस्ट्रीज के यूनिक अचार को, पांचवां पुरस्कार अवध प्रीमियम को, छठा पुरस्कार होटल प्रोडक्ट बनाने वाले मून स्टार को, सातवां पुरस्कार एफोटेबल प्रिंटर्स को, आठवां पुरस्कार रेगालिया ग्रीन्स को, नवां पुरस्कार ग्रास रूट फाउंडेशन की अपर्णा मिश्रा, 10वां पुरस्कार जिम होटल प्रोडक्ट्स को और 11वां पुरस्कार गायत्री इन्फ्राटेक बिल्डिंग साल्यूशंस को दिया गया।

महिलाएं निर्णय और रिस्क लेना सीख लें तो व्यापार आसान : आनंदी अग्रवाल

अमृत विचार, लखनऊ : आईआईए के वूमेन इंटरप्रेन्योर सेल की चेयरपर्सन आनंदी अग्रवाल ने बताया कि एमएसएमई में बड़ी संख्या में महिलाएं हैं जो अपनी यूनिट्स संभाल रही हैं। उन्होंने कहा कि 30 साल पहले इंफ्रास्ट्रक्चर इतना बड़ा नहीं था लेकिन अमूल दूध और लिज्जत पापड़ ने फिर भी अपना स्थान बनाया।

आनंदी अग्रवाल

लखीमपुर में शिक्षा प्राप्त करने के बाद अनंदी अग्रवाल की शादी हुई तो ससुर और पति का मेटल्स का बिजनेस था। ससुराल से सपोर्ट मिला तो वह भी बिजनेस में रम गईं। उन्होंने बताया कि इधर महिलाएं बड़ी तेजी से बिजनेस की तरफ कदम बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को निर्णय लेना और रिस्क लेना दोनों ही सीखना होगा, उसके बाद तरक्की से कोई रोक नहीं सकता।

आनंदी अग्रवाल ने ग्रेजुएशन में कम्प्यूटर को विषय में लिया था लेकिन ससुराल में बिजनेस में सहभागिता का विकल्प मिला तो उसे इस अंदाज में अपनाया कि आईआईए ने अपनी वूमेन विंग का काम मुझे सौंपा।

उन्होंने कहा कि अपने घर का किचेन संभालने वाली एक महिला ने 200 करोड़ का बिजनेस स्थापित कर यह साबित किया है कि छोटा बिजनेस भी ब्रांडिंग की वजह से महत्वपूर्ण हो जाता है।

भूल सुधार

18 जनवरी के बरेली सहित अन्य संस्करणों में 'बरेली में बनेगी राज्य की पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप' शीर्षक से प्रकाशित समाचार में मानवीय भूलवश बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का नाम मणिका नंदन प्रकाशित हो गया, जबकि उनका सही नाम ए. मनिकण्डन है।

न्यूज ब्रीफ

विधानमंडल के इतिहास में जुड़ा नया अध्याय

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की विधानमंडलीय परंपरा और सांस्कृतिक गौरव के इतिहास में रविवार को एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना की उपस्थिति में विधान भवन के भव्य गुंबद पर अत्याधुनिक प्रोजेक्शन मैपिंग तकनीक के माध्यम से ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस भव्य प्रस्तुति में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक चेतना और राजनीतिक यात्रा का सजीव व दृश्यात्मक चित्रण किया गया। आधुनिक तकनीक और रचनात्मक प्रस्तुति के समन्वय से तैयार इस कार्यक्रम ने दर्शकों को प्रदेश की ऐतिहासिक यात्रा से जोड़ते हुए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया।

मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत मजदूर संगठन ने चयनित अवर अभियंताओं की लंबित मांगों को लेकर ऊर्जा प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संगठन का कहना है कि चयनित अवर अभियंताओं को अवर अभियंता पद से आगमन बिंदु मानते हुए वर्ष 2024 में 9 वर्ष की अनवरत सेवा पूर्ण होने पर प्रथम वित्तीय स्तरोन्नयन-एसीपी का लाभ दिया जाना चाहिए था, लेकिन यह लाभ अब तक नहीं दिया गया है। इतना ही नहीं, अवर अभियंताओं की नई ज्येष्ठता सूची भी अभी तक जारी नहीं की गई है। चेतावनी देते हुए संगठन के अध्यक्ष विमल कुमार पाण्डेय ने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र ही सकारात्मक विचार नहीं किया गया, तो संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए विवश होगा।

सरकार ने माफिया तो जनता ने गंदगी मुक्त बनाया प्रदेश : योगी

2,09,421 लाभार्थियों को भेजी गई पीएम शहरी आवास की पहली किस्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रदेश के 2 लाख 9 हजार 421 लाभार्थियों के खातों में प्रथम किस्त की धनराशि भेजी। उन्होंने कहा कि सरकार ने माफिया को दूर किया और आपने गंदगी को, इससे प्रदेश आगे बढ़ गया। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि नोडल अधिकारी तैनात कर सुनिश्चित किया जाए कि लाभार्थी के साथ किसी स्तर पर कोई गड़बड़ी न हो, निर्माण सामग्री समय पर और उचित दर पर मिले तथा किस्तें समयबद्ध जारी हों।

- लाभार्थी के साथ गड़बड़ी न होने के सख्त निर्देश

राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2,094 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी गई है। प्रथम किस्त के रूप में प्रत्येक लाभार्थी को एक लाख रुपये मिलेंगे। 75 प्रतिशत निर्माण पूरा होने पर दूसरी किस्त एक लाख रुपये और अंतिम किस्त 50 हजार रुपये की दी जाएगी। इस तरह प्रत्येक परिवार को कुल ढाई लाख रुपये की सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सर्वाधिक लाभार्थी गाजियाबाद, बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, प्रतापगढ़, अलीगढ़, बिजनौर, कुशीनगर, प्रयागराज, अयोध्या और महाराजगंज शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाभार्थियों को आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए। इनमें लखनऊ की आशा देवी, स्नेह तिवारी, मीरा व हसीबुन, उन्नाव की पिंकी राठौर, सीतापुर की माया देवी, रायबरेली की गीता पाल, हरदोई की राम बेटी तथा लखीमपुर खीरी की राम सहेली शामिल रहीं।

कार्यक्रम को केंद्रीय नगर विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया। इस अवसर पर नगर विकास मंत्री एके शर्मा, राज्य मंत्री राकेश कुमार राठौर, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सदस्य बृजलाल, राज्यसभा सदस्य संजय सेठ आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी को आवास स्वीकृति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पीएम मोदी को लिखें धन्यवाद पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर आवास योजना की पहली किस्त मिलना लाभार्थियों के लिए विशेष सौगात है। मुख्यमंत्री ने सभी लाभार्थियों को बधाई देते हुए उनसे प्रधानमंत्री को धन्यवाद पत्र लिखने का आह्वान किया।

6 से 20 फरवरी तक होगी 13 जिलों की अग्निवीर भर्ती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में होगा आयोजन
- रिक्रूटिंग जोन उप्र और उत्तराखंड के तहत होगी रैली

अमृत विचार : रिक्रूटिंग जोन उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय) लखनऊ अंतर्गत 13 जिलों की अग्निवीर भर्ती रैली 6 फरवरी से 20 फरवरी तक होगी। छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर (टेक्निकल), अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल और अग्निवीर (ट्रेड्समैन) की भर्ती रैली कराई जाएगी।

यह रैली उत्तर प्रदेश में रैलियों की श्रृंखला में छठी होगी। इसमें वे अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिन्होंने जुलाई 2025 में आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) पास किया है। आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस (एआरओ) लखनऊ के तहत 13 जिले औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ के लगभग 13 हजार अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। सभी अभ्यर्थियों को अलग-अलग एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को नए जारी किए गए एडमिट कार्ड पर बताई गई तारीख और समय पर 2 बजे (आधी रात) एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम, लखनऊ में रिपोर्ट करना होगा।

तिथियां घोषित

- 6 फरवरी – एआरओ लखनऊ के तहत 13 जिलों के लिए अग्निवीर ट्रेड्समैन (कक्षा 8वीं और 10वीं पास) की रैली
- 7 फरवरी – एआरओ लखनऊ के तहत 13 जिलों की अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल की रैली।
- 8 फरवरी – औरैया, कानपुर देहात, कन्नौज, चित्रकूट, उन्नाव, बांदा व लखनऊ की सभी तहसील की अग्निवीर टेक्निकल की रैली
- 9 फरवरी – बाराबंकी, गोंडा, हमीरपुर, कानपुर नगर, महोबा और फतेहपुर की सभी तहसील की अग्निवीर टेक्निकल की रैली
- 10 फरवरी – कानपुर नगर के कानपुर, घाटमपुर, नरवल और बिल्हौर तहसीलों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी की रैली
- 11 फरवरी – फतेहपुर के बिंदकी, फतेहपुर, खागा व लखनऊ के मलिहाबाद, बीकेटी, लखनऊ, मोहनलालगंज और सरोजिनी नगर तहसीलों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी की रैली
- 12 फरवरी – चित्रकूट के कर्वी, मऊ, मानिकपुर और राजापुर और कानपुर देहात के रसूलाबाद, डेरापुर, अकबरपुर, सिकंदरा, मैथा और भोगनीपुर की तहसीलों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी की रैली
- 13 फरवरी – हमीरपुर की तहसील हमीरपुर, राठ, सेरीला, मौदहा व उन्नाव के सफीपुर, हसनगंज, उन्नाव, पुरवा, बीघापुर और बांगरमऊ के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी
- 14 फरवरी – गोंडा के अंतर्गत गोंडा, तरबगंज, मनकापुर, कर्नलगंज व बांदा के बबेरू, बांदा, अतर्रा, नरैनी और पैलानी तहसीलों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी की रैली।
- 15 फरवरी – कन्नौज के छिबरामऊ, कन्नौज, तिर्वा, हसेरन और महोबा के कुलपहाड़, चरखारी, महोबा की तहसीलों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी की रैली
- 16 फरवरी – औरैया के बिधूना, औरैया, अजीतमाल और बाराबंकी के फतेहपुर, रामनगर, नवाबगंज, सिरसाउली, गौसपुर, रामसनेहीघाट और हैदरगढ़ के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी की रैली

यह समय निवेश के लिए स्वर्णिम काल : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों व मेडिकल कॉलेज को सौंपे भूमि आवंटन पत्र

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में यह समय निवेश के लिए स्वर्णिम काल है। नीति स्थिरता, सुशासन, मजबूत कानून व्यवस्था और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण प्रदेश आज राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक निवेशकों के लिए भी सबसे भरोसेमंद गंतव्य बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों और मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि आवंटन पत्र प्रदान करते हुए यह बात कही। योगी ने संवाद करते हुए कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश ने औद्योगिक परिदृश्य में ऐतिहासिक बदलाव किया है। 'उद्योग प्रथम, निवेश प्रथम' की नीति के चलते यूपी वैश्विक निवेशकों के लिए स्थिर, सुरक्षित और विश्वसनीय राज्य के रूप में स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से अब तक 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। शीघ्र ही पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को भी जमीन पर उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि मजबूत कानून व्यवस्था और बेहतर सुरक्षा माहौल ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने इन्हें दिए भूमि आवंटन पत्र

मुख्यमंत्री ने इंडिया चिप प्रा. लि., एसेंट सर्किट प्रा. लि., अंबर इंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड को औद्योगिक इकाइयों व बोधिसत्व चैरिटेबल ट्रस्ट को मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि आवंटन पत्र सौंपे। निवेशकों ने प्रदेश में मिल रहे सहयोग और तेज निर्णय प्रक्रिया के लिए सरकार का आभार जताया।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में यूपी से होंगे 20 प्रस्तावक, मुख्यमंत्री समेत दोनों उप मुख्यमंत्री भी सूची में शामिल

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में उत्तर प्रदेश से कुल 20 प्रस्तावक शामिल होंगे। इनमें 10 प्रदेश परिषद के सदस्य और 10 राष्ट्रीय परिषद के सदस्य होंगे। पार्टी संगठन के स्तर पर इसे यूपी की राजनीतिक और सांगठनिक ताकत के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावकों की सूची में सरकार, संगठन और संसद तीनों स्तरों के वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है, ताकि यूपी की एकजुट और मजबूत उपस्थिति राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज हो सके। प्रस्तावकों में शामिल प्रमुख नाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक प्रमुख रूप से हैं। इसके अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, विधायक, मांठ (मथुरा) राजेश चौधरी, सांसद, नोएडा डॉ. महेश शर्मा, यूपी के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व सांसद, अमेठी स्मृति ईरानी, सांसद, बांसगांव कमलेश पासवान प्रमुख हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव में यूपी से 20 प्रस्तावकों का होना यह दर्शाता है कि संगठन में प्रदेश की भूमिका निर्णायक बनी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी भाजपा का सांगठनिक संतुलन, सरकार और संगठन के बीच समन्वय, राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया में यूपी की यह मजबूत भागीदारी आगामी लोकसभा चुनावों की रणनीति से भी जुड़ी हुई है।

नई व्यवस्था | श्वानों के लिए बनेंगे आश्रय स्थल, पशु चिकित्सालयों पर होगा बधियाकरण व टीकाकरण

ग्रामीण इलाकों में क्षेत्र पंचायतें पकड़ेंगी श्वान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सरकार ने क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायतों में श्वानों को पकड़ने व उनके संरक्षण के नियम बना दिए हैं। श्वानों को पकड़ने की जिम्मेदारी क्षेत्र पंचायतों को दी गई है। क्षेत्र पंचायतें ग्राम पंचायतों पर क्लस्टर बनाकर आवारा श्वानों को पकड़ेंगी। उन्हें रखने के लिए जिला पंचायत/क्षेत्र पंचायतों पर श्वान गृह (आश्रय स्थल) बनाए जाएंगे। सूचना देने और मॉनीटरिंग करने के लिए जिले स्तर पर कंट्रोल रूम बनेगा।

पकड़े गए श्वानों का बधियाकरण एवं टीकाकरण के लिए एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) का क्रियान्वयन पशु चिकित्सकों से समन्वयक बनाकर किया जाएगा। क्षेत्र पंचायतें चिह्नित श्वानों को पशु केंद्रों पर ले जाएंगी। श्वानों को पकड़ने व उन्हें ले जाने के लिए ग्राम पंचायत से समन्वयक बनाकर कैटल कैचर खरीदा जाएगा। आश्रय स्थल का निर्माण जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत अपनी धनराशि से कराएंगी। दरअसल, ग्रामीण इलाकों में श्वानों को पकड़ना, उनका बधियाकरण एवं टीकाकरण करना, घायल व बीमार हालत में रखने जैसे कोई नियम व इंतजाम नहीं थे। श्वानों द्वारा लोगों को काटने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, जिसका सरकार ने संज्ञान लेकर शासनादेश जारी किया है।

इन विभागों को जिम्मेदारी

- ग्रामीण विकास विभाग
- पशुपालन व पंचायती राज विभाग
- स्वास्थ्य विभाग व शिक्षा विभाग
- बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग
- समाज कल्याण विभाग

बनेगी 'जिला ग्रामीण क्षेत्र श्वान प्रबंधन समिति'

श्वानों के आक्रमक व्यवहार के लिए प्रभावी प्रबंधन उठाए जाएंगे। इन्हें गांव-गांव चिह्नित करते हुए बधियाकरण एवं टीकाकरण की कार्ययोजना बनेगी। संचालन व मॉनीटरिंग के लिए हर जिले में जिला ग्रामीण क्षेत्र श्वान प्रबंधन समिति बनेगी। इसके उपाध्यक्ष सीडीओ और सदस्य डीपीआरओ होंगे। खंड विकास अधिकारी नोडल होंगे। इनके द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन, समन्वयक, पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण किया जाएगा।

माघमेला में साधु-संतों के साथ फिर दुर्व्यवहार

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि प्रयागराज में माघ मेला क्षेत्र में पिछले वर्ष की तरह ही इस बार भी साधु-संतों-भक्तों के साथ हुआ दुर्व्यवहार अक्षम्य है। यह घोर निन्दनीय है। सदियों से चली आ रही शाही-स्नान की अखंड सनातनी परंपरा में गत वर्ष भी इसी सरकार द्वारा विघ्न डाला गया था।

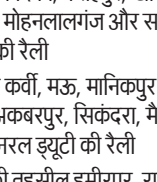

सपा प्रमुख ने रविवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा का कुशासन और नाकाम व्यवस्था ही दोषी है। उन्होंने कहा कि मुख्य को हर जगह 'मुख्य' बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अहंकारी भाजपाई शासन और प्रशासन अपने से बड़ा किसी को नहीं मानता है। यदि प्रदेश के गृह सचिव मनमानी कर रहे हैं तो भी गलत है और अगर किसी के निर्देश पर कर रहे हैं तो और भी गलत है। पूरे मामले की जांच हो।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने काशी में कॉरिडोर के नाम पर मणिकर्णिका घाट पर तोड़ फोड़ पर कहा कि मुख्य' कह रहे हैं 'कुछ नहीं हुआ'। दूसरी तरफ़ 'अपर' बिन आंख मिलाए, गोलमोल-टालमटोल अंदाज में कह रहे हैं 'कुछ था'। झूठ के संग यही सबसे बड़ी समस्या होती है कि उसके दो रूप हो सकते हैं।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

मेडिकल कैंप में भारी संख्या में पहुंचे मरीज

छिबरामऊ। फातहे बिलग्राम मिशन द्वारा मोहल्ला लाहौरी टोला बखरी चौक में सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक चले फ्री मेडिकल कैंप में भारी संख्या में पहुंचे मरीजों ने अपने मर्ज के हिसाब से फ्री दवाइयां ली। हुजूर अनीसुल मशाइख हजरत मौलाना पीर सय्यद अनस मुस्तफा वास्ती कादरी जैदी बिलग्रामी की सरपरस्ती में यह कैंप लगाया गया, जिसमें कानपुर के डॉ. वसीम खान एमबीबीएस पेट, छाती, क्षय रोग, चर्म रोग, और रक्तचाप विशेषज्ञ, जूनियर डॉक्टर मोहम्मद सैफी व डॉक्टर स्टाफ समद खान ने मरीजों को देखा। इस दौरान कैंप इंचार्ज आमिर अत्तारी, फैसल वास्ती, महमूद मंसूरी, दिलनवाज, फैशल खान का सहयोग रहा।

किशोरी से छेड़खानी में युवक गिरफ्तार

तिर्वा। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निवासी 14 वर्षीय किशोरी ने गांव के ही अंकुश नाम के युवक पर छेड़खानी करने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार शुक्ला ने रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

महिला को कंबल वितरित करते पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी।

पूर्व विधायक ने गरीबों को वितरित किए कंबल

गुरसहायगंज। कड़ाके की ठंड को देखते हुए ब्लाक तालग्राम के ग्राम माधव नगर में तालग्राम के बूथ प्रभारी शादाब मंसूरी के आवास पर मैनपुरी सांसद डिंपल यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य मे कंबल वितरण किया गया। पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी ने जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य पिंटू यादव, बूथ प्रभारी रामनिवास यादव, शिवम ठाकुर, पंकज यादव, मुजफ्फर खान, आकिल खान सहित कई लोग मौजूद रहे।

नहीं हुआ वकीलों का चुनाव, बैठक आज

कन्नौज। तहसील सदर परिसर में अधिवक्ता एसोसिएशन कलेक्ट्रेट का वार्षिक चुनाव 17 जनवरी को नहीं हो सका। न ही नामांकन पत्र दाखिल हुए। अब निर्वाचन को लेकर 19 जनवरी यानि आज बैठक होगी। उसमें आगामी चुनाव की तिथियां तय की जाएंगी। अधिवक्ताओं के चुनाव अधिकारी रामदेव शुक्ल ने बताया कि किन्ही कारणोंवश निर्वाचन का कार्यक्रम आगे बढ़ेगा। इससे पहले घोषित निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 13 से 15 जनवरी तक नामांकन दाखिल होने थे। 16 जनवरी को नामांकन पत्र वापस लेने और 17 जनवरी को मतदान था। उसी दिन दोपहर बाद मतगणना कराई जानी थी। अधिवक्ता अजय यादव का कहना है कि जल्द ही साथियों के साथ बैठक होगी। उसी में सर्वसम्मति से चुनाव की तिथियां घोषित करने का प्रयास होगा।

तीसरे दिन भी घना कोहरा, धूप ने दी राहत

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

19.8 डिग्री सेल्सियस रहा अधिकतम पारा | **7.5** डिग्री सेल्सियस रहा न्यूनतम तापमान

रविवार सुबह छाई घने कोहरे की धुंध। अमृत विचार

अमृत विचार। लगातार तीसरे दिन भी कोहरे की मोटी चादर में लिपटी सुबह हुई, जिससे ठंड का सितम जारी रहा। इसके चलते सुबह के समय जनजीवन की रफ्तार मद्धिम रही। हालांकि दिन चढ़ते ही धूप निकल आई जिससे लोगों ने राहत महसूस की। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में खासा अंतर होने के कारण गलन का प्रकोप जारी रहा। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार से कोहरे की स्थिति में कमी आने की संभावना है और आगामी दिनों में बदली छा सकती है। यद्यपि बारिश होने के आसार अभी नहीं बताए गए हैं।

रविवार की सुबह बहुत घना कोहरा छाया जिससे तनिक दूर का भी देखना मुश्किल हो रहा था। इस कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार खासी धीमी रही। इसके साथ ही छुट्टी की दिन होने से लोगों ने घरों में ही दुबके रहने में अपनी भलाई समझी। राहत की बात यह रही है कि करीब 10 बजे सूरज अपनी पूरी आभा के साथ निकल आया। इस कारण वातावरण में कुछ तपिश बढ़ी जिससे सामान्य जनजीवन पटरी पर आने लगा। इसके बाद दिन भर धूप की स्थिति रहने से बाजार में चहल पहल बनी रही। यह बात अलग है कि दिन ढलने के साथ ही कोहरे और ठंड का असर तेज होने लगा।

कृषि मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने बताया कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19.8 और 7.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। 6-8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछुआ हवा चली और आर्द्रता 75 फीसदी रही है। इसके साथी संभावना जताई है कि सोमवार से कोहरे की स्थिति में कमी आ सकती है। दिन में धूप खिली रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश के आसार हैं लेकिन अभी कन्नौज के लिए ऐसी कोई भविष्यवाणी नहीं है। यद्यपि 19 व 20 जनवरी को बीच-बीच में बादलों की स्थिति बनी रह सकती है। सुबह कोहरा रह सकता है। शाम को कोहरे की स्थिति से गेहूं की फसल को फायदा होगा।

अफसरों पर लगाए आरोप, ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

राज्यमंत्री असीम अरुण को ज्ञापन सौंपते व्यापारी नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण को 11 सूत्री ज्ञापन सौंपा गया। मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन में कुछ विभाग व अफसरों पर गंभीर आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की गई। इसके साथ ही अन्य मांगें भी रखी गईं।

रविवार को सौंपे गए ज्ञापन में व्यापारियों ने जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक पर गंभीर आरोप लगाए। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सैंपलिंग के नाम पर आर्थिक शोषण किए जाने, कांटा बांट माप विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क से 10-12 गुना अपने एजेंटों के माध्यम से अवैध वसूली कराए जाने के आरोप लगाए।

मामलों में कार्रवाई की मांग की गई। इसके अलावा व्यापारी

- **अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने बताया दर्द**

सुरक्षा प्रकोष्ठ का गठन कर प्रत्येक माह बैठक करने, ऐसे व्यापारी जो जल कनेक्शन नहीं लिए उनसे नगर निकायों की ओर से जल कर न वसूले जाने, जीएसटी में पंजीकृत या अपंजीकृत व्यापारियों को आपदा राहत कोष व व्यक्तिगत जनहानि पर शासन द्वारा त्वरित क्षतिपूर्ति दिए जाने समेत 11 मांगें रखी गईं।

इस दौरान अनिल कुमार गुप्त प्रदेश मंत्री, आलोक पाल जिला उपाध्यक्ष, चन्द्र प्रकाश वर्मा नगर अध्यक्ष, अजीत वर्मा नगर महामंत्री, दिलीप पटवा गुड्डन नगर उपाध्यक्ष, गोपाल कृष्ण चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

जेल से भागे बंदी को 14वें दिन मुठभेड़ के बाद पकड़ा

आरोपी के बाएं पैर में लगी गोली, सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर, 13 दिन पहले फरार हुए थे दो बंदी, तमंचा-कारतूस बरामद

संवाददाता गुरसहायगंज (कन्नौज)

घटना स्थल का निरीक्षण करते एसपी विनोद कुमार। अमृत विचार

गोली मारने के बाद आरोपी शिवा उर्फ डंपी को सहारा देकर ले जाते पुलिस कर्मी।

अमृत विचार। जिला कारागार से दीवार फांदकर फरार हुए दो बंदियों में से एक को पुलिस ने 14वें दिन मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी। उसके पास से पुलिस ने 315 बोर का देसी तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। फरार बंदियों पर एसपी की ओर से 25-25 हजार का इनाम घोषित था जबकि डीआईजी रेंज की ओर से यह रकम 50-50 हजार कर दी गई थी।

घटनाक्रम के अनुसार रविवार की सुबह करीब 7 बजे कोतवाली क्षेत्र की चौकी मझपुर्वा के मुरादगंज क्रॉसिंग से तिर्वा रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित कब्रिस्तान तारा बगिया के पास पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की नजर एक युवक पर पड़ी। संदेह होने पर पुलिस कर्मियों ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने अचानक पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने लगा। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। इससे एक गोली आरोपी के बाएं पैर में लगी जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम डंपी उर्फ शिवा पुत्र भजन लाल, निवासी मालिगवां ठठिया बताया। यह भी सामने आया कि वह अन्य बंदी अंकित के साथ 04जनवरी को जिला जेल की दीवार फांदकर फरार हुआ था। आरोपी पर पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी के पास से एक 315 बोर का देसी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए है। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने घटना की जानकारी ली और फरार बंदी को पकड़ने वाली एसओजी टीम प्रभारी जेपी शर्मा, कोतवाल अजय कुमार अवस्थी, अतिरिक्त निरीक्षक सीपी तिवारी, मझपुर्वा चौकी प्रभारी विनोद कश्यप की सराहना की। बताया कि फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही उसे भी पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की बात भी कही है।

दूसरा बंदी पकड़ से दूर दोनों हैं इनामी

गुरसहायगंज। जेल से कंबल की रस्सी के सहारे फरार हुआ दूसरा बंदी अंकित, निवासी ग्राम हजारीपुरवा, थाना तालग्राम, अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस टीम उसकी तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस ने डंपी उर्फ शिवा पुत्र भजन लाल, निवासी मालिगवां ठठिया को पकड़ लिया है। प्रशासन की ओर से फरार दोनों बंदियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस टीम पर हमला करने की रिपोर्ट दर्ज

■ **गुरसहायगंज, कन्नौज।** गुरसहायगंज कोतवाल ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि वह पुलिस टीम के साथ रविवार की सुबह लगभग 06.52 बजे वाहन चेकिंग व संदिग्धों की तलाश में गस्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर मझपुर्वा रेलवे क्रासिंग से तिर्वा रोड जाने वाले मार्ग स्थित तारा वाले बाग में छापेमारी की। जहां जिला कारागार से फरार आरोपित थाना ठठिया के ग्राम मलगवां निवासी डम्पी उर्फ शिवा पुलिस टीम को देख भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा रोकने पर जान से मारने की नीयत से तमंचा से फायर कर दिया। पुलिस ने आरोपी के पैर में गोली मारकर 315 बोर का तमंचा व दो जिंदा सहित हिरासत में ले लिया।

पुरस्कार वितरण के साथ युवा चेतना सप्ताह का समापन

छिबरामऊ। बनवारी नगर स्थित सभागार में आयोजित युवा चेतना सप्ताह के अंतिम दिन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

महोत्सव के संस्थापक गौरव त्रिपाठी अमर ने बताया कि शिक्षा, कला, साहित्य, व्यापार, समाजसेवा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कुल 54 युवाओं को स्वामी विवेकानंद युवा चेतना पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सात दिवसीय आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले तनिष्क गुप्ता, विशेष मिश्रा, विकास एवं निधि को भी सम्मानित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में सुधीर शर्मा ने प्रथम, राहुल प्रजापति ने द्वितीय एवं संजय वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में राहुल को प्रथम, आरिफ हुसैन को द्वितीय व शिवमंगल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। संजीव चौहान संचालन में गायक लकी पॉल, हर्षदीप, इमरान, शाहरुख सहित अनेक कलाकारों एवं युवाओं ने अपनी प्रस्तुति दी।

श्रद्धा से कथा सुनने वालों के पापों का होता है नाश

गुरसहायगंज। ब्लाक तालग्राम के ग्राम तिसौली स्थित भोलेनाथ मंदिर के पास चल रही श्रीमद भागवत कथा के तृतीय दिवस पर रविवार को धर्मेंद्र माधव शास्त्री ने भक्तों को ध्रुव और सती चरित्र का प्रसंग सुनाया।

आचार्य ने बताया कि ध्रुव राजा उत्तानपाद के पुत्र और भगवान विष्णु के महान तपस्वी भक्त थे। उन्होंने ने बचपन से ही कठोर तपस्या कर भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त किया था। आचार्य ने कहा कि यदि 5 वर्ष का बालक निष्ठा और दृढ़ विश्वास से भगवान को पा सकता हैं। तो आज के बच्चों और युवाओं को भी नियमित मंत्र जप और सच्ची भक्ति करनी चाहिए। सती चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि सती ने अपने पति भगवान शिव का अपमान सहन नहीं किया और यज्ञ की अग्नि में स्वयं को समर्पित कर दिया। इस चरित्र को पति परायणता निष्ठा और अटूट प्रेम का प्रतीक बताया।

डीडी कृषि पर आरोप लगाने वाला प्राविधिक सहायक निलंबित

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- **निलंबित प्राविधिक सहायक को जिला कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय से संबद्ध किया गया**

अमृत विचार। उप निदेशक कृषि संतोष कुमार पर वसूली समेत अन्य आरोप लगाने वाला प्राविधिक सहायक निलंबित हो गया है। कुछ दिनों पहले आरोपों वाला पत्र भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर खूब वायरल हुआ था। उपनिदेशक ने बताया कि एग्री स्टैक योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री कार्य में गंभीर शिथिलता, सौंपे गए पदेन दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही तथा उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना के आरोपों में प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी राहुल पालीवाल को निलंबित किया गया है।

डीडी कृषि ने बताया कि राहुल पालीवाल को कई बार सचेत किया गया लेकिन उसके बाद भी फार्मर रजिस्ट्री कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। बिना अनुमति कार्यस्थल से अवैधानिक रूप से अनुपस्थित रहने, शासकीय कार्यों के निष्पादन में उदासीनता, अशिष्ट एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग तथा विभाग की छवि को धूमिल करने जैसे कृत्यों में संलिप्त होने की वजह से कार्रवाई हुई है। डीडी कृषि का कहना है कि यह आचरण राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली के प्रावधानों के विपरीत हैं। राहुल निलंबन अवधि में कार्यालय जिला कृषि रक्षा अधिकारी विकास भवन से संबद्ध रहेंगे।

कुछ दिनों पहले राहुल ने आरोप लगाया था कि उसे कार्यालय उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी, छिबरामऊ से कन्नौज ऑफिस में भेज दिया गया है। साथ ही अधिकारी वसूली व गलत काम का दबाव डालते हैं। इस पर डीडी कृषि ने बताया कि प्राविधिक सहायक ड्यूटी से गायब रहता था। काम नहीं करता रहा इस वजह से तबादला हुआ।

स्वस्थ जीवन का आधार है जैविक गृह वाटिका : डॉ. अमर

जलालाबाद, कन्नौज। कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से कृषि भवन में गृह वाटिका का रेखांकन एवं उत्पादन तकनीक विषय पर एक दिवसीय प्रसार कार्यकर्ता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

इसमें केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अमर सिंह ने बताया कि एक स्वस्थ मनुष्य के लिए प्रतिदिन प्रति 300 ग्राम सब्जी की आवश्यकता होती है। इसमें 100 ग्राम जड़ वाली, 100 ग्राम पत्ती वाली, 100 ग्राम अन्य सब्जियां आवश्यक होती है। यह बिना जैविक गृह वाटिका के संभव नहीं हैं। जैविक गृह वाटिका 03 तरह से बना सकते हैं। पहला घर के पास पड़ी खाली जगह पर। दूसरा सिंचाई के साधन के पास। तीसरा घरों की छत पर गमलों में अथवा छत पर मिट्टी डाल कर। (शहरों में) गृह वाटिका बनाने हेतु 2 मीटर लम्बी एवं 1 मी चौड़ी क्यारिया बनाये। फलदार पौधे पश्चिम दिशा में लगाएं।

डिक्टेशन चैंपियनशिप प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा, प्रतिभागी सम्मानित

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- **पुरातत्व संग्रहालय व ब्रेन ओब्रेन एकेडमी की ओर से हुआ संयुक्त आयोजन**
- **स्पर्धा में याशिका गुप्ता अदिविका, यलिना, ओजस्वी प्रज्ज्वल एवं तेजस्वी चैंपियन रहे**

विजेता बच्चों के साथ राजकीय पुरातत्व संग्रहालय स्टाफ। अमृत विचार

अमृत विचार। पुरातत्व संग्रहालय एवं ब्रेन ओब्रेन एकेडमी के संयुक्त आयोजन में डिक्टेशन चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रविवार को हुई प्रतियोगिता प्रभारी संग्रहालय अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार सिंह की देखरेख में हुई। इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं की शैक्षिक प्रतिभा निखारना रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संस्था की प्रमुख उद्गीतिमा मौर्या ने प्रतियोगिता को लेकर जानकारी दी। प्रतियोगिता में याशिका गुप्ता, अदिविका, यलिना, ओजस्वी, प्रज्ज्वल एवं तेजस्वी चैंपियन रहे। आश्वी, ईशान, यशिका, यलिना, ओजस्वी, प्रगनय, अवनि को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ। इसके अलावा अविका, अदिशा, आयशा, दीपक, तेजस व प्रज्ज्वल को रजत पदक से सम्मानित किया गया। निशांक, शुभांकर, कृतिका, अनवी ओवं ओमिका को ब्रांज मेडल से संतोष करना पड़ा।

प्रतियोगिता में 45 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि की ओर से ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीथिका सहायक डॉ. पवन कुमार तिवारी ने किया जबकि इस अवसर पर रोहित राज, निशा उपाध्याय, माया सेंगर, अरविंद कुमार समेत संग्रहालय स्टाफ मौजूद रहा।

निरीक्षण | कलेक्ट्रेट के निकट तालाब पर पहुंचे मंत्री असीम अरुण ने कार्यों की प्रगति जानी

मॉर्निंग वॉक के साथ तालाब किनारे योग-प्राणायाम कर सकेंगे

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- **अमृत 2.0 योजना के तहत कन्नौज के तीन तालाबों का हो रहा कायाकल्प**
- **कार्यदायी संस्था को समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण और मानकों के तहत कार्य पूरा करने के दिए निर्देश**

कार्यदायी संस्था से जानकारी करते मंत्री असीम अरुण। अमृत विचार

अमृत विचार। अमृत 2.0 योजना के तहत शहर के तीन प्रमुख तालाबों के सौंदर्यीकरण और पुनर्जीवन का कार्य प्रगति पर है। रविवार को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कलेक्ट्रेट रोड स्थित निर्माणाधीन तालाब का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति समीक्षा की।

मंत्री ने कार्यदायी संस्था को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और मानकों के तहत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि तालाब परिसर के पास योगा सेंटर का निर्माण कराया जाएगा, जिससे मॉर्निंग वॉक पर आने वाले लोग योगासन और प्राणायाम कर सकें। इसके साथ ही फूड कोर्ट और पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। आगे बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में कन्नौज को यह महत्वपूर्ण परियोजना प्राप्त हुई है।

उन्होंने लोगों से तालाबों की स्वच्छता बनाए रखने और जल को प्रदूषित न करने की अपील की, जिससे जीव-जन्तु व पशु-पक्षियों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास मिल सके। इन तालाबों से पानी के बाद मिट्टी निकासी का कार्य किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं को एआई से जोड़ने की पहल

■ **कन्नौज।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से स्थापित आरोग्य मंदिरों को अब आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में मंथन हो रहा है। आरोग्य मंदिरों से जुड़े सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक की गई। इसमें समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण व प्रदेश स्तर के संगठन के अधिकारी भी शामिल हुए। रविवार को हुई बैठक में गांव में संचालित आरोग्य मंदिरों की सुविधाओं को और अधिक मजबूत व आधुनिक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग पर चर्चा हुई। मंत्री असीम अरुण ने कहा कि हमारा लक्ष्य गांव-गांव तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। आरोग्य मंदिरों की स्थापना से न केवल ग्रामीण जनता को उनके घर के पास इलाज मिल रहा है, बल्कि जिला अस्पतालों पर बढ़ते दबाव में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि तकनीक के समावेश से स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता व विश्वसनीयता और बढ़ेगी।

कोटेदार पर पांच किलो तक राशन घटतौली का आरोप

छिबरामऊ। विकासखंड अंतर्गत ग्राम कल्यानपुर में राशन वितरण को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है। स्थानीय कोटेदार पर गरीबों के राशन में धांधली करने का गंभीर आरोप लगा है। ग्राम कल्यानपुर के राशन कार्ड धारकों ने बताया कि कोटेदार 30 किलो राशन के बजाय मात्र 25 किलो ही देता है। यानी प्रति कार्ड 5 किलो की घटतौली। एक राशन कार्ड धारक ने घटतौली का वीडियो बनाकर मामला उजागर किया। राशन तौलने बाली बाल्टी का भी वजन माइनस नही किया जाता है, जिससे लाभार्थियों को और ज्यादा नुकसान हो रहा है। आरोप है कि कोटेदार चावल की कालाबाजारी कर रहा है, विरोध पर स्टॉक कम होने का बहाना बनाता है।

बेटी जन्मी तो दहेज की मांग कर घर से निकाला

संवाददाता, तिर्वा

अमृत विचार। शादी के सात साल बाद बेटी के जन्म से नाराज ससुरालियों ने अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए महिला को प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच ससुरालियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कस्बा के इंद्रानगर मोहल्ला निवासी सोनल ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके परिजनों ने सदर कोतवाली क्षेत्र के कानून गोयल मोहल्ला निवासी अंजनी कुमार से उसका विवाह किया था। आरोप है कि शादी के कुछ ही दिनों बाद पति, ससुर महेंद्रनाथ, सास पुष्पलता, जेठ आशुतोष, देवर पवन और ननंद श्रद्धा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न करने लगे। कई वर्ष बीतने के बाद संतान न होने पर बांझ कहकर अपमानित करने लगे। वर्ष 2022 में आईवीएफ प्रक्रिया के माध्यम से कानपुर के एक निजी अस्पताल में उसने बेटी को जन्म दिया। बेटी के जन्म से नाराज ससुरालियों ने पुत्र न होने का ताना मारते हुए उसे अस्पताल में ही छोड़ दिया और घर चले गए। छुट्टी के बाद वह ससुराल पहुंची तो दहेज की मांग पूरी न होने का हवाला देकर उसे घर से निकाल दिया गया। कोतवाल संजय कुमार शुक्ला ने बताया तहरीर के आधार पर पति सहित 5 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

अमृत विचार
कानपुर, सोमवार, 19 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

तालाब के किनारे मिला नवजात का शव

सौरिख। गांव में तालाब के किनारे मृत अवस्था में नवजात मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शनिवार को देर शाम थाना क्षेत्र के चपुन्ना में तालाब के किनारे एक छह माह का नवजात मृत अवस्था में पड़ा था। छोटे-छोटे बच्चों ने देखा तो लोगों को इसकी जानकारी दी। इस पर गांव की भीड़ एकत्र हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना चौकी पुलिस को दी। उसके बाद पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

सचिवालय, अन्नपूर्णा भवन व आरआरसी का लोकार्पण

कन्नौज। ग्राम सभा सारोंतोप, जलालपुर पनवारा में अन्नपूर्णा भवन, पंचायत सचिवालय एवं आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) का लोकार्पण समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार) असीम अरुण ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा भवन के माध्यम से पोषण एवं सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। पंचायत सचिवालय ग्राम स्तर पर प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुलभ बनाएगा। आरआरसी सेंटर से स्वच्छता प्रबंधन, कचरा पृथक्करण एवं पुनर्चक्रण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्राम स्वच्छ एवं स्वस्थ बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि इन नवस्थापित सुविधाओं से ग्रामवासियों को सरकारी सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर प्राप्त होगा तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

उपजिलाधिकारी ने नए वोट बनवाने को किया जागरूक

तिर्वा। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर रविवार को सभी बूथों पर पर विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया गया। उप जिलाधिकारी राजेश कुमार मौर्य ने कई बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई बूथों पर ग्रामीणों को एकत्रित कर नए वोट बनवाने के लिए जागरूक किया। कहा कि जिन युवक युवतियों ने एक जनवरी 26 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है वह अपनी उम्र का प्रमाण पत्र के साथ एक फोटो के साथ फॉर्म छह भरकर स्थानीय बीएलओ को देकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा लें।

नगर उद्योग व्यापार मंडल का धरना आज

फर्रुखाबाद। रेलवे रोड के अमानक निर्माण के विरोध में सोमवार को नगर उद्योग व्यापार मंडल मिश्रा गुट फर्रुखाबाद द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि 19 जनवरी को 12 बजे चौक चौराहे पर रेलवे रोड के मानक के विरोध में एक विशाल धरना होगा जिसका नेतृत्व महिला जिला अध्यक्ष सोनी शुक्ला व नगर युवा अध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव, नगर महामंत्री राकेश सक्सेना करेंगे।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत यात्रा' कल

फर्रुखाबाद। संस्कार भारती द्वारा शहर में एक भारत श्रेष्ठ भारत यात्रा मंगलवार को निकाली जाएगी। मंगलवार को प्रात: 11 बजे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत यात्रा' का शुभारंभ शहर के पाण्डवेश्वरनाथ मंदिर से होगा और घुमना होते हुए स्वराज कुटीर पहुंचेगी। यात्रा में देश के विभिन्न प्रांतों की वेशभूषा में संस्कार भारती के कला-साधक नृत्य-गान करते हुए सम्मिलित होंगे। यात्रा में भारत की अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। जानकारी संस्कार भारती कानपुर प्रांत के महामंत्री सुरेन्द्र पाण्डेय ने दी।

गंगा स्नान के लिए जा रही महिला बाइक से गिरकर घायल

फर्रुखाबाद। नवाबगंज थाना क्षेत्र में एक महिला बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना मौनी अमावस्या के दिन हुई, जब महिला अपने बेटे के साथ गंगा स्नान के लिए जा रही थी। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव कुतुबुद्दीनपुर के पास हुआ। एटा जनपद के नया गांव थाना क्षेत्र के नगला विष्णु निवासी 48 वर्षीय चंद्रावती अपने बेटे सत्येंद्र राजपूत के साथ बाइक पर सवार थीं। अचानक बाइक से गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई। मां-बेटे मौनी अमावस्या के अवसर पर शमशाबाद के ढाई घाट पर गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। रास्ते में यह दुर्घटना हो गई। चंद्रावती को आनन-फानन में एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी नवाबगंज ले जाया गया। वहां से लोहिया रेफर कर दिया गया।

आवासों के लिए खातों में आए 14.25 करोड़

प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 के तहत 1425 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये की पहली किस्त मिली

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। निजी छत बनाने की उम्मीद लगाए जरूरतमंदों के लिए अच्छी खबर है। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 के तहत 1425 लाभार्थियों के बैंक खातों में एक-एक लाख रुपये पहली किस्त दी गई है। कुल 14 करोड़ 25 लाख रुपये सभी के खातों में भेज दिए गए हैं। प्रदेश के 02 लाख लाभार्थियों को इसका लाभ मिला है।

रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया जिसका सजीव प्रसारण कन्नौज के तिर्वा रोड स्थित गेस्ट हाउस में देखा व सुना गया। जिला पंचयात अध्यक्ष प्रिया शाक्य, सीडीओ राम कृपाल चौधरी व भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने आवास निर्माण के लाभर्थियों को प्रतीकात्मक चेक दिए। लक्ष्मी, क्षेमकली, शिल्पी, बसंती, रम्पा, गायत्री, संतोषी देवी, पूजा पाल, नेमा देवी तथा कैलाशी देवी को शहरी आवास का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका परिवार एक साथ पक्के मकान में रहे। ऐसे हर सपनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि एक शहरी आवास निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपये इस योजना के तहत दिए जाते हैं, इसमें एक भी रुपया किसी को रिश्वत नहीं देना है। यदि कोई रुपये मांगता है तो इसकी शिकायत करें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भारत सरकार और प्रदेश सरकार का यह संकल्प है कि कोई भी परिवार ऐसा नही रहेगा जिसके पास कच्चा घर हो। सरकार ने संकल्प लिया है पक्की छत मुहैया कराएंगे।

महिला को आवास का प्रमाण पत्र देतीं जिपं अध्यक्ष प्रिया शाक्य, साथ में जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, सीडीओ राम कृपाल चौधरी व प्रभारी पीओ डूडा नवनीता राय।

- **निजी गेस्ट हाउस में पात्र परिवारों को रविवार को बांटे गए स्वीकृत प्रमाण पत्र**

निजी गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद भीड़। अमृत विचार

पूर्व में मिला 10,401 लाभार्थियों को लाभ: प्रभारी परियोजना अधिकारी डूडा नवनीता राय ने कहा कि इस योजना में परित्यक्ता, विधवा महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को विशेष फोकस ग्रुप में चयनित कर प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित कराने का प्रावधान है ताकि उन्हें बुनियादी सुविधाओं के साथ गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिले।

पूर्व में समस्त निकायों में 10,401 लाभार्थियों को आवास आवंटित किए गए हैं जिनमें 10,034 लाभार्थियों ने आवासों का निर्माण कार्य पूरा करा लिया है। कार्यक्रम में नगर पंचायत सिकंदरपुर अध्यक्ष हरीहर सिंह व जेई अवधेश उपस्थित रहे।

नगर में जाम की समस्या पर कल धरना-प्रदर्शन

संवाददाता छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। शहर में लगातार बढ़ रहे जाम, अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था से आमजन, स्कूली बच्चे, मरीज, किसान और व्यापारी परेशान हैं। इस समस्या को लेकर विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने मां कालिका मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. रजनीश दुबे ने बताया कि जाम से आपात सेवाओं और मरीजों को भारी दिक्कत हो रही है।

शिक्षक शैलेन्द्र दुबे ने बच्चों की पढ़ाई व सुरक्षा पर प्रभाव की बात कही। किसान नेता अमन यादव ने मंडी तक उपज पहुंचाने में मुश्किलें गिनाईं। व्यापारी आरपी सिंह ने ईमानदार व्यापारियों के आर्थिक नुकसान पर की बात कही। अधिवक्ता प्रणव सक्सेना ने दोषियों के खिलाफ चालान की मांग की। संजीव चौहान ने स्कूली बच्चों की देरी से घर लौटने की समस्या उठाई। गौरव त्रिपाठी अमर ने रोजमर्रा की जिंदगी और व्यापार पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को रेखांकित किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ई-रिक्शा और पटरी दुकानदारों को सम्मानजनक रोजगार के लिए नगर पालिका द्वारा पंजीकरण किया जाए। प्रशासन को चेताने हेतु 20 जनवरी को नगर पालिका गेट पर सांकेतिक धरना प्रदर्शन होगा। इस दौरान पुनीत दुबे, विकास दीक्षित, सतनाम सिंह, शीलू ठाकुर, अभिषेक चतुर्वेदी, मोहित दुबे, पिंकी दीक्षित और आकाश कश्यप ने भी संबोधित किया।

बैठक कर रणनीति बनाते संगठन के लोग। अमृत विचार

आग तापते समय झुलसी वृद्धा की उपचार के दौरान गई जान

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। आग तापते समय चपेट में आकर झुलसी महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई।

घटनाक्रम के अनुसार तालग्राम थाना क्षेत्र के कुशलपुरवा गांव में उर्मिला देवी (65) सर्दी से बचने के लिए शनिवार की शाम घर में आग ताप रहीं थीं। इसी दौरान उनकी साड़ी में किसी तरह से आग लग गई। चीखपुकार सुनकर पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने आग बुझाई लेकिन तब तक वह बुरी तरह से झुलस चुकीं थीं। उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज तिर्वा और फिर कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान रविवार सुबह उनकी मौत हो गई। मृतका के बेटे मोर सिंह जाटव ने बताया कि

- **तालग्राम थाना क्षेत्र के कुशलपुरवा गांव का मामला, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई**

चार साल पहले उसकी पत्नी और उसके दो साल बाद एक बेटे की भी मौत हो गई। उसके दो बच्चों रुद्र (6) और खुशबू (9) की देखरेख मां ही कर रहीं थीं। लेखपाल गुलफाम हुसैन ने बताया कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट सौंप दी गई है। पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। थाना प्रभारी विनय शर्मा ने फोन पर बताया कि उन्हें आग तापते समय महिला के झुलसने की सूचना मिली थी। कानपुर में हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

मन को सही रास्ते पर चलाने के लिए सत्संग आवश्यक

छिबरामऊ कन्नौज। पूर्वी बाईपास स्थित संत निरंकारी भवन में आयोजित सत्संग में कानपुर से आये महात्मा बृजेश अवस्थी ने कहा मन को सही रास्ते पर चलाने के लिये सत्संग का होना बहुत जरूरी हैं।

कहा, जिस मनुष्य को निराकार प्रभु से प्यार नहीं वह साध संगत से प्यार नहीं कर सकता और जो साध संगत से प्यार नहीं करता वह किसी भी मनुष्य से प्यार नहीं कर सकता। प्यार बिना जीवन बेकार हो जाता हैऔर मन बुराई की ओर चल पड़ता हैं। आज के मनुष्य विभिन्न कर्मकाण्डों में उलझकर अज्ञानता में नफरत के बीज बो रहे हैं। वह किसी और का नहीं बल्कि अपना ही नुकसान करने में लगा है। वह नहीं जानता कि ऐसा करके अपने ही धर्म को हानि पहुंचा रहा है। किसी भी धर्म और संत ने नफरत नहीं सिखाई बल्कि सदा नम्रता, करुणा, दया व प्यार का ही पाठ पढ़ाया है।

बूथों पर देखी मतदाता सूची, जांचे अपने-अपने वोट, पहुंचे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिलेभर के सभी बूथों पर विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अभियान चला। इसके तहत वोट बनाने, नाम-पता संशोधन कराने आदि को मतदाता बूथों पर पहुंचे। साथ ही अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया।

सदर विधानसभा कन्नौज क्षेत्र के प्राथमिक स्कूल खुरदैया में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अनुपम राय ने निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानाध्यापक शुचि पांडेय, सुपरवाइजर व बीएलओ से अभियान को लेकर जानकारी ली। मतदाताओं ने नई वोटरलिस्ट को देखा भी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र सिंह व उप जिलाधिकारी सदर वैशाली ने भी बूथों पर पहुंचकर दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने नगर पालिका परिषद कन्नौज, केके इंटर कॉलेज के बूथों पर पहुंचकर हकीकत जानी। इस दौरान उपस्थित मतदाताओं को सूची में नाम, पता एवं अन्य विवरणों की शुद्धता जांचने के लिए जागरूक किया गया। सुधार/ आपत्तियों के संबंध में आवेदन करने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के उद्देश्य से प्रक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाला।

- **अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान अभियान के महत्व पर डाला प्रकाश**
- **जिलेभर के सभी बूथों पर एसआईआर के तहत चला रविवार को अभियान**

प्राथमिक स्कूल खुरदैया में मौजूद जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अनुपम राय व प्रधानाध्यापक शुचि पांडेय। अमृत विचार

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

छिबरामऊ। नगर के तिरंगा तिराहे पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घयल हो गया। आवास विकास कालोनी निवासी समाजवादी पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव अंजू मिश्रा के पुत्र पवन मिश्रा उर्फ बज्जू का सौरिख रोड पर ग्राम खोजीपुर रम्पुरा के सामने रेस्टोरेंट हैं। रोज की भांति पवन अपना रेस्टोरेंट बंद कर शनिवार रात करीब 11 बजे घर आ रहा था। तिरंगा तिराहा पर पहुंचते ही पीछे से आ रही एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना में पवन घायल हो गया जबकि बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना होते ही चालक कार छोड़कर भाग निकला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर घायल को एंबुलेंस से सौ शैया अस्पताल पहुंचाया। कोतवाली प्रभारी विष्णुकांत तिवारी ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं दी गई।

160 गर्भवती-धात्री महिलाओं को पोषण किट देकर किया जागरूक

संवाददाता, अमृतपुर

अमृत विचार। राजेपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कंपनी के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉंसिबिलिटी कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था। शिविर के दौरान 160 गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषण किट वितरित की गईं। इन किटों में महिलाओं को प्रोटीन सिरप, कैल्शियम सहित अन्य आवश्यक दवाइयां प्रदान की गईं, जिसका उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक सुशील शाक्य मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं को पोषण किट वितरित की और इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. प्रमित राजपूत, बीसीपीएम विनीत सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती और धात्री महिलाओं में पोषण की कमी को दूर करना और उन्हें स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक करना था।

गर्भवती महिलाओं को पोषण किट देते अमृतपुर विधायक सुशील शाक्य।

कालिंदी एक्सप्रेस में बम की फर्जी सूचना से हड़कंप

फर्रुखाबाद। रविवार को भिवानी से चलकर फर्रुखाबाद आने वाली कालिंदी एक्सप्रेस में बम की सूचना पर हड़कंप मच गया। व्यापाक तलाशी के बाद बम न मिलने पर पुलिस ने राहत महसूस की। भिवानी से रविवार सुबह 10.38 बजे फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पहुंची कालिंदी एक्सप्रेस के एक यात्री ने स्टेशन मास्टर मनोज कुमार को सूचना दी कि ट्रेन में बम रखा है। स्टेशन मास्टर ने तुरंत ही घटना की जानकारी इज्जत नगर कंट्रोल रूम को दी। इस पर अधिकारियों ने ट्रेन की व्यापक छानबीन की। कहीं कुछ नहीं मिला। बम की सूचना देने वाले व्यक्ति सुबोध कुमार श्रीवास्तव निवासी नगला विनायक नवाबगंज को तुरंत ही बैठा लिया था।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 33 मरीजों का हुआ उपचार

संवाददाता, अमृतपुर

अमृत विचार। राजेपुर ब्लाक के कंचनपुर सबलपुर गांव में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में कुल 33 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को उनके घर के पास निःशुल्क और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना था।

मेले में पंजीकृत 33 मरीजों में से 11 की विधिवत स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान अधिकांश मरीज सर्दी, जुकाम और एलर्जी जैसी मौसमी बीमारियों से पीड़ित पाए गए। चिकित्सकीय परामर्श के बाद सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीजों को बदलते मौसम में सावधानी बरतने, साफ-सफाई रखने और समय पर उपचार कराने के महत्व के बारे में जागरूक किया। मेले में आए ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए काफी राहत भरे होते हैं। मेले के सफल आयोजन में फार्मासिस्ट प्रभाकर अग्निहोत्री, लैब टेक्नीशियन अमन कुमार, एनएम आरती और वार्ड बॉय विशाल कनौजिया आदि रहे।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में मरीजों को देखते चिकित्सक।

मौनी अमावस्या | गंगातटों पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, सभी गंगा घाटों पर गूंजे हर-हर गंगे के उद्घोष

कड़ाके की सर्दी पर भारी पड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिले में रविवार सुबह कड़ाके की ठंड तथा कोहरे के बावजूद स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर गंगा के सभी घाटों पर श्रद्धा का जैन सैलाब उमड़ता रहा। हर-हर गंगे के उद्घोषों के साथ लोगों ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगायी। भोर होते ही साधु-संतों और कल्पवासियों ने मौन रहकर गंगा में पुण्य की डुबकी लगाई। इसके बाद गंगा तट पर दान-पुण्य का सिलसिला शुरू हुआ, जिससे कल्पवासी क्षेत्र धार्मिक आयोजनों और जयकारों से गूंज उठा।

मेला रामनगरिया में मौनी अमावस्या के विशेष स्नान पर्व के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक दिन पहले ही गंगा तट पर पहुंच गए थे। हरदोई, मैनपुरी, कासगंज, इटावा, औरैया, बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर सहित विभिन्न जिलों के कल्पवासियों और श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान किया और दान-पुण्य भी किया। रविवार सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, इसके बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु पांचाल घाट पर गंगा स्नान के लिए पहुंचे। मेला क्षेत्र में जगह-जगह भंडारों का आयोजन भी किया गया। गंगा घाट पर सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहा और मेला क्षेत्र की सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। गोताखोर भी मौजूद थे।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शनिवार रात से ही रूट डायवर्जन लागू कर दिया था ताकि उन्हें घाट पर पहुंचने में कोई दिक्कत न हो। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ श्रद्धालुओं ने स्नान ध्यान के बाद रामनगरिया मेले के बाजार में जमकर खरीदारी भी की। जिससे दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी। गंगा में नौका विहार भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। मेले में हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिसकर्मी लगातार गश्त करते रहे।

रविवार सुबह पांचालघाट स्थित गंगातट पर गंगा स्नान के लिए आए श्रद्धालु।

रविवार को मेले के बाजार क्षेत्र में उमड़ी भीड़। अमृत विचार

सड़क किनारे शव छोड़कर भाग गया एम्बुलेंस चालक

संवाददाता, अमृतपुर

- **फरीदाबाद में बीमार हुआ था युवक, भतीजे ने एंबुलेंस से घर जाने की दी थी सलाह**

अमृत विचार। राजेपुर थाना क्षेत्र दौलतपुर के निकट प्राइवेट एंबुलेंस चालक ने फरीदाबाद से अपने घर लौट रहे 55 वर्षीय अमरीश पुत्र भजनलाल का शव सड़क किनारे रखकर चला गया। मृतक अमरीश अलादपुर भटौली, थाना अमृतपुर के निवासी थे। अमरीश पिछले 15 वर्षों से फरीदाबाद-दिल्ली में नौकरी कर रहे थे।

अमरीश की फरीदाबाद में अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उन्होंने अपने भतीजे अरविंद को फोन कर जानकारी दी। अरविंद ने उन्हें प्राइवेट एंबुलेंस से घर आने की सलाह दी थी। अमरीश एंबुलेंस से अपने पैतृक गांव अलादपुर लौट रहे थे। रास्ते में तबीयत बिगड़ने से उनकी मौत हो गई। इसके बाद एंबुलेंस चालक ने दौलतपुर चकई के पास अमरीश के शव को सड़क किनारे रख दिया। चालक ने मृतक की जेब में उसके नाम-पते का एक पर्चा भी रख दिया। रविवार सुबह राहगीरों ने सड़क किनारे पड़े अमरीश के शव को देखा तो राजेपुर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष सुदेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव की तलाशी ली, तो जेब से नाम व पता लिखा पर्चा बरामद हुआ। पर्चे से पहचान होने के बाद पुलिस ने अमरीश के भतीजे अरविंद को बुलाया। आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने मृतक अमरीश का शव उनके परिजनों को सौंप दिया।

न्यूज ब्रीफ

सीडीओ ने किया मॉडल आवास का उद्घाटन

इटावा। विकास खण्ड चकरनगर ब्लाक पर मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम ने मॉडल आवास का उद्घाटन किया। ब्लाक परिसर में खण्ड विकास अधिकारी यदुवीर सिंह राजपूत ने प्रधान मंत्री योजना के अंतर्गत मॉडल आवास बनवाया जिसका मुख्य विकास अधिकारी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने ब्लाक परिसर का भी निरीक्षण किया और समस्त विकास संबंधी जानकारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ब्रम्हानंद सिंह कठेरिया तहसीलदार विष्णु दत्त मिश्र, क्षेत्राधिकारी अवनीश कुमार सिंह, खण्ड विकास अधिकारी यदुवीर सिंह राजपूत, सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुलशेर बने ओवैसी यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष

इटावा। एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष डा .शमशाद हुसैन वारसी ने पचराहा मस्जिद के मुतवल्ली मोहम्मद गुलशेर को ओवैसी यूथ ब्रिगेड का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। इस अवसर पर डॉ. शमशाद हुसैन वारसी ने कहा कि मोहम्मद गुलशेर भाई का यह मनोनयन उनकी ईमानदारी, समाजसेवा के प्रति प्रतिबद्धता तथा धार्मिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में उनके समर्पण का प्रमाण है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे इस अहम जिम्मेदारी को पूरी सच्चाई, निष्ठा और लगन के साथ निभाएंगे तथा संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे।

पुत्री के साथ पिता ने की मारपीट, पुत्री ने दर्ज कराया मामला

भरथना। पुत्री ने पिता के खिलाफ गाली गलौज तथा मारपीट करने का मामला थाने में दर्ज कराया है। कस्बा के मोहल्ला सती मंदिर बिधूना रोड की आरती उर्फ़ गुनगुन ने अपने पिता सुदामा पर आरोप लगाया है कि रविवार की सुबह करीब 11 : 00 बजे मेरे पिता ने बेवजह मेरे साथ गाली गलौज कर मारपीट कर दी। पीडिता ने बताया कि मारपीट के दौरान मेरे शरीर में चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर पीड़िता को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

हिमायूंपुर में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गई

महेवा। ब्लॉक क्षेत्र महेवा के अंतर्गत ग्राम बम्होरा हिमायूंपुर स्थित पंचायत घर में कृषि विभाग द्वारा फार्मर रजिस्ट्रीकरण कैंप का आयोजन सहायक विकास अधिकारी कृषि हर्ष कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इसमें करीब दर्जन भर से अधिक किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री की गई वहीं कई किसानों के कागजात अपूर्ण होने के चलते रजिस्ट्री नहीं हो सकी। इस दौरान वी टी सत्यपाल सिंह ने मौजूद ग्रामीणों एवं किसानों से शत प्रतिशत रूप से फार्मर रजिस्ट्री कराने का आह्वान किया। इस दौरान प्रधान हरगोविंद पाल ,ग्राम पंचायत सदस्य राघवेंद्र सिंह ,पंचायत सहायक रुचि यादव , सुघर सिंह आदि मौजूद रहे।

विषाक्त पदार्थ खाने से युवक की गई जान

इटावा। फ्रेंड्स कालोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगला हीरा लाल में घरेलू कारणों से परेशान होकर एक व्यक्ति ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत गंभीर होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। वहीं पुलिस का कहना है कि हर एंगल से जांच की जायेगी।

नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन आज

महेवा। महेवा स्थित राम जानकी मंदिर परिसर में 19 जनवरी सोमवार को नि :शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन होगा। इसमें आंखों की जांच के साथ साथ मोतियाबिंद का आपरेशन नि :शुल्क किया जायेगा। इसकी जानकारी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश चंद्र शुक्ला ने दी। आयोजक मंडल ने क्षेत्र के लोगों से सुबह 10 बजे से 1 बजें तक कैंप में आकर लाभ उठाने का आह्वान किया है।

जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर कोहरे के चलते हुआ हादसा, मची चीख पुकार

ट्राला में पीछे से टकराई बस तीन सवारियां हुईं घायल

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार। जसवंतनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जौनई गांव के पास हाईवे पर रविवार सुबह घने कोहरे के कारण यात्री बस और ट्राला के बीच हुई भिड़ंत में बस चालक, कंडक्टर और एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया।

सुबह करीब 7 बजे राधिका ट्रैवल्स की बस जोधपुर से यात्रियों को लेकर कानपुर जा रही थी। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से बस अचानक सामने आए मशीन लदे ट्राले से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों में बस चालक महेश कुमार पुत्र कांता प्रसाद निवासी रामबाग प्रकाश नगर आगरा, बस कंडक्टर साहिल खान पुत्र बिक्को खान निवासी राजा खेड़ा धौलपुर, और यात्री कोमल पुत्र मुन्नालाल निवासी उद्योगपुर पोस्ट हथेडी जनपद

घटना स्थल पर खड़ी क्षतिग्रस्त बस अमृत विचार

- मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया

जालौन शामिल हैं। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसवंतनगर में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद बस चालक महेश कुमार और कंडक्टर साहिल खान को बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया गया है। वहीं घायल यात्री कोमल को सैफई पीजीआई रेफर किया गया।

बस चालक महेश कुमार ने बताया कि वह रविवार सुबह करीब 5.30 बजे आगरा से लगभग 30 से 35 यात्रियों को लेकर कानपुर की ओर रवाना हुआ था। कुछ अन्य सवारियों को मामूली चोटें आई हैं लेकिन सभी सुरक्षित हैं। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

स्कॉर्पियो व कार की भिड़ंत में पांच लोग हुए जख्मी

बसरेहर। बसरेहर थाना क्षेत्र से निकलने वाले बरेली हाईवे मार्ग पर वासुदेव कोल्ड स्टोर के समीप शनिवार की देर रात को स्कॉर्पियो और एक कार में टक्कर हो गई। इससे पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद रोड पर वाहनों की लम्बी कतारें लग गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। रात करीब साढ़े नौ बजे बसरेहर थाना क्षेत्र के वासुदेव कोल्ड स्टोर के समीप इटावा की तरफ से आ रही स्कार्पियो व बसरेहर की तरफ से इटावा को जा रही एक कार अन्ना जानवर को बचाने के प्रयास में आपस में आमने-सामने टकरा गई। इससे स्कॉर्पियो में सवार आशुतोष पुत्र प्रमोद कुमार निवासी बिधूना जनपद औरैया घायल हो गया। वहीं दूसरी कार में सवार अतुल यादव निवासी बसगंवा थाना बसरेहर, शिवानी पत्नी अतुल यादव , 3 वर्षीय नेत्री पुत्री अतुल यादव व कार चालक भरत कुशवाह निवासी ग्वालियर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसकी सूचना आस पास के लोगों ने बसरेहर थाना प्रभारी सौरभ सिंह को दी वहीं बसरेहर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों गाड़ियों में फंसे सभी घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए 108 एंबुलेंस व 102 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को बसरेहर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती कराया गया। घायल अतुल यादव, शिवानी यादव, 3 वर्षीय नेत्री, कार चालक भरत कुशवाह की हालत गंभीर होने के कारण सभी को अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू कराया।

पॉलिटेक्निक में रोजगार मेला कल

इटावा। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय निकट पक्का तालाब, मॉडल करिअर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों हेतु 20 जनवरी को रोजगार मेला राजकीय पॉलिटेक्निक में आयोजित किया गया है।

उक्त रोजगार मेले में दो कम्पनियां विभिन्न रिक्तियों के साथ प्रतिभाग कर रही हैं। अभ्यर्थी मेले में आईटीआई सभी ट्रेड, एवं डिप्लोमा, आदि पदों पर 18 से 48 वर्ष आयु के पुरुष एवं महिला उम्मीदवार मेले में भाग लेकर 15 हजार से 35 हजार वेतन प्रतिमाह प्राप्त कर सकते हैं। मेले के लिए बेरोजगार अभ्यर्थियों को सूचित किया गया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय की वेबसाईट एवं नेशनल करिअर सर्विस की वेबसाईट पर ऑनलाइन जाकर अभ्यर्थी स्वयं को पंजीकृत करके मेले के ऑप्सन में जाकर ऑनलाइन आवेदन कर अपने शैक्षिक प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा की कम से कम 5 प्रतियों सहित साक्षात्कार हेतु प्रातः 10 बजे राजकीय पालिटेक्निक इटावा में उपस्थित हों और साक्षात्कार दें।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

आग लगने के बाद जला पड़ा सामान। अमृत विचार

बीज गोदाम में आग लगने से पांच लाख का नुकसान

संवाददाता बसरेहर इटावा

- जानकारी होने पर गांव के लोगों ने आग पर पाया काबू

अमृत विचार। बसरेहर थाना क्षेत्र के गांव अयारा में बीज भंडार की गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से गोदाम व दुकान में रखा करीब पांच लाख का बीज व सामान जलकर राख हो गया। जानकारी होने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

सनी पुत्र संजीव कुमार की धम्मा सीड्स बीज भंडार की गोदाम गांव अयारा में बनी हुई है वह अपने गांव में गोदाम में बीज व अन्य सामान रखा हुआ था। शाम को वह बसरेहर दुकान से अपने गांव अयारा गया तो रोज की भांति खाना पीना खाकर वह दूसरे मकान में सोने के लिए चला गया। तभी रात के समय बीज गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग का धुआं ग्रामीणों ने सुबह करीब 4:00 बजे देखा तो गांव में अफरातफरी मच गई। जब तक संजीव को लोगों ने जानकारी दी और संजीव के परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और गोदाम का शटर खोला तब तक उसमें रखा सामान सारा जलकर राख हो गया था। गोदाम में आग की लपटों से उसका प्लास्टर चटक कर नीचे गिरने लगा। वहीं ग्रामीणों की मदद से गोदाम का सारा सामान बाहर निकाला गया । संजीव ने बताया कि गोदाम में रखा हुआ सामान सहित तकरीबन 5 लाख रुपये का नुकसान हो गया इसकी सूचना राजस्व विभाग को दे दी गई है।

एसएसपी कार्यालय पर मौजूद पीड़ित ग्रामीण। अमृत विचार

लोगों ने सिपाही के विरुद्ध एसएसपी से लगाई गुहार

कार्यालय संवाददाता इटावा

- सीओ कार्यालय सैफई में तैनात है सिपाही

अमृत विचार। सीओ कार्यालय सैफई में तैनात एक सिपाही पर सड़क हादसे के बाद एक निर्दोष ग्रामीण को हिरासत में लेने और एकतरफा कार्रवाई कराने के विरोध में जसवंतनगर क्षेत्र के पड़रपुरा गांव के ग्रामीण ट्रैक्टरों से एसएसपी कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच, निर्दोष की रिहाई और सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पड़रपुरा गांव के सामने सैफई रोड पर बने ब्रेकर के पास दुर्घटना में एक वृद्ध की मोटर साइकिल पीछे से आ रही स्कूटी से टकरा गई। वृद्ध डायलिसिस के लिए सैफई अस्पताल जा रहे थे। स्कूटी सवार व्यक्ति सिविल ड्रेस में था और उसने खुद को सैफई सीओ कार्यालय में तैनात सिपाही बताया। ग्रामीणों के अनुसार हादसे के बाद सिपाही ने वृद्ध के साथ अभद्र व्यवहार किया। गांव के लोगों ने बीच-बचाव कर वृद्ध को इलाज के लिए सैफई अस्पताल भेजा। इसी दौरान गांव निवासी कमलेश यादव से सिपाही की कहासुनी हो गई जो बाद में मारपीट में बदल गई। सिपाही अपना मोबाइल फोन मौके पर छोड़कर चला गया और कमलेश को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। कमलेश की बहन संध्या ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच किए बिना उनके भाई श्रीनिवास को हिरासत में ले लिया। श्रीनिवास घटना के समय मौके पर मौजूद नहीं थे। वे गांव में कपड़े की दुकान चलाते हैं और इसी से अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। हिरासत में लिए गए श्रीनिवास की पत्नी शीला यादव ग्रामीणों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने एक प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति पूरी तरह निर्दोष हैं। एसएसपी कार्यालय में मौजूद स्टाफ को यह भी बताया गया कि संबंधित सिपाही का व्यवहार पहले भी विवादित रहा है।

चारा लेने गई महिला को पीटा, लूट का आरोप

भरथना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सीपुरा गांव की मालती देवी 65 वर्ष रविवार दोपहर करीब तीन बजे अपने घर से खेतों पर चारा लेने गई थीं तभी उसके साथ मारपीट की जिससे वह घायल हो गई। महिला का आरोप है मारपीट करने वाले उसके पास से उसके जेवर भी लूट ले गये। वह बदहवास हालत में किसी तरह घर पहुंचीं और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। परिवार वालों ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी और घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। कोतवाल विक्रम सिंह ने बताया कि मामला मारपीट का है। लूट की घटना झूठी है।

पेयजल लाइन लीकेज होने से भरा पानी

संवाददाता बकेवर इटावा

- लखना कस्बा के मुहाल ठाकुरान में डाकघर तिराहे का मामला
- लोगों ने जलनिगम से की जल्द मरम्मत कराने की मांग

अमृत विचार। लखना कस्बा के मुहाल ठाकुरान में डाकघर तिराहे पर जलनिगम की पेयजल पाइपलाइन में लीकेज होने से स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर लगातार बह रहे पानी के कारण आवागमन बाधित हो रहा है, वहीं फिसलन के चलते बच्चे और राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

इस संबंध में वार्ड निवासी अखिलेश भदौरिया और पूर्व सभासद दिनेश यादव ने बताया कि पेयजल आपूर्ति के लिए डाली गई पाइपलाइन में लीकेज के चलते प्रतिदिन भारी मात्रा में पानी की बर्बादी हो रही है। डाकघर तिराहे जैसे व्यस्त स्थान पर पानी जमा होने से लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने इस समस्या की सूचना नगर पंचायत लखना को दे दी है। वहीं नगर पंचायत लखना के जलकल लिपिक रोहित कुमार ने बताया कि पहले यह जांच की जाएगी कि लीकेज नई पेयजल लाइन का है या नहीं। यदि यह नई लाइन की समस्या पाई जाती है तो जलनिगम के ठेकेदार से शीघ्र ही मरम्मत कराकर लीकेज बंद कराया जाएगा।

पाइप लाइन के लीक होने से सड़क पर भरा पानी अमृत विचार

बीमारी से बचना है तो फास्ट फूड का सेवन न करें : डॉ. सैफ खान

संवाददाता भरथना इटावा

अमृत विचार। यदि आप भी रोजाना फास्ट फूड का सेवन कर रहे हैं तो सतर्क हो जाएं। बार-बार जलाए गए तेल और मैदे से बनी खाद्य सामग्री से सेहत को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पेट से संबंधित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिनमें सबसे अधिक संख्या युवाओं और किशोरों की है।

कस्बा क्षेत्र के चौराहों और प्रमुख मार्गों पर लगे फास्ट फूड स्टॉलों पर युवाओं की भीड़ रोजाना देखी जा रही है। बर्गर, चाउमीन, समोसा सहित अन्य फास्ट फूड आइटम्स में इस्तेमाल होने वाला मैदा और

जानकारी देते सीएचसी अधीक्षक डॉ. सैफ खान। अमृत विचार

बार-बार गर्म किया गया तेल आंतों पर सीधा असर डाल रहा है। इसके चलते पेट दर्द, जलन, गैस, उल्टी जैसी शिकायतें बढ़ रही हैं। सीएचसी की ओपीडी में प्रतिदिन 12 से 16 वर्ष के किशोर और 18 से 40 वर्ष तक के युवा उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार,

- फास्ट फूड के सेवन से लोगों में बढ़ रही पेट की समस्याएं

अधिकतर मरीजों में पेट से जुड़ी समस्याएं फास्ट फूड के अधिक सेवन के कारण सामने आ रही हैं।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. सैफ खान ने बताया कि स्कूल और कॉलेज से लौटते समय किशोर व युवा बर्गर, चाउमीन, समोसा जैसे फास्ट फूड का सेवन कर लेते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि फास्ट फूड सेंटरों पर चाइनीज आइटम्स में मोनो सोडियम ग्लूटामेट व अजीनो मोटो का प्रयोग किया जाता है, जो स्वाद बढ़ाने के लिए डाला जाता है, लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है।

खिचड़ी वितरित करते डॉ .सुशील सम्राट व अन्य। अमृत विचार

परशुराम सेवा समिति ने कराया खिचड़ी भोज का आयोजन

इकदिल। परशुराम सेवा समिति के तत्वावधान में खिचड़ी भोज कार्यक्रम प्रदेश महामंत्री विनय कुमार द्विवेदी के आवास चांदनपुर इकदिल में आयोजित किया गया। खिचड़ी भोज कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य पं. मनोज कुमार पांडेय द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परशुराम सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सुशील सम्राट तथा संचालन प्रदेश महामन्त्री जयशिव मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को एवं राहगीरों को खिचड़ी वितरित की गयी। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेंद्र देव दुबे, राज तिवारी, सदस्य आशुतोष त्रिपाठी, युवा जिलाध्यक्ष शिवम शुक्ला, आनंद दुबे, दीपक शर्मा, आयुष दुबे सहित समिति के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

प्रक्रिया | सभी पार्टी के लोगों ने पोलिंग बूथ पर जाकर मतदाताओं के भरवाए फार्म

मतदाता सूची में नाम शामिल करने को आए 4159 आवेदन

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर रविवार को एसआईआर को लेकर विशेष अभियान चलाया गया । इसमें सभी बूथों पर बीएलओ मतदाता सूची लेकर बैठे। इस दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए आवेदन भी लिए गए।

जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र में कुल मिलाकर 4159 फार्म 6 दाखिल किए गए हैं, ताकि उनके नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। अब इनकी जांच के बाद नाम शामिल किए जाएंगे । सबसे ज्यादा 2753 फार्म 6 जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र से आए हैं। इटावा विधानसभा क्षेत्र से सबसे कम 654 और भरथना विधानसभा क्षेत्र से 752 फार्म 6 भरकर दाखिल किए गए। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र में कुल मिलाकर 684 आवेदन संशोधन के लिए आए हैं। इनका मतदाता सूची में नाम या पते में संशोधन होना है । रविवार को बीएलओ ने बूथों पर अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृतक और डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची को पढ़कर भी सुनाया। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग स्थान पर पहुंचकर मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ से जानकारी ली और मतदाताओं से भी बातचीत की।

महेवा बूथ पर मौजूद बीएलओ व निरीक्षण करने पहुंची एसडीएम काव्या सी।

एसडीएम ने किया निरीक्षण

ऊसराहार। क्षेत्र में भरतपुर खुर्द के उच्च प्राथमिक विद्यालय में बीएलओ अबधेश ने सूची पढ़कर सुनाई। मतदाता रामबाबू गुप्ता ने परिवार के सभी वोट क्रम में न होने और उम्र गलत दर्ज होने की शिकायत की। सुंदर लाल प्रजापति ने कहा 70 वर्ष उम्र होने के बाद भी उनका वोट नही है। बीएलओ ने उन्हे फार्म छह भरने के लिए दिया। प्राथमिक विद्यालय नगला ढकाऊ में उपजिलाधिकारी ताखा श्वेता मिश्रा निरीक्षण के लिए पहुंची और ग्रामीणों के सामने मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया। रौरा, कंपोजिट विद्यालय कौआ व मोहरी मे भी ग्रामीणों के बीच मतदाता सूची पढ़ी गई।

मतदाता सूची की विसंगतियां दूर हों : उदयभान

- **इटावा।** समाजवादी पार्टी के एसआईआर प्रभारी उदय भान सिंह यादव ने शहर में जनता इंटर कालेज के बूथों पर मतदाताओं की मदद की। उन्होंने कहा कि वे अपना, अपने परिवारजनों, गांव मोहल्ले वालों का नाम मतदाता सूची में देख लें। मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर उसी समय फार्म 6 भरकर बीएलओ को दें। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मतदाता सूची में जो विसंगतिया है उनको दूर किया जाए। एक परिवार के मतदाताओं के नाम एक बूथ पर किए जाएं। इन्हें क्रमबद्ध भी किया जाए जिससे मतदाताओं को परेशानी न हो। अभी मतदाताओं को काफी परेशानी हो रही है।

विद्यालय बंद, परीक्षा देने गईं बीएलओ

- ऊसराहार में पोलिंग बूथ बनाए गए विद्यालय में ताला बंद रहा और यहां तैनात बीएलओ लखनऊ में परीक्षा देने के लिए चलीं गई। इसके चलते यहां पहुंचे मतदाताओं को मायूस होकर वापस जाना पड़ा। रविवार को सभी बूथों पर बीएलओ को मौजूद रहना था और मतदाता सूची पढ़कर सुनानी थी। विद्यालय बंद होने और बीएलओ के नहीं मिलने से मतदाता सूची में नाम होने वाले मतदाता निराश होकर वापस चले गए। मतदाता सूची में किसी की उम्र गलत लिखी है तो किसी का परिवार क्रम में नहीं है, इनमें संशोधन कराना था लेकिन कोई काम नहीं हो पाया। पहले तो मतदाता इसका इंतजार करते रहे कि विद्यालय का गेट खुलेगा और बीएलओ भी पहुंचेंगे लेकिन जब ऐसा कुछ नहीं हुआ तो दोपहर को फोन किए गए। मतदाताओं ने बताया कि बीएलओ से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि उनकी लखनऊ मे परीक्षा थी, इसलिए बूथ पर नहीं पहुंच पाएंगी। इसकी जानकारी उन्होंने सुपरवाइजर को भी दी थी। दूसरी ओर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका दीपिका त्रिपाठी ने बताया वे बाहर है। उन्होंने कहा कि विद्यालय बंद है तो इतनी छोटी बात को इतना तूल क्यो दे रहे हैं।

कार पर धार्मिक झंडा देख सराफा व्यापारी को पीटा

ताखा इटावा। कस्बा ऊसराहार स्थित सराफा व्यापारी गौरव गुप्ता शनिवार शाम अपने परिजनों के साथ नगला खांडे गांव में चल रही भागवत कथा के भंडारे में शामिल होने अपनी कार से गए थे। उनकी कार पर "जय श्री राम"नाम लिखा झंडा लगा हुआ था। इसी बात को लेकर गांव के अभिषेक यादव और अवनीश यादव अपने दो अज्ञात साथियों के साथ कार को रोककर विवाद करने लगे और व्यापारी पर भाजपाई होने का आरोप लगाया। नशे में धुत चारों युवकों ने कार पर हमला कर दिया और पीछे का शीशा तोड़ दिया। जब व्यापारी ने विरोध किया तो आरोपियों ने अभद्रता की और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। थानाध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि भंडारे में गए व्यापारी की कार को साइड देने को लेकर विवाद हुआ था। आरोपी नशे में थे । मामल दर्ज कर लिया गया है आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 19 जनवरी 2026

औरैया

न्यूज ब्रीफ

फर्जी नंबर प्लेट लगा मिट्टी का अवैध खनन करने पर ट्रैक्टर सीज

अछल्दा। थाना क्षेत्र के ग्राम छछुंद के पास रविवार को पुलिस गश्त के दौरान अवैध रूप से मिट्टी खनन कर ट्रॉली में भरकर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस द्वारा ट्रैक्टर चालक से जानकारी किए जाने पर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद ट्रॉली में मिट्टी सहित ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक को थाने लाया गया। जांच के दौरान ट्रैक्टर पर लगी नंबर प्लेट फर्जी पाई गई, जबकि चालक वाहन से संबंधित कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने बताया कि गश्त के दौरान ट्रैक्टर को पकड़ा गया है। फर्जी नंबर प्लेट और कागजात न होने के कारण ट्रैक्टर को सीज कर दिया गया है तथा चालक का चालान किया गया है।

अटल सत्य है मृत्यु

फफूंद। विकासखंड भाग्य नगर के निकटवर्ती ग्राम भर्रापुर बौद्ध कथा का आयोजन हुआ। मुख्य यजमान लाल सिंह, पुत्र डॉ. हरनाम सिंह, सरनाम सिंह, डॉ. रीना आर्य, मंजू देवी, नीलम सिंह और छोटेलाल सहित समस्त परिजनों द्वारा भगवान बुद्ध व डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्रों पर पुष्पार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया। बौद्ध कथा के दौरान भगवान बुद्ध और किसा गौतमी के प्रसंग को विस्तार से सुनाया गया। कथावाचक ने बताया कि जब किसा गौतमी अपने मृत पुत्र को जीवित कराने की जिद लेकर बुद्ध के पास पहुंची, तो बुद्ध ने उन्हें सत्य की खोज पर भेजा। जब उन्हें कोई ऐसा घर नहीं मिला जहां मृत्यु न हुई हो, तब उन्हें बोध हुआ कि संसार में जो आया है, उसका जाना निश्चित है। कथा ग्राम निवासी अन्नपूर्णा देवी 77 के निधन के उपरांत आयोजित की गई।

बंदर ने काटने से कई लोग हुए जख्मी

फफूंद। कस्बे के एक मोहल्ले में कथित पागल बंदर ने कई लोगों को काट लिया, इससे लोगों में दहशत है। मोहल्ला कायस्थान निवासी मनोज पुत्र स्व. रामचंद्र दुबे ने बताया कि एक बंदर को करेंट लग गया था। तो उसका उपचार कराया था। बाद में वह घर के आसपास घूमता रहता था। उन्होंने बताया कि शनिवार को देर रात्रि वह पागल हो गया और उसने एक ही रात में कई लोगों को काटकर जख्मी कर दिया। इससे मोहल्ले में दहशत व्याप्त है। घायलों में मनोज दुबे, लल्ला शुक्ला, कांती पत्नी दिनेश दुबे, अभय पुत्र प्रसून शुक्ला, मनस्वी पुत्री संकल्प तिवारी, बंगाली डाक्टर की पत्नी, देव पुत्र आशीष अग्निहोत्री इन सभी लोगों ने दिबियापुर सीएचसी में इलाज कराया। खबर लिखे जाने तक बंदर एक कमरे में बंद हैं। जिससे मोहल्ले वासियों ने राहत की सांस ली।

कंबल वितरित किए

दिबियापुर। क्षेत्र में सामाजिक सेवा की मिसाल पेश करते हुए शनिवार को जायंट्स ग्रुप दिबियापुर सहेली ने बाला की मढैया स्थित शिव मंदिर परिसर में जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। संगठन ने मानवता और सेवा भावना का परिचय देते हुए सर्दी से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में संगठन की अध्यक्ष भारती पोरवाल ने अपने ग्रुप के सदस्यों के साथ मिलकर गरीबों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर पूनम पोरवाल, फेडरेशन अधिकारी बीना गुप्ता, यूनिट डायरेक्टर प्रीति पोरवाल, प्रशासनिक निदेशक शशि गुप्ता, कोषाध्यक्ष पूनम अग्रवाल आदि रहे।

घर के अंदर राज मिस्त्री का रक्तरंजित शव मिला, हड़कंप

परिजनों ने कुल्हाड़ी या गोली मारकर हत्या करने का लगाया आरोप

संवाददाता, बेला (औरैया)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के बेला में मंडी रोड पर भारतीय महाविद्यालय के सामने रहने वाले राज मिस्त्री का घर के अंदर रविवार सुबह रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों का आरोप है कि किसी ने गोली या कुल्हाड़ी से हत्या की है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की है। पुलिस ने मामला संदिग्ध बताया है।

अरविंद।

जांच-पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

बेला में मंडी रोड पर भारतीय महाविद्यालय के सामने रहने वाले अरविंद (37) पुत्र रामचंद्र का राज मिस्त्री का काम करते थे। पत्नी प्रिया ने बताया की शनिवार को अरविंद गांव की ही एक महिला के अंतिम संस्कार में कन्नौज के मेहंदी घाट पर गया था। देर रात करीब 11 बजे जब वह वापस आया तो सर्दी के कारण लाल रंग का साल ओढ़े हुए था। वह अपने कमरे में जाकर लेट गया। प्रिया ने खाने के लिए पूछा तो उसने खाना खाने से इंकार कर दिया और पानी मांगा। पत्नी ने उसे पानी दिया और उससे करीब आधा घंटा बातचीत की और वह बच्चों के साथ जाकर सो गई। अरविंद का एक 16 वर्षीय बेटा प्रियांशु व 12 वर्षीय बेटी प्रियांशी हैं।

मां राजेशवरी बगल वाले मकान में सो रही थीं। रविवार सुबह करीब सात बजे पत्नी प्रिया जब उसे जगाने गयी तो उसके सिर पर गंभीर चोट लगी देखी तो उसकी चीख निकल गयी। देखते ही ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने थाना पुलिस समेत उच्चाधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर कड़ी मशक्कत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चिचोली स्थित मेडिकल कॉलेज भिजवाया। मौके पर पांच थानों के फोर्स के साथ क्षेत्राधिकारी बिधूना पी पुनीत मिश्रा पहुंचे। घटना की गहनता से जांच की।

'खंभे पर लिखा मिला दारू पीके गाली देते, न पैसा दिया न ब्याज'

- पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी खंगालना शुरू कर दिया है। मृतक के घर के बाहर खंभे पर एक पर्चा चिपका मिला। उस पर्चे में लिखा था ' 'दारू पीके गाली देते हैं, न पैसा दिया न ब्याज। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। मौके पर थाना बिधूना, सहायल, सहार, महिला थाना व पुलिस लाइन की फोर्स मौजूद रही। मृतक के सिर पर गंभीर चोट लगी मिली। उसके कान, नाक व मुंह से खून भी निकला था। घर में सबसे पहले बरामदा बना हुआ है। उसके बाद के कमरे में पत्नी प्रिया दोनों बच्चों के साथ सो रही थी। उसके बाद के कमरे में अरविन्द सोया था। उसके बाद आंगन बना हुआ है जिसमें एक छोटी दीवार बनी है। दीवार के ऊपर से चार ईंटें निकल कर घर के बाहर पड़ी मिली। वहीं पैरों के चिह्न मिले हैं। हालांकि वहां पानी भरा रहता है इसलिए कोई आता जाता नहीं है। क्षेत्राधिकारी बिधूना पी पुनीत मिश्रा ने बताया मामला संदिग्ध है। हर पहलू से जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव और क्षतिग्रस्त बाइक मिली

संवाददाता, फफूंद

- शनिवार से लापता था युवक, अज्ञात वाहन की टक्कर की आशंका
- फफूंद-औरैया मार्ग पर सड़क किनारे खेत पर पड़ा था

अमृत विचार। थाना क्षेत्र में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब फफूंद औरैया मार्ग पर सड़क किनारे एक सरसों के खेत में युवक का शव और उसकी क्षतिग्रस्त बाइक पड़ी मिली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि बाइक को थाने ले आई।

रघुराज फाइल फोटो।

मृतक की पहचान रघुराज (26) पुत्र राजकुमार निवासी गांव मुढ़ी थाना फफूंद के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब दो बजे वह अपने घर से फफूंद बाजार जाने की बात कहकर निकला था। वह गाजियाबाद में रहकर ट्रेनों में वेंडर का कार्य करता था। उसे फफूंद थाने से अपना पुलिस वेरीफिकेशन बनवाना था, जिसके लिए वह अपने कागजात फफूंद थाने में जमा कर चुका था। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों और रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। रविवार सुबह करीब दस बजे गांव रोशनपुर निवासी द्वारका प्रसाद के सरसों के खेत में किसी ग्रामीण ने शव और पास में पड़ी क्षतिग्रस्त बाइक देखी। इसके बाद तलाश कर रहे परिजनों को जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को अवगत कराया।

जानकारी मिलने के बाद मौके पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षतिग्रस्त बाइक को देखकर ग्रामीणों और परिजनों ने किसी अज्ञात वाहन से हुई दुर्घटना की आशंका जताई है। मृतक विवाहित था। उसके परिवार में पत्नी मालती, चार वर्षीय बेटी अंशिका, तीन वर्षीय बेटा अनिकेत और डेढ़ वर्ष का एक छोटा बेटा है। इसके अलावा एक बड़ा भाई शिव सिंह तथा चार विवाहित बहनें हैं।

बेटे की मौत से मां आशा सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शायद किसी अज्ञात वाहन से दुर्घटना हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

बच्चों को नि:शुल्क स्टेशनरी वितरित की गई। अमृत विचार

गरीब, निराश्रित बच्चों को नि:शुल्क स्टेशनरी वितरित की

औरैया। वीर कुंवर जनकल्याण सेवा फाउंडेशन द्वारा ग्राम जैतापुर में जरूरतमंद शिक्षा से वंचित, गरीब, विकलांग, निराश्रित बच्चों को नि:शुल्क स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम फाउंडेशन टीम की ओर से किया गया। नि:शुल्क स्टेशनरी सामग्री पाकर सैकड़ों बच्चों के चेहरे पर खुशी खिल उठे। साथ ही कार्यक्रम में बाल विवाह को रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। ग्रामीणों एवं बच्चों को बाल विवाह रोकने की शपथ फाउंडेशन टीम द्वारा दिलाई गई। कार्यक्रम में संजय राठौर जैतापुर, अनुज प्रताप सिंह, दीपक चौधरी, मनीष राजपूत सैकड़ों बच्चों के साथ दर्जनों ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की थम गई सांसें, दो लोग घायल

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। देवकली चौकी के समीप यमुना पुल पर शनिवार रात एक सड़क हादसा हो गया। सामने से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक की पहचान औरैया के गोविंद नगर निवासी नवीन पुत्र सरस्मन पोरवाल के रूप में हुई है। घायलों में औरैया निवासी दीपक पोरवाल पुत्र मंगू पोरवाल तथा सुंदरीपुर निवासी रामचन्द्र शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल दीपक को प्राथमिक उपचार के बाद सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि रामचन्द्र का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार, तीनों समारोह में खाना बनाने का काम करते थे 16 जनवरी को सहालग के कार्य से जालौन जिले गए थे। शनिवार रात करीब 11 बजे वे एक ही बाइक पर सवार होकर औरैया लौट रहे थे। यमुना पुल पर पहुंचते ही उनकी बाइक सामने से आ रही कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नवीन संतुलन खोकर पुल से नीचे गिर गए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल 50 शैय्या जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने नवीन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार। अमृत विचार

- देवकली चौकी के समीप यमुना पुल पर शनिवार रात हुआ हादसा

रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। दिबियापुर थाना क्षेत्र के सहायपुर गांव में रविवार सुबह एक युवती ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, सुरजन की पुत्री प्रिया (24) ने रविवार सुबह करीब छह बजे अपने कमरे में छत पर लगे कड़े में साड़ी का फंदा बनाकर जान दे दी। बताया गया कि प्रिया के पिता सुरजन सुबह जानवरों को चारा डालने के लिए उसे आवाज देने गए, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर जब उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो प्रिया फंदे पर लटकी हुई मिली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर कंचौसी चौकी पुलिस और दिबियापुर थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर परिजनों से पूछताछ की, हालांकि परिजन आत्महत्या के कारणों के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं कर सके। मृतका प्रिया चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर की थी। परिवार उसकी शादी के लिए रिश्ते देख रहा था। थाने के क्राइम इंस्पेक्टर शेर सिंह ने बताया कि युवती की मौत के कारणों का पता नहीं चला है।

जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

संवाददाता, रुरुगंज (औरैया)

अमृत विचार। हिंदू समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता तथा संगठन और संस्कारों में निहित है। हिंदू समाज के लोगों को जागरूक होकर एकजुट होने से ही राष्ट्र सशक्त और सुरक्षित रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर आह्वान किया कि हम अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी के बदले हिंदी में करें। कहा कि हिंदू समाज के लोगों को संगठित रहकर सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। संतों की अगुवाई में देश आगे बढ़ा है। इन्ही संतों द्वारा सनातन धर्म का प्रचार होता है और धर्म को परिभाषित किया जाता है। सनातन धर्म जीवन जीने की शैली है। इसलिए सनातन धर्म को केवल पूजा पद्धति में व शब्दों में बांधना न्यायोचित नहीं होगा। हिंदू सम्मेलन में जिला कार्यवाह हरवंश ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. दयाराम राजपूत ने की। मुख्य अतिथि अनूप जिला प्रचारक, विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता हरवंश जिला कार्यवाह आरएसएस, प्रेमजीत प्रचारक बिधूना खण्ड ने विचार रखे। समापन के बाद समाजसेवी इंजी. राहुल चौहान ने जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल वितरित किए। सम्मेलन में मास्टर बांकेलाल दिवाकर, डॉ. सुनील राजपूत, अरविन्द्र राजपूत रहे।

कंबल वितरित करते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

पुखरायां पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति मित्र के परिजनों को दी सांत्वना

कानपुर देहात। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पुरानी दोस्ती का मान रखने के लिए जाने जाते हैं। व्यस्तता के बीच समय निकाल कर दोस्तों के सुख-दुख में शामिल होना नहीं भूलते। पुखरायां के रहने वाले उनके मित्र सतीश मिश्रा का बीते दिनों निधन हुआ था। दूसरे कार्यक्रमों की व्यस्तता के चलते पूर्व राष्ट्रपति तब नहीं आ सके। मौका मिला तो आ गए। रविवार को वह पुखरायां पहुंचे और अपने मित्र के सगे संबन्धियों से मिले और उन्हें सांत्वना प्रदान की। सभी का हाल भी जाना। पूर्व राष्ट्रपति के दौरे की तैयारियां कई दिनों से चल रहीं थीं। रविवार की सुबह बैलाही बाजार में उनका हेलीकॉप्टर उतरा। डीएम कपिल सिंह और एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने अगवानी की। इसके बाद सड़क मार्ग से उन्हें स्व मिश्रा के आवास पर ले जाया गया। पूर्व राष्ट्रपति ने सतीश मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शोक संतप्त पुत्रों शांतनु मिश्रा, शंकुल मिश्रा और गौरव मिश्रा को गले लगाकर सांत्वना प्रदान की। धैर्य से काम लेने की बात कही। बात चीत में पूर्व राष्ट्रपति ने सतीश मिश्र के साथ बिताए समय को याद किया। कहा सतीश उनके केवल मित्र नहीं बल्कि परिवार का हिस्सा थे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार क कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरा नाम रश्मि त्रिपाठी है, जबकि आधारकार्ड व पैनकार्ड में रश्मि चतुर्वेदी है। आज से मुझे रश्मि चतुर्वेदी के नाम से जाना पहचाना जाए। **–रश्मि चतुर्वेदी पत्नी आकाश , निवासी मोहल्ला मंडी बाजार, तिर्वा, कन्नौज।**

सूचना

मेरी हाई स्कूल की मार्कशीट वर्ष 2014 अनुक्रमांक नं. 42016122 व इंटरमीडिएट की मार्कशीट वर्ष 2016 अनुक्रमांक नं. 066354 वास्तव में कहीं खो गई है । **शिवम दुबे पुत्र विनोद दुबे निवासी कल्याण नगर भरथना इटावा**

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAD ZAID KHAN था अब मैने बदलकर अपना नाम MOHD ZAID KHAN रख लिया है भविष्य में मुझे MOHD ZAID KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MUSHARRAF KHAN, R/O- 34,BRAHMAU KALAN,MATHAN THANA PISAWAN, SITAPUR

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति स्व. राघवराम मौर्य द्वारा कराई गई भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी संख्या 219325007 मे नामिनी के तौर पर मेरा नाम लालदेई अंकित है जबकि आधार कार्ड मे विशुना देवी अंकित है। यह दोनों नाम मेरे ही हैं। **लालदेई उर्फ विशुना देवी पत्नी स्व राघवराम मौर्य निवासिनी - ग्राम मुसई पुरवा बनगाई, पोस्ट- बनगाई जिला गोंडा (उप्र)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है **मैं राम बचन सिंह पुत्र स्व0 पति राम नि0–ई–29 राजीव नगर कल्याणपुर लखनऊ** का निवासी हूँ। मैं अपने बड़े पुत्र राकेश कुमार सिंह व बड़ी पुत्री मनोज सिंह के परिवार के प्रति दुव्यवहार गलत आचरणों के कारण अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में इनके द्वारा किए गए कृत्य एवं लेन–देन के जिम्मेदार वे स्वंय होगें। मेरा व मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं होगा।

सूचना

मैं नैतिक त्रिपाठी पुत्र अरुण कुमार तिवारी निवासी कान्धी कुइयां नगर पंचायत पयागपुर थाना पयागपुर जिला बहराइच का निवासी हूं मेरा हाई स्कूल अंक पत्र (मार्क शीट) वास्तव में कही खो गया है जिसका अनुक्रमांक 1232652327 एवं परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष 2023 है तथा बोर्ड उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद है।

सूचना

रज्जाक हुसैन आयु लगभग 37 वर्ष पुत्र मो0 रफीक निवासी – 346/12 पी, मेंहदीगंज, कच्ची कालोनी, चौक, लखनऊ उत्तर प्रदेश – 226003 के हाई स्कूल मार्कशीट में शपथी का नाम मोहम्मद हुसैन पुत्र मो0 रफीक अंकित है। किंतु शपथी ने अब अपना नाम बदल कर रज्जाक हुसैन पुत्र 0 रफीक रख लिया है भविष्य में शपथी इसी नाम से जाना व पहचाना जाएगा।

विरोध

सरकार पर लगाया अनदेखी का आरोप

आशा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जनपद औरैया में शनिवार को आशा कार्यकर्ताओं ने जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में अपनी लंबित मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए काला दिवस मनाया और जमकर नारेबाजी की।

यह प्रदर्शन उत्तर प्रदेश में 15 दिसंबर 2025 से चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल का हिस्सा है, जिसमें शहरी (अर्बन) और ग्रामीण क्षेत्रों की आशा कार्यकर्ताएं व आशा संगिनियां शामिल हैं। औरैया में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी के साथ यह आंदोलन प्रभावी रूप से सामने आया। आशाओं ने सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी का भुगतान, 10 वर्ष का स्वास्थ्य बीमा और 50 लाख रुपये का जीवन बीमा उपलब्ध करने, कार्य की सीमा तय करने, प्रोत्साहन राशि के स्थान पर न्यूनतम वेतन लागू करने की मांग रखी। प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विरोध-प्रदर्शन करतीं आशाएं। अमृत विचार

- प्रोत्साहन राशि के स्थान पर न्यूनतम वेतन लागू करने की मांग

इस दौरान आशा कार्यकर्ता चारुल पोरवाल, रेणू मिश्रा, अर्चना पोरवाल, कुमकुम, रेणू, निर्मला, ममता देवी, सुमन देवी, कालिंद्री, निशा, राम जानकी, विमला देवी, सुनीता, दिव्या पांडे, रिचा, संतोषी मिश्रा, राधा मिश्रा, कंचन और शोभा सहित बड़ी संख्या में आशाएं शामिल रहीं। आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनी हुई हैं, इसके बावजूद उन्हें न तो उचित सम्मान मिल रहा है और न ही सुरक्षा व लाभ। सरकार से जल्द समाधान की उम्मीद जताई गई है, अन्यथा हड़ताल को और व्यापक रूप देने की चेतावनी दी गई है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने बांटे कंबल

अयाना, औरैया। कड़ाके की ठंड के बीच पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजकुमार दुबे ने सिहौली, कसापाल, रहटौली आदि गांवों में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित किए। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों और सम्मानित साथियों का आशीर्वाद भी लिया।कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान राजकुमार दुबे ने कहा कि जनता का स्नेह और सम्मान ही उनकी असली पूंजी है। उन्होंने इस पुनीत कार्य में क्षेत्र के सम्मानित साथियों और जन प्रतिनिधियों के पूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संदीप दुबे, शिवकांत दुबे, गिरजाशंकर दुबे, सत्यनारायण दुबे, कृपाल गुर्जर, सिहौली के पूर्व प्रधान अखिलेश, प्रधान पति सुभाष दोहरे, मनोज मिश्रा, नितिन अवस्थी, जीतू सेंगर जिम पाल सेंगर हीरा त्रिपाठी आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

लाखों के जेवरात लेकर युवती फरार

बिवांर (हमीरपुर)। युवती घर सूना पाकर अपनी मां तथा भाभी के लाखों रुपये के जेवरात और नकदी लेकर सजातीय युवक के साथ फरार हो गई पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। बिवांर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने थाने में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते 16 जनवरी को उसकी पुत्री को गांव का सजातीय युवक विवेक पुत्र सुग्रीव बहला फुसला कर भगा ले गया है। पीड़ित पिता ने बताया कि उसकी लड़की मां और भाभी के लाखों रुपये के जेवरात और बीस हजार रुपये की नकदी भी साथ ले गई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अश्लीलता करने की रिपोर्ट दर्ज कराई

बिवांर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने थाने में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते दिन सुबह जब वह अपने दरवाजे पर झाड़ू लगा रही थी। तभी गांव का श्री राम पुत्र श्याम सिंह अश्लील इशारे करने लगा। इतना ही नहीं पीड़िता ने बताया कि आरोपी कह रहा था कि अपनी सहेलियों से मेरी सेटिंग करवा दो और रुपयों का लालच देने लगा। पीड़िता ने बताया कि जब उसने अपने पिता को बताने की बात कही तो आरोपी धमकी देकर चला गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक से परेशान होकर युवती ने रिपोर्ट दी

बिवांर(हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के लदार गांव निवासी युवती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि पड़ोस का युवक श्री राम पुत्र श्याम सिंह रास्ते से आने जाने पर गंदी हरकत कर परेशान करता चला आ रहा है। विरोध किए जाने पर अभद्रता कर मारपीट करने के लिए आमादा हो जाता है। इससे परेशान होकर युवती ने यूपी 112 नंबर पर फोन किया। जिस पर मौके पर आई पुलिस उसको गिरफ्तार कर थाना ले आई है। एसआई अंकित बैसला ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर चालान कर दिया।

आश्रम में आई दो बहनों के साथ छेड़छाड़

मौदहा (हमीरपुर)। आश्रम में दर्शन करने आई दो बहनों के साथ छेड़छाड़ व मारपीट की घटना सामने आते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिसोलर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते 14 जनवरी की दोपहर वह अपनी बहन के साथ एक गांव स्थित आश्रम में दर्शन करने आई थी। लौटते समय खेत में चने की भाजी तोड़ने लगी। तभी गांव के विवेक सिंह और सौरभ सिंह भी पीछे से आ गए और दोनों ने उसे पकड़ कर छेड़छाड़ करते हुए जमीन पर पटक दिया। शोर मचाने पर उसकी बहन आई तो विवेक सिंह ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने बताया कि किसी तरह दोनों बहने छूट कर आश्रम पहुंची और लोगों को पूरी जानकारी दी तो दोनों लोग मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि उक्त लोग अक्सर उसका पीछा करते हैं। जिससे वह भयभीत है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है मामले की जांच की जा रही है।

मानवाधिकार सहायता संघ ने शुरू किया सदस्यता अभियान

राठ (हमीरपुर)। कस्बा स्थित नई सब्जी के समीप रविवार को मानवाधिकार सहायता संघ अंतरराष्ट्रीय के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.सोनू सिंह एवं उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेश भदौरिया के आदेशानुसार कस्बे में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कोतवाली के उप निरीक्षक गौरव शुक्ला उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गफूरुद्दीन ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य नि:शुल्क महा सदस्यता अभियान रहा, जिसके अंतर्गत 9 महिलाओं एवं 3 पुरुषों को संगठन की सदस्यता प्रदान कर उन्हें संघ मित्र सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर सभी नए सदस्यों को संगठन के उद्देश्यों, कार्य प्रणाली एवं मानवाधिकार संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा समाज में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। बैठक में परवेज खान, रवि दयाल, अजय कुमार सपेरा, मदन पाल सिंह, निहालुद्दीन, फरीद अहमद, शेख आज़ाद, अनवर बेग, भारती चौधरी, रानी, नेहा द्विवेदी, निशा राजपूत रहे।

एजेंसियां सिमी से जुड़े होने के सबूत खंगालने में जुटीं

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। खूफिया एजेंसियां लव-जिहाद, धर्मांतरण के मुख्य आरोपी के पिता का इस्लामिक मूवमेंट (सिमी) से जुड़े होने के सबूत खंगालने में लगी हैं। खूफिया एजेंसियों को आशंका है मौलाना खान सिमी का सदस्य है तभी इसके यहां वर्ष पर्यंत कट्टरपंथी मौलानाओं का आना जाना रहता है।

कस्बे के हिंदू समुदाय की नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाकर गैंगरेप कर अश्लील वीडियो बनाने तथा बाद में धर्मांतरण का दबाव बनाने पर युवती के मुकर जाने से नाराज होकर अश्लील वीडियो वायरल करने के मामले में मुख्य आरोपी अफान खान के पिता मौलाना खान पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। खूफिया तंत्र मौलाना खान को इस्लामिक मूवमेंट (सिमी) का सक्रिय सदस्य मान रहा है और सिमी से जुड़े होने के सबूत एकत्र कर रहा है। रविवार को कस्बे में आए खुफिया एजेंसी के अधिकारी चुपचाप सबूत एकत्र करने में जुटे रहे। सूत्र बताते हैं कि खूफिया एजेंसी को मौलाना खान के खिलाफ अहम सबूत हाथ लगे हैं। खूफिया सूत्रों के अनुसार सिमी से जुड़े होने के कारण इसके यहां वर्ष पर्यंत कट्टरपंथी मौलानाओं का आना-जाना लगा रहता है।

● नाबालिग से गैंगरेप कर धर्मांतरण के दबाव का मामला

रसूख के चलते मोड़ा नाली का रुख

■ **सुमेरपुर।** कस्बे की मैथिलीशरण गुप्त मार्ग में बड़ी पुलिया के समीप आयशा मस्जिद के पास बनाया गया आरोपियों का पुश्तैनी मकान अन्य मकानों से भिन्न है। इन्होंने अपने रुतबे एवं रसूख के चलते नगर पंचायत की नाली को मकान की नींव में दफन करके जल निकासी रोक दी। नगर पंचायत को जल निकासी के लिए नाली का रुख मोड़ना पड़ा तब कहीं जाकर अन्य मकानों के पानी निकालने का इंतजाम हो सका। लव जिहाद, धर्मांतरण, गैंगरेप के आरोपियों का रुतबा और रसूख इस कदर रहा है कि उन्होंने पग पग पर नियम कानून को ठेंगा दिखाया है। इसका एक नमूना बड़ी पुलिया के समीप बना पुश्तैनी मकान है। निर्माण के दौरान नगर पंचायत की नाली को रोककर मकान की नींव रख दी। इससे कस्बे की जल निकासी ठप हो गई नगर पंचायत को जल निकासी के लिए नाली का रुख मोड़ने को मजबूर होना पड़ा। इस वजह से यह मकान इस मार्ग में अलग ही नजर आता है अब नगर पंचायत ने रविवार को इस मकान में नोटिस चस्पा किया है। नगर पंचायत इस मकान पर क्या कार्यवाही करेगी फिलहाल अभी स्पष्ट नहीं है।

पीड़िता के बयान के बाद आरोपियों की संख्या बढ़ी

■ **सुमेरपुर।** पीड़िता के अदालत में बयान के बाद पुलिस ने मुकदमे में और लोगों के नाम बढ़ाकर गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने अदालत में दिए 164 के बयान में और लोगों पर दुष्कर्म करने तथा धर्मांतरण का दबाव बनाने का बयान दिया है। पीड़िता के बयान के बाद पुलिस ने उनका नाम बढ़ाकर गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिया हैं। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया की पीड़िता के बयान के बाद आरोपियों की संख्या में इजाफा हुआ है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें बना दी गई है। छापेमारी की जा रही है जल्दी ही गिरफ्तार करके आरोपियों को जेल भेजा जाएगा। साथ ही मामले को लेकर कस्बे में चर्चाएं चल रही हैं।

पूरा परिवार भूमिगत, मकान में लटके ताले

■ **सुमेरपुर(हमीरपुर)।** लव जिहाद, धर्मांतरण, गैंगरेप के आरोपियों के पूरे परिवार के मकानों में ताले लटक रहे हैं। पूरा परिवार कस्बा छोड़कर भूमिगत हो गया है। सभी कारोबार ठप हो गए हैं। कस्बे की नाबालिग हिंदू किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर गैंगरेप के बाद धर्मांतरण का दबाव बनाने वाले आरोपियों का पूरा परिवार कस्बे से भाग निकला है। इनके आधा दर्जन मकानों में ताले लटक रहे हैं। इनका पूरा कारोबार ठप हो गया है।

सूने घर से चोरों ने घरेलू सामान नकदी पार की

बिवांर (हमीरपुर)। घर सूना पाकर चोरों ने घर में घुसकर कमरे के दरवाजा का ताला तोड़कर घरेलू सामान, हजारों रुपये की नकदी पार कर दी। थानाक्षेत्र के मवई जार गांव की वृद्धा शिव प्यारी पत्नी गुलजारी अहिरवार ने थाने में तहरीर दी कि उसकी पांच शादीशुदा पुत्रियां हैं। बीते दिनों व घर में ताला डालकर एक पुत्री की ससुराल बांधुर बुजुर्ग गांव चली गई थी। घर सूना पाकर चोर घर के बाहर के दरवाजा का ताला तोड़कर अंदर घुस आए और कमरे के दरवाजा का ताला तोड़कर वहां रखी एक क्विंटल लाही, छह क्विंटल गेहूं के साथ घरेलू सामान व बीस हजार नगदी चोरी कर ले गए।

युवक बहन की शादी का कार्ड बांटकर वापस जा रहा था, चंदौखी गांव के पास हुआ हादसा

बाइकों की भिड़ंत में युवक की थमीं सांसें, चार घायल

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। बहन की शादी के कार्ड बांटकर लौट रहे क्रेन चालक की बाइक सामने से आ रही बाइक से भिड़ गई। घटना में क्रेन चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां दो युवकों की हालत गंभीर होने पर उन्हें कानपुर रेफर कर दिया है।

फतेहपुर जनपद के थाना चांदपुर क्षेत्र के गोविंदपुर बिलारी गांव निवासी सुशील कुमार (22) पुत्र रामलाल सैनी परिवारिक भाई अवधेश कुमार के साथ बाइक से रविवार की सुबह मौदहा के सायर गांव में बहन की शादी का कार्ड बांटकर गांव लौट रहा था। जैसी उसकी बाइक नेशनल हाईवे 34 पर सदर कोतवाली क्षेत्र के चंदौखी गांव के नजदीक पहुंची। तभी गलत साइड से आ रही बाइक से भिड़ंत हो गई। घटना से दोनों भाई बाइक से छिटक कर सड़क पर गिर गए और हेलमेट चकनाचूर हो गया। सुशील की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी बाइक सवार बांदा के छैरांव गांव निवासी 60 वर्षीय छक्केलाल और उनके दो पुत्र अजय और बबलू घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से सभी को जिला अस्पताल भेजा। जहां अजय व छक्केलाल की हालत गंभीर होने पर उन्हें कानपुर रेफर कर दिया। मृतक के भाई अवधेश ने बताया कि मृतक गुजरात प्रांत में किसी कंपनी में क्रेन चलाने का काम करता था। अभी दस दिन पहले ही वह बहन की शादी के लिए गांव आया था। बताया कि उसकी बहन की शादी 12 फरवरी को है। इस घटना से मृतक के घर में खुशियों की जगह मातम का माहौल छा गया है। उधर बबलू ने बताया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं रहती है। कानपुर का इलाज चल रहा है। कल वह लोग कानपुर दिखाने गए थे। रविवार को वापस गांव जा रहे थे, तभी हादसा हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुशील कुमार का फाइल फोटो।

मासूम तालाब में डूबा, थमीं सांसें

■ **हमीरपुर।** दोस्तों के साथ खेल खेल में मासूम की तालाब में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मासूम के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। बिवांर थानाक्षेत्र के ग्राम रोहारी गांव निवासी अनिल कुशवाहा का चार वर्षीय पुत्र कृष्णा कुशवाहा शनिवार की दोपहर लगभग तीन बजे दोस्तों के साथ गांव स्थित तालाब के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह तालाब में गिरकर डूब गया। परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से मासूम के शव को तालाब से बाहर निकाला। परिजनों की सूचना पर पहुंची बिवांर थाना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं मृतक के परिजनों ने शहर के कचहरी स्थित मुक्तिधाम के पास यमुना नदी में मासूम का अंतिम संस्कार कर दिया है।

धूमधाम से मनाया सहकार भारती का स्थापना दिवस

सुमेरपुर (हमीरपुर)। क्षेत्र के टेढ़ा गांव में सहकार भारती का 48वां स्थापना दिवस राष्ट्र हित, किसान हित एवं सहकारिता सशक्तिकरण के संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण उत्थान और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य वक्ता एफपीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ.मनोज कुमार ने किसान उत्पादक संगठनों की भूमिका, किसानों को बाजार से जोड़ने और सहकारिता को मजबूत बनाने पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सहकार भारती बिना राजनीति के सहकारिता को जन आंदोलन का स्वरूप दे रही है। कार्यक्रम में सहकार भारती के कार्यों, किसान सशक्तिकरण, महिला स्वावलंबन, प्राकृतिक खेती और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति ने संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

स्थान पाने वाली छात्राओं को पुरस्कृत करते डीएम व पर्यटन अधिकारी। अमृत विचार

संस्कृति उत्सव में कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा, मिला सम्मान

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। संस्कृति विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति हमारी पहचान के अंतर्गत संस्कृति उत्सव-2025-26 के अन्तर्गत राजकीय महिला महाविद्यालय सभागार में कलाकारों की जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील हमीरपुर, राठ, मौदहा, सरीला के कलाकारों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें एकल गायन, समूह गायन, एकल लोक गायन, नृत्य आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विजेताओं को जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बुंदेलखंड की लोक संस्कृति का झलक संस्कृति उत्सव में देखने को मिली है।

ऐसे आयोजन से नवीन पीढ़ी को अवसर मिलता है। अंत में पर्यटन सूचना अधिकारी डा.चित्रगुप्त ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को 17-19 जनवरी को मंडल पर आयोजित मंडलीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

मार्ग दुर्घटना में घायल मजदूर की इलाज के दौरान हुई मौत

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। बीते 12 जनवरी को देर शाम खेत में पानी लगाकर वापस घर लौट रहे किसान को मुंडेरा मार्ग में पचखुरा खुर्द की गौशाला के पास तेज रफ्तार लोडर ने जोरदार टक्कर मार दी थी। इस घटना में किसान गंभीर रूप से घायल हुआ था। उसका कानपुर में उपचार चल रहा था। शनिवार को देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। रविवार को शव गांव लाया गया।

सुरेश कुमार।

पचखुरा खुर्द निवासी सुरेश कुमार (46) बीते 12 जनवरी को देर शाम खेत में पानी लगा घर वापस लौट रहा था। मुंडेरा मार्ग में गौशाला के समीप तेज रफ्तार लोडर ने टक्कर मारकर भाग निकला था। घटना में सुरेश कुमार गंभीर रूप से घायल हुआ। परिजनों ने गंभीर हालत में इलाज के लिए कानपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार को देर शाम इसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया। इससे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी मिथलेश कुमारी, पुत्र धीरज, धीरेंद्र, पुत्री रीति को रोता बिलखता छोड़ गया है। भाई पप्पू ने बताया कि उसके हिस्से में करीब दो बीघे खेती योग्य जमीन थी। वह खेती-बाड़ी करने के साथ मनरेगा योजना में मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था।

काम में लापरवाही बरतने पर पंचायत सचिव निलंबित

सुमेरपुर। जिला पंचायत राज अधिकारी ने इंगोहटा के पंचायत सचिव को गौ आश्रय के रखरखाव में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया। इंगोहटा निवासी आशीष सिंह, दिवाकर सिंह परिहार आदि ने तहसील दिवस में शिकायत दी थी कि इंगोहटा गौशाला में दो दर्जन से ज्यादा गोवंश मरे हैं जिनको प्रधान पुत्र गुरु प्रताप सिंह ने ट्रैक्टर ट्राली में भरकर नाला किनारे फेंक दिया। डीएम ने जांच टीम बनाकर गांव भेजी। टीम को गौशाला के अभिलेखों में 134 गोवंश संरक्षित होने का रिकॉर्ड मिला। मौके पर 128 गोवंश बंद पाए गए। 6 गोवंश की स्वाभाविक मौत का ब्योरा मिला। इस पर जिला पंचायत राज अधिकारी सुरेश कुमार ने पंचायत सचिव अमित कुमार को निलंबित किया।

रैली निकाल दिया हिंदू सम्मेलन का आमंत्रण

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन सोमवार को कस्बे के रामलीला मैदान में किया गया है। इस सम्मेलन को अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास महाराज सहित अन्य साधु संत संबोधित करेंगे। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आरएसएस, विहिप, बजरंग दल, विद्यार्थी परिषद, गौ रक्षा दल आदि हिंदूवादी संगठनों ने पूरी ताकत झोंक दी है। रामलीला मैदान में विशाल मंच तैयार करके कस्बे में जगह-जगह स्वागत के लिए तोरण द्वारा बनाए गए हैं। सम्मेलन में लोगों को आमंत्रित करने के लिए रविवार को कस्बे के प्रमुख मार्गों से विशाल बाइक रैली निकल कर आमंत्रण दिया।

कस्बे के रामलीला मैदान में आरएसएस, विहिप, बजरंग दल, विद्यार्थी परिषद, गौ रक्षा दल, हिंदू युवा वाहिनी आदि संगठनों ने विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन सोमवार को किया है। इस सम्मेलन के मुख्य वक्ता अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास महाराज हैं। सम्मेलन में लोगों को आमंत्रित करने के लिए रविवार की शाम कस्बे में विशाल बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली में भगवा ध्वज लहराते हुए जय श्री राम के गगनभेदी नारे लगाए गए। विहिप के जिला अध्यक्ष रामदत्त पांडे, आरएसएस के नगर कार्यवाह कैलाश दुबे ने बताया कि सम्मेलन की सभी तैयारियां पूर्ण हो गई है। सम्मेलन सोमवार को दोपहर एक बजे से शुरू होगा।

बाइक रैली निकालते हिंदू संगठन के लोग। अमृत विचार

कर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बने सुनील कुमार शर्मा

हमीरपुर। कर अधिवक्ता संघ का त्रिवार्षिक चुनाव संरक्षक हरस्वरूप गुप्ता एडवोकेट एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेशचन्द्र गुप्ता की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें राठ के सुनील कुमार शर्मा को अध्यक्ष एवं मौदहा के सुभान खां को महामंत्री निर्विरोध चुना गया है। वहीं सीएल कुशवाहा को उपाध्यक्ष एवं कुरारा के राजेश ओमर को कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया गया। इस दौरान कर अधिवक्ता संघ के सभी अधिवक्ता दृगपाल विश्वकर्मा, देवेन्द्र कुमार गुप्ता, विवेक चौरसिया, विनोद गुप्ता (सीए), सतेन्द्र अग्रवाल, नमन गुप्ता, हरि प्रकाश गुप्ता, शिवम गुप्ता (सीए), कुशाग्र गुप्ता, शिवम गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, इकबाल खान, अनुज गुप्ता उपस्थित रहे।

आवास योजना | भाजपा जिलाध्यक्ष व चेयरमैन सहित अधिकारियों ने लाभार्थियों को दिए प्रमाण पत्र

2087 लाभार्थियों के खाते में आई पहली किस्त

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम न्यायिक रिजवान शाहिद एवं डिप्टी कलेक्टर पैगाम हैदर की अध्यक्षता में जिले के 2087 लाभार्थियों को पहली किस्त उनके खाते में हस्तांतरित किए जाने को लेकर कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद और नगर पालिका चेयरमैन कुलदीप निषाद ने सभी लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम से पहले कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अन्तर्गत 2 लाख लाभार्थियों को प्रथम किस्त की धनराशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके खाते में सीधे हस्तांतरित करने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इसके बाद मुख्य अतिथियों ने सभी लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र सौंपा है। इस दौरान जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा के परियोजना अधिकारी/डिप्टी कलेक्टर पैगाम हैदर ने योजना के बारे में जानकारी दी।

बताया कि व्यक्तिगत आवास के लिए 2.5 लाख रुपये का अनुदान है जिसमें केन्द्र द्वारा 1.5 लाख एवं राज्य सरकार द्वारा 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि जिले के कुल 2087 लाभार्थियों के बैंक खातों में एक-एक लाख रुपये का डिजिटल हस्तांतरण किया जाएगा। सबसे अधिक 1403 लाभार्थी नगर पालिका राठ क्षेत्र के लाभार्थी हैं।

लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण पत्र देतीं भाजपा जिलाध्यक्ष, चेयरमैन व अन्य। अमृत विचार

क्रिकेट मैच के दौरान विवाद युवक लहूलुहान

बिवांर (हमीरपुर)। क्रिकेट मैच खेलते के दौरान दो युवकों में विवाद हो गया। जिस पर एक युवक ने दूसरे युवक के सिर में बल्ले से हमला कर दिया। जिससे वह अचेत होकर गिर गया। परिजनों से उसे छानी सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

थानाक्षेत्र के सायर गांव के मोहनपुरवा मोहल्ले में क्रिकेट मैच गांव के युवक खेल रहे थे। खेल में सुनील पुत्र कालीचरण प्रजापति का बउआ पुत्र सिद्धू अनुरागी से विवाद हो गया। दोनों युवक एक दूसरे के साथ अभद्रता करने लगे। जिस पर सुनील ने बउआ के सिर में बल्ले से हमला कर दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर अचेत हो गया। युवकों ने फोन से उसके पिता को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे पिता ने यूपी 112 को सूचना दी। पुलिस ने युवक को छानी सीएचसी में भर्ती कराया।

अस्पताल का निरीक्षण करते राज्यमंत्री मनोहर लाल। अमृत विचार

बांदा से लौटे मंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण कर परखीं व्यवस्थाएं

पौथिया (हमीरपुर)। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री मनोहर लाल कोरी ने अस्पताल पहुंच मरीजों का हालचाल जाना। शनिवार रात करीब आठ बजे बांदा में चल रहे बागेश्वर पीठाधीश दरबार से लौटते समय वह मौदहा हाईवे स्थित सन लाइफ अस्पताल पहुंचे। वहां मौजूद डा.इंद्रजीत शर्मा, डा.राहुल सिंह ने मंत्री को माला पहनाकर सम्मानित किया। वहीं विशेषज्ञ महिला डा.अंशू मिश्रा ने शिष्टाचार भेंट की। राज्यमंत्री ने चिर-परिचित सन लाइफ अस्पताल के डा.आईजे शर्मा से गुफ्तगू करते हुए भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेते हुए अस्पताल का निरीक्षण किया।

मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ होने की कामना कर डा.आईजे शर्मा की पीठ थपथपाते हुए कहा कि डॉक्टर ईश्वर स्वरूप होता है। नर सेवा नारायण सेवा ही सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर सुशील शुक्ला, आशीष शुक्ला, वीरेंद्र तिवारी, राम लखन, सहित क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

महोबा। सूपा गांव निवासी सत्यम 28 गेहूं की फसल में मोटर चलाकर सिंचाई कर रहा था तभी अचानक मोटर में करंट आ जाने से जैसे ही किसान ने मोटर को छुआ वह करंट की चपेट में आकर दूर जाकर गिरा। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों और परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

102 मरीजों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

बेलाताल। मुख्य चिकित्साधिकारी महोबा डॉ. आशाराम के निर्देशन एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर के अधीक्षक डॉ. पवन राजपूत की देखरेख में रविवार को अजनर और खमा अरोग्य मंदिर में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। शिविर में 102 मरीजों का स्वास्थ्य टीम ने चेकअप किया। अजनर अरोग्य मंदिर में डॉ. जीतेन्द्र कुमार, डॉ. वैशाली सोनी एलटी शैलेन्द्र तथा स्टाफ नर्स भगवती, एएनएम नीतू एवं अरुण की उपस्थिति में कुल 49 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। अरोग्य मंदिर खमा में डॉ. प्रेम नारायण शर्मा, डॉ. शैलेंद्र सिंह एवं डॉ. जेपी पास्टर ने 53 मरीजोंका परीक्षण कर दवाएं वितरित की।

तिब्बे नब्वी पद्धति से हकीम ने किया इलाज

महोबा। चरखारी की जामा मस्जिद परिसर में तिब्बे नब्वी पद्धति के माध्यम से मरीजों का उपचार किया जा रहा है। दो शिविर में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं पुरुषों का परीक्षण चिकित्सक ने किया। तिब्बे नब्वी पद्धति के हकीम अब्दुल कादिर अत्तारी ने बताया कि तिब्बे नब्वी यानि पैगम्बर मुहम्मद साहब की सुन्नत तरीकों पर आधारित इस्लामी चिकित्सा और उपचार है। जिसमें प्राकृतिक जड़ी बूटियों के इस्तेमाल से बीमारियों का इलाज होता है। इसमें कई प्राकृतिक चीजें जैसे शहद, काला जीरा, खजूर, और विभिन्न हर्ब्स का उल्लेख है। शिविर के पहले दिन हकीम ने तिब्बे नब्वी पद्धति से कैंसर, किडनी रोग, गठिया, डायबिटीज हृदयरोग, महिलाओं की समस्याओं सहित पुराने जटिल रोगों के करीब 400 मरीजों का परीक्षण कर दवाइयां दी गयीं। इस दौरान हफिज आबिद हुसैन, शफकत हुसैन, तौसीफ, मुहम्मद रिजवान, समीर खां, प्रेमरानरायण' अदनान, ऐहतेशाम आदि प्रमुख रूप से मरीजों के सहयोगी के रूप में मौजूद रहे।

मौनी अमावस्या : श्रद्धालुओं ने लगाई गोरखगिरि की परिक्रमा

माघी अमावस्या पर लोगों ने दान पुण्य कर पितरों का लिया आशीर्वाद

संवाददाता कुलपहाड़ महोबा

परिक्रमा के दौरान भक्ति में डूबे श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। मानव सभ्यता के आरंभकर्ता ऋषि मनु की जयंती एवं मौनी अमावस्या पर रविवार की सुबह श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक आस्था के केन्द्र गोरखगिरि पर्वत की पांच किलोमीटर लंबी पैदल परिक्रमा लगाई। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं ने मार्ग के चारों तरफ विराजमान देवी देवताओं के साथ ऋषि मनु का भी नमन वंदन किया साथ ही युद्ध व वैश्विक त्रासदियों के भंवरजाल में फंसी मानव सभ्यता को बचाने के लिए प्रार्थना की।

परिक्रमा शिवतांडव मंदिर से प्रारंभ होकर महावीरन, पठवा के हनुमान, केदारेश्वर महादेव, सकरे सन्या, छोटी चंडिका, काली माता, शनिदेव, वैष्णो देवी, नागौरिया, काल भैरव मंदिर से होते हुए पुलिस लाइन होते हुए वापस मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। परिक्रमा में श्रद्धालु जय श्रीराम, जय गोरखनाथ के जयकारे लगाते हुए श्रद्धा भाव के साथ पैदल चल रहे थे। परिक्रमा समाप्त होने के बाद मंदिर परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर बुंदेलखंडी ने बताया कि माघ माह की अमावस्या को माघी अमावस्या कहते हैं। इस अमावस्या के दिन ऋषि मनु का जन्म भी हुआ था, इसलिए माघी अमावस्या को मौनी अमावस्या भी कहते हैं। बताया कि सुबह नदियों में स्नान कर लोग पुन्य लाभ हासिल करते हैं और दान पुन्य कर पितरों का आशीर्वाद लेते हैं। इस मौके पर दिलीप जैन, अवधेश गुप्ता, मनीष जैदका, देवेन्द्र, प्रहलाद, नीरज, अन्नू पुरवार, गया प्रसाद, सुधीर दुबे, पवित्र पाटकर, प्रवीण, प्रेम चौरसिया, विपिन भाखरी, सिद्धे सेन, महेन्द्र, पवन सोनी, सत्येन्द्र गुप्ता व राजकुमार चंसौरिया सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

स्यावन को हराकर बमनौरा क्लब बना विजेता

बजरंग क्रिकेट टूर्नामेंट

- फाइनल मैच में स्यावन को 114 रनों से हराया
- टूर्नामेंट में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने पर शिवम बने मैन आफ द सीरीज

संवाददाता बेलाताल महोबा

विजेता टीम के कप्तान को ट्राफी देते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। स्यावन गांव के मैदान में पिछले दस दिनों से चल रहे बजरंग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच के बाद विजेता व उपविजेता टीम को ट्राफी व पुरस्कार देकर टूर्नामेंट का समापन किया गया। फाइलन मुकाबला बमनौरा क्लब और स्यावन क्लब टीम के बीच खेला गया, जिसे बमनौरा क्लब ने विरोधी टीम को 114 रनों से हराते हुए ट्राफी पर कब्जा किया। मैच दौरान खिलाड़ियों के चौके छक्कों की बौछार करने पर दर्शक डीजे पर धुन पर उछल-कूदकर मनोरंजन करते रहे।

फाइनल मैच में आम्पायर संतोष राजपूत और देवेंद्र यादव ने दोनों टीमों के कप्तानों को मैदान पर बुलाकर टास कराया, जिसे बमनौरा क्बल ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया । बमनौरा के बल्लेबाजों ने शुरूआत से ही अक्रमणता के साथ खेलते हुए गेंदों को बाउंड्री के पार पहुंचाते रहे और निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 219 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसमें बल्लेबाज प्रांशु राजा ने अतिशी पारी खेलते हुए 45 गेंदों में 82 रन बनाए। लंच ब्रेक के बीस मिनट बाद स्यावन टीम के बल्लेबाज विशाल स्कोर का पीछा करने के लिए क्रीज पर पहुंचे, लेकिन बमनौरा के गेंदबाजों ने पूरी टीम को 11वें ओवर में ही 105 रनों पर आल आउट कर दिया, जिससे बमनौरा टीम ने 114 रनों से एकतरफ फाइनल मैच जीत कर टूर्नामेंट की ट्राफी पर कब्जा कर लिया। फाइनल मैच का आंखों देखा हाल प्रदीप कुमार, अभिजीत चंदेल ने कॉमेंट्री कर बताया, जबकि स्कोर हरी सिंह ने लिखा। मैच का दर्शकों ने खूब आनंद उठाया। टूर्नामेंट के फाइलन मैच के मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रतिधिनि अजनर विनोद राजपूत, ग्राम प्रधान बमनौरा राजेंद्र सिंह ने विजेता टीम को ट्राफी दी, जबकि उपविजेता टीम को समाजसेवी बृजेंश सिंह व रणवीण सिंह ने शील्ड देकर सम्मानित किया। मैन आफ द मैच प्रांशु राजा को दिया गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में बेहतर खेल दिखाए जाने पर शिवम यादव को मैन आफ द सीरीज से नवाजा गया। अंत में सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर टूर्नामेंट का समापन किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से थानाध्यक्ष अजनर सुभाषचंद्र की गठित टीम के उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिह, कांस्टेबल अमर द्विवेदी मौजूद रहे।

एसआईआर में कोई मतदाता छूटे नहीं

कार्यालय संवाददाता महोबा

बूथ पर फार्म देखते एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर। अमृत विचार

अमृत विचार। शक्ति केंद्र रामनगर चरखारी बूथ संख्या 378 खंदिया में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर ने बैठक कर लोगों से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर में कोई भी पात्र मतदाता छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने एसआईआर अभियान की प्रक्रिया, उद्देश्य और महत्व के साथ साथ मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए मृतक मतदाताओं के नाम हटाने, स्थानांतरित मतदाताओं के नाम संशोधन करने एवं मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फार्म 6, 7 और 8 को भरे जाने की बात कही।

एमएलसी ने कहा कि एसआईआर से किसी को नुकसान नहीं होगा। उन्होंने बताया कि मतदाताओं के लिए वोटर लिस्ट के प्रकाशन के साथ साथ फार्म 6 परिवर्धन के लिए, फार्म 7 विलोपन के लिए और फार्म 8 संशोधन व स्थानांतरण के लिए। मतदाता सूची से संबन्धित किसी भी समस्या के निराकरण के लिए कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख करन सिंह राजपूत, सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कुलदीप भटनागर, संस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज द्विवेदी, शक्ति केंद्र संयोजक अभिषेक चौबे, मोहनलाल द्विवेदी सहित तमाम उपधिकारी उपस्थित रहे। वहीं विधानसभा महोबा निर्वाचन क्षेत्र के बूथों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची को पढ़कर सुनाए जाने की कार्रवाई की गई। जिसमें मतदेय स्थल 98-104 मुकुंदलाल इंटर कालेज महोबा के 7 बूथ लेवल अधिकारियों के कार्यों का निरीक्षण किया गया। बीएलओ द्वारा मतदाताओं से कुल 64 फार्म 6 घोषणा पत्र के साथ तथा फार्म 8 घोषणा पत्र के साथ प्राप्त किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी गजल भारद्वाज ने सभी को निर्देशित किया।

अधिवक्ताओं ने एक दर्जन विवादों में कराई सुलह

कार्यालय संवाददाता महोबा

मध्यस्थता केंद्र में पक्षों को सुनते अधिवक्ता। अमृत विचार

- सभी पक्षों ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने का दिया भरोसा

अमृत विचार। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के तत्वावधान में सम्पूर्ण राष्ट्र में 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत घरेलू हिंसा, वैवाहिक व संपत्ति बंटवारा आदि मामले मध्यस्थता के लिए संदर्भित कर निस्तारण कराया जा रहा है। इसी क्रम में मध्यस्थ अधिवक्ताओं ने मध्यस्थता केंद्र पर आए करीब करीब एक दर्जन पति पत्नी व अन्य लोगों के बीच हुए विवादों को आपसी सहमती से सुलह कराकर निस्तारित किया।

मध्यस्थता केंद्र में मध्यस्थ अधिवक्ता निहाल अहमद खान ने संगीता बनाम श्रीचन्द्र, अंजली राजपूत बनाम रविन्द्र कुमार, पूजा प्रजापति बनाम देवेन्द्र उर्फ शैलेन्द्र व एक अन्य पक्ष आसमी बनाम रमजान के बीच चल रहे विवाद को सुना। इसी प्रकार मध्यस्थता अभियान के अन्तर्गत मध्यस्थ अधिवक्ता शिवकुमार सिंह ने निशा व उनके पति पंकज वर्मा, वर्षा बनाम रामप्रकाश। मध्यस्थ अधिवक्ता कामता शरण ने लक्ष्मी बनाम राजाबाबू, पूजा बनाम राजा भईया। मध्यस्थ अधिवक्ता मनीष तिवारी ने गीता बनाम प्रमोद, ओम प्रकाश बनाम संगीता देवी, विनय कुमार उर्फ दीपक बनाम रश्मि, आजाद मुहम्मद बनाम मुस्कान खातून, मध्यस्थ अधिवक्ता कीर्ति कुमार ने पीर बानो बनाम रहमत खां। मध्यस्थ अधिवक्ता मनोज कुमार ने आशारानी बनाम रामकुमार के बीच चल रहे विवाद को गंभीरता से सुना और मामले को आपसी सुलह समझौते के आधार पर निपटारा कराया गया। अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव तेन्द्र पाल कि प्रतिदिन कई पक्षों के बीच में मध्यस्थ अधिवक्ता विभिन्न विवादों में सुलह कराई जा रही है, जिसमें अभी तक कई मामलों में सफलता पूर्वक सुलह कराई जा चुकी है। बताया कि राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान मे विभिन्न प्रकृति जैसे वैवाहिक वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, घरेलू हिंसा के मामले, चैक बाउंस के मामले, वाणिज्यिक विवाद के मामले, सेवा विवाद के मामले, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले ऋण वसूली के मामले, सम्पत्ति के बंटवारें से सम्बन्धित मामले, बेदखली से सम्बन्धित मामले, एवं अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों को मध्यस्थता के लिए सन्दर्भित कर निस्तारण कराया जा रहा है।

कब्जा हटवाकर बनाई गई हरित सागौन वाटिका

कार्यालय संवाददाता महोबा

कब्जा मुक्त भूमि। अमृत विचार

अमृत विचार। चांदा गांव की 6200 वर्ग मीटर भूमि पर ग्रामीणों ने अवैध कब्जा कर लिया था, जिसे प्रशासन से सख्ती के साथ खाली कराया। प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण और विकास का अनूठा उदाहरण देते हुए इस भूमि पर हरित सागौन वाटिका तैयार की। इस वाटिका में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा ग्रामीणों ने हिस्सा लेते हुए एक हजार सागौन के पौध रोपित करने में सहयोग किया।

कबरई विकासखंड के चांदों गांव की गाटा संख्या 391/2 और गाटा संख्या 330 (पहाड़) के रूप में दर्ज कुल 6200 वर्ग मीटर भूमि पर वर्षों से कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था। इतने बड़े भूभाग को खाली कराना प्रशासन के लिए आसान नहीं था, फिर भी जिला प्रशासन के सख्त रुख और ग्राम पंचायत के सहयोग से इस भूमि को कब्जाधारियों से मुक्त कराया। जमीन खाली होने के बाद इसे यूं ही छोड़ने के बजाय प्रशासन ने इसमें हरित सागौन वाटिका बनाने के लिए अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया और इस अभियान के तहत एक साथ 1000 सागौन के पौधों का रोपण किया गया।

इस कार्य की सबसे खास बात जन भागीदारी रही, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर आम ग्रामीणों तक ने भाग लेकर सहयोग किया और यह सरकारी मुहिम एक जन आंदोलन में बदल गई। वीडीओ अनमोल वर्मा ने बताया कि यह सागौन वाटिका भविष्य में न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखेगी, बल्कि गांव की सुंदरता और शुद्ध हवा का भी प्रमुख स्रोत बनकर उभरेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे गांव के विकास के लिए एक बेहतर अभियान बताया। गांव की यह हरित सागौन वाटिका संपूर्ण जिले के लिए एक प्रेरणा बन गई है।

धर्म और कर्म से जीवन का बना रहता है संतुलन

महोबा। शहर के कटकुलवा मोहल्ले में स्थित संत कबीर आश्रम में रविवार को संत कबीर अमृतवाणी सत्संग समिति के तत्वावधान में सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में समिति के प्रमुख एवं साईं डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ. एलसी अनुरागी ने कहा कि मनुष्य पांच प्रहर रोजी रोटी कमाने में लगा रहता है, तीन प्रहर तक सोता है इस तरह आठो प्रहर प्रभु के स्मरण बिना ही बीत जाते है, जिससे ऐसे मनुष्यों को मुक्ति नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को रोज़ी रोटी के साथ साथ प्रभु की भक्ति भी करनी चाहिए क्योंकि यह जीवन का संतुलन है, जहां कर्म और धर्म, दोनों महत्वपूर्ण हैं।

बलिदानी द्वार बनाए जाने की उठाई मांग

कार्यालय संवाददाता महोबा

समाधि स्थल पर हवन में मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए बीएसफ के कमांडेंट दिनेश बुधौलिया की 25वीं पुण्यतिथि पर कल्याण सागर पहाड़ी स्थिति अमर शहीद की समाधि स्थल पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हवन के बाद लोगों ने समाधि में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और प्रशासन से छतरपुर रोड पर उसकी स्मृति में बलिदानी द्वार बनाये जाने की मांग उठाई।

शहीद दिनेश बुधौलिया के भाई सतीश कुमार ने बताया कि पुलवामा जिले के त्राल गांव में आज ही के दिन आतंकियों ने रास्ते में बारूदी सुरंग बिछा दी थी, पेट्रोलिंग के दौरान हमारे भाई उसकी चपेट में आ गए थे। उनकी शहादत के बाद नगरपालिका परिषद ने लायंस क्लब के सहयोग से 2001 में कल्याण सागर पहाड़ी पर उनकी समाधि और पार्क का निर्माण करवाया। समाधि स्थल के सामने बलिदानी द्वार बनाया जाना चाहिए ताकि यहां से निकलने वाले लोगों को उनके बारे में पता चलना चाहिए। इस मौके पर बुंदेली समाज के संयाजक तारा पाटकर, नियाज मोहम्मद, अल्ताफ हुसैन, संतोष बुधौलिया, रघुनाथ प्रसाद, घनश्याम बाजपेयी, अवनी, अशोक, रमाशंकर मिश्र आदि रहे।

खेती किसानी | एक साल में अमरूद की पैदावार से कमाते हैं तीन लाख रुपये

अमरूद की खेती ने बदल दी किसान की तकदीर

लक्ष्मी गोस्वामी, बेलाताल

बाग में लगे अमरूद दिखाता किसान। अमृत विचार

अमृत विचार। ब्लाक जैतपुर के लमौरा गांव के एक किसान ने बागवानी करके लाखों रुपये कमाना शुरू कर दिया है। इससे किसान का परिवार खुशहाली भरी जिंदगी गुजार रहा है। बागवानी ने किसान की तकदीर ही बदल दी है। अब प्रगतिशील किसान को खुशहाल देखकर दूसरे किसान भी बागवानी की तरफ रुख कर रहे है। एक एकड़ भूमि में अमरूद लगाकर किसान ने एक साल में तीन लाख रुपये कमाये हैं।

ग्राम पंचायत लमौरा के किसान स्वामी प्रसाद कुशवाहा के पास मात्र आठ बीघा जमीन है। बागवानी करने से पहले साल भर में बमुश्किल एक लाख रुपये की गेहूं, मटर की फसल उगाते थे, जिससे बच्चों की अच्छी पढ़ाई करना तो दूर साल भर के लिए खानपान, दवा और कपड़े की व्यवस्था नहीं हो पाती थी, लेकिन अब एक एकड़ भूमि में एक साल में तीन लाख रुपये अमरूद की फसल से कमा रहे हैं। इससे परिवार की बदहाल स्थिति में भी सुधार हुआ है। किसान ने बताया कि उसने कृषि विज्ञान केंद्र बेलाताल में होने वाले गोष्ठियों में भाग लेकर और कृषि विश्व विद्यालय बांदा में किसान सम्मेलन में पहुंचकर नई तकनीक से खेती करना सीखा है।

ग्राम पंचायत लमौरा के किसान ने बताया कि उसने परम्परागत खेती को छोड़कर वर्ष 2018 से बागवानी की तरफ रुख किया और एक एकड़ भूमि में अमरूद की खेती की शुरूआत की। अमरूद की पौध लखनऊ के पास रहमान खेड़ा स्थित नर्सरी से ताइवान पिंक जाति के डेढ़ सैकड़ा पौध लाए थे। बरूवा सागर झांसी नर्सरी से एक सैकड़ा हिसार, सफेदा प्रजाति के पौधे लाए गए थे।

तीन साल में एक पेड़ से 25 किलो अमरूद निकलने लगे अब एक पेड़ से 50 किलो निकल रहा है, जिससे पैदावार दो गुनी हो गई है और एक साल में तीन लाख रुपये की आय बागवानी से मिल रही है। कृषक बागवानी के अलावा कुछ खेतों में नीबू, सब्जी और एकाद खेत में गेहूं की फसल पैदा कर रहा है, जिससे उसे साल भर तक खाद्यान्न नहीं खरीदना पड़ता है। वहीं सब्जी और दाले घर की हो जाने के अलावा वह बाजार में सब्जी से भी एक साल में करीब डेढ़ लाख रुपये की आय कमा रहा है। किसान देशी गोबर की खाद और जैविक खाद का प्रयोग करता है।

नब्बे प्रतिशत अनुदान पर लिए उपकरण

- अमरूद की फसल की अधिक पैदावार बढ़ाने के लिए समय समय पर पेड़ों में मिट्टी डलवाता रहता है साथ ही सिंचाई के लिए पंपिंग सेट मशीन का प्रयोग करता है। किसान ने टपक सिंचाई के लिए उपकरणों में 90 प्रतिशत अनुदान भी लिया है, जो सिंचाई का समुचित साधन बन गया है। फलों को किटाणुओं से बचाने के लिए समय समय पर वैज्ञानिक सलाह ली जाती है। इससे अमरूद खराब नहीं हो पाता है।

नींबू की अच्छी पैदावार करने पर मिला सम्मान

- नींबू की अच्छी पैदावार करने पर 3 मई 2022 को किसान स्वामी प्रसाद कुशवाहा को कृषि एवं प्रोद्योगिकी विभाग बांदा से प्रथम पुरस्कार भी मिला था। इसी तरह 23 दिसम्बर 2025 सरसों की अच्छी उपज पैदा करने पर जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। सम्मान पाने के बाद किसान का खेती के प्रति और अधिक रुझान बढ़ा, जिससे अब वह बागवानी के लिए नजीर बन गया है। अब आसपास के किसान भी उससे बागवानी फसल के लिए मंत्र ले रहे हैं।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के पर्यवेक्षण में गुरुवार को जिले के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों ने अपने अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया । जिला पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत चलाए जा रहे ये जन जागरूकता कार्यक्रम न केवल महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वावलंबी, सजग और सुरक्षित बनने का संदेश दे रहे हैं, बल्कि समाज में नारी सम्मान एवं सुरक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर जागरूक किया जा रहा है। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को महिला संबंधी अपराधों, उनकी रोकथाम, तथा शिकायतों के निस्तारण के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी व हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

ज्ञापन देने जाते निषाद पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता। अमृत विचार

निषाद पार्टी ने एक करोड़ रुपये मुआवजे की उठाई मांग

महोबा। निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष हरिकृष्ण निषाद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला मेरठ में मछुआ समाज के सोनू कश्यप की संदिध परिस्थितियों मौत होने पर मृतक परिजनों को न्याय दिलाए जाने को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। ज्ञापन में मृतक परिवार के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा के साथ सरकारी नौकरी की मांग उठाई।

निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देश पर मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में मेरठ प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पार्टी का आरोप है कि मेरठ के डीएम और एसएसपी इस मामले में शुरू से ही अनदेखी कर रहे हैं। बताया कि मामला तब और गंभीर हो गया जब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे और गाजियाबाद की सीमा पर ही रोक दिया गया। ज्ञापन में पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मेरठ के उन सभी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए जिन्होंने इस मामले में उदासीनता और पक्षपात दिखाया है इसके साथ ही पीड़ित परिवार के लिए एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने के अलावा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और ग्राम समाज की पट्टे वाली भूमि दिलाए जाने मांग रखी गई है।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सीतापुर (चित्रकूट)। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मौनी अमावस्या मेले पर रामघाट, निर्मोही अखाडा, परिक्रमा मार्ग मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों, कर्मचारियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने एवं श्रद्धालुओं से विनम्रता पूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिए। बताया कि श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकें। निर्देश दिए कि फूलमाला लगाए दुकानदार निर्धारित स्थान पर बेचें। इस दौरान क्षेत्राधिकारी यामीन अहमद, पीआरओ प्रदीप पाल आदि मौजूद रहे।

डीएम ने मतदेय स्थलों का किया निरीक्षण

चित्रकूट। जिला निर्वाचन अधिकारी पुलकित गर्ग ने रविवार को जनसेवा इंटर कालेज स्थित मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मतदाताओं द्वारा भरे जा रहे प्रपत्रों की प्रगति की जानकारी की। निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जाए। बीएलओ को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र में घर-घर जाएं। प्रपत्र-6 भरवाने में तेजी लाएं तथा आवेदकों के हस्ताक्षर एवं मोबाइल नंबर प्रपत्र में अवश्य दर्ज किए जाएं।

सीडीओ ने किया विकास कार्यों का मुआयना

मानिकपुर (चित्रकूट)। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने विकासखंड अंतर्गत लघु सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित चेकडैम हल्दीडांडी का मुआयना किया। किसानों को पंपसेट से सिंचाई करते हुए देख सीडीओ ने खुशी जाहिर की। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना अंतर्गत लघु सिंचाई विभाग के निर्माणाधीन ब्लास्ट कूप का भी निरीक्षण किया और मानक का विशेष ध्यान देने की बात कही। लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंता संदीप कुमार को निर्देशित किया कि सभी काम समयसीमा में करवाएं।

ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत

चित्रकूट। कोतवाली अंतर्गत बलदाऊगंज में 40 वर्षीय व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। बताया जाता है कि रामचंद्र गुप्ता रविवार सुबह घर से टहलने निकले थे लेकिन वापस नहीं लौटे। बाद में रेलवे ट्रैक पर उनका शव मिला।

तमंचा समेत आरोपी गिरफ्तार

चित्रकूट। मारकुंडी थाने के एसआई रामबाबू शर्मा ने सत्यनारायण मवासी पुत्र अच्छेलाल निवासी मवासी टोला बंबिया को तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी पर आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम में मुख्य आरक्षी नरेश सेन और महेंद्र सिंह शामिल रहे।

प्रधानमंत्री आवास की प्रथम किस्त खाते में आई

चित्रकूट। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में अनुदान राशि का स्थानांतरण किया। डीएम पुलकित गर्ग, सीडीओ डीपी पाल के साथ अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने इसका लाइव प्रसारण देखा। सीएम ने वाराणसी, अयोध्या, अलीगढ़, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी एवं चित्रकूट के लाभार्थियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बात की। बताया गया कि नगर पालिका परिषद से 319, राजापुर से 253, मऊ से 137, मानिकपुर से 30 मिलाकर 739 पात्र लाभार्थियों के खाते में रुपये भेजे गए। इस अवसर पर लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी दिए गए। डीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने यह प्रथम किस्त प्रत्येक लाभार्थी के खाते में भेजी है। उन्होंने कहा कि अगर निर्धारित समयसीमा के अंदर काम होगा तो दूसरी किस्त भी दे दी जाएगी।

फांसी लगाकर जान दी

रामनगर (चित्रकूट)। रामनगर में घरेलू कलह से ऊबकर एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। बताया जाता है कि राजेंद्र कुमार (35) पुत्र गंभू का किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद चल रहा था और वह अपनी बहन के यहां चली गई थी। रविवार सुबह राजेंद्र ने घर में फांसी लगा ली। जानकारी होने पर परिवारीजन और ग्रामीण युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉ. शैलेंद्र गौरव ने मृत घोषित कर दिया। युवक के एक पुत्र एवं तीन पुत्रियां हैं। रैपुरा थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद की वजह से वह कई दिनों से मानसिक तनाव में था।

बाल अपचारियों ने बाल संप्रेक्षण गृह में जमकर काटा हंगामा

बिजली काटी गई, दमकल बुलाई गई, तैनात की गई पुलिस, मान मनौव्वल के बाद हुए शांत

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। राजकीय बाल संप्रेक्षण गृह में रविवार को बाल संप्रेक्षण गृह में बाल अपचारी अचानक उग्र हो गए। हंगामे से प्रशासन सकते में आ गया। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि संप्रेक्षण गृह को चारों ओर से घेर लिया गया, बिजली आपूर्ति बंद करनी पड़ी और दमकल विभाग तक को अलर्ट पर बुला लिया गया।

सूत्रों के मुताबिक, चार बाल अपचारियों के जेल ट्रांसफर की आशंका को लेकर अन्य अपचारी भी आक्रोशित थे। रविवार को नाराजगी ने उग्र रूप ले लिया। दोपहर को देखते-ही-देखते अपचारियों ने शोरशराबा शुरू कर दिया और हालात इस कदर बिगड़े कि उन्होंने खुद को कमरों में बंद कर लिया। अंदर तोड़फोड़ और किसी अप्रिय घटना की आशंका से वहां के अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी श्याम प्रताप पटेल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी पहुंच गए। कुछ ही देर में संप्रेक्षण गृह के बाहर पुलिस वाहनों की कतार लग गई। पूरे इलाके में सायरनों की आवाज और पुलिस की चहलकदमी से एसडीएम कालोनी छावनी में बदल गई। अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने बताया कि चार लड़कों के साथ अन्य लड़कों ने गेट बंद कर अपने आपको कमरे में बंद कर लिया था। अधिकारी मौके पर पहुंचे और इनको समझाया। बताया कि किसी तरह की तोड़फोड़ की जानकारी नहीं है।

बाल संप्रेक्षण गृह के आसपास तैनात पुलिस। अमृत विचार

सुरक्षा व्यवस्था की खुली पोल

- इस सनसनीखेज घटना ने एक बार फिर बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा, निगरानी और प्रबंधन व्यवस्था की पोल खोल दी है। सवाल उठ रहे हैं कि इतनी कड़ी निगरानी वाले संस्थान में हालात इस हद तक कैसे बिगड़ गए।

हालात काबू में लाने को काटी बिजली

- स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कड़ा कदम उठाते हुए संप्रेक्षण गृह की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। किसी भी आगजनी या बड़े उपद्रव की आशंका को देखते हुए दमकल विभाग की गाड़ियां भी मौके पर तैनात कर दी गईं। काफी देर की मशक्कत और समझाइश के बाद बाल अपचारियों को शांत कराया जा सका।

भारी पुलिस बल तैनात, जांच के आदेश संभव

- फिलहाल संप्रेक्षण गृह और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है और हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और आंतरिक जांच के आदेश दिए जाने की संभावना जताई जा रही है कि इस बवाल के पीछे की असली वजह सामने आ सके।

दिव्य दरबार में पहुंचे लाखों श्रद्धालु

बांदा। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के श्रीमुख से मावई बाईपास चौराहा पर आयोजित हो रही हनुमंत कथा में तीसरे दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े। कथा के दौरान महाराज श्री ने हनुमान जी के जीवन प्रसंगों और उनकी अटूट राम भक्ति का ऐसा जीवंत वर्णन किया कि वहां मौजूद हर भक्त भाव-विभोर हो गया। वहीं अयोध्या के हनुमान गढ़ी से पधारे संत राजूदास जी व योगी सत्यनाथ जी की उपस्थिति ने इस आयोजन की आध्यात्मिक ऊर्जा को और अधिक बढ़ा दिया।

इस विशेष दिन का मुख्य आकर्षण यहां लगा 'दिव्य दरबार' रहा, जहां आस्था और विश्वास का जीवंत संगम देखने को मिला। महाराज श्री ने मंत्र चिकित्सा के माध्यम से सैकड़ों भक्तों की पुरानी व्याधियों और कष्टों का निवारण किया। दरबार में जब महाराज श्री ने भक्तों की बिना बताए समस्याओं को उनके पर्चों पर उकेरा, तो लोग उनकी सिद्धियों को देखकर नतमस्तक हो गए। लाखों की इस भीड़ के बीच कई पीड़ितों ने अपनी पीड़ा से मुक्ति का अनुभव किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, मयंक द्विवेदी और महानगर प्रचारक सक्षम विशेष रूप से शामिल रहे। साथ ही बबेरू चेयरमैन विवेकानंद गुप्ता, विनोद जैन समेत लाखों श्रद्धालु रहे।

जरूरतमंद को कंबल देते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग। अमृत विचार

डीएम ने रैन बसेरों का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- तीर्थयात्रियों की भीड़ को देखते हुए सभी कमरों में व्यवस्था के निर्देश

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने रविवार को रैन बसेरों में व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने तीर्थयात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए सभी कमरे और हाल खोलने और उनमें सभी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए।

नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित बस स्टैंड के रैन बसेरा का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने वहां ठहरे लोगों से बात की और रजिस्टर को देखा। रैन बसेरा सीतापुर के केयर टेकर सौरभ सोनकर ने बताया कि इस समय यहां 137 लोग ठहरे हैं। डीएम ने पेयजल के लिए बड़ा बर्तन रखने के निर्देश दिए। बाद में डीएम ने रामघाट का भी मुआयना किया और रामघाट पर खोया-पाया केंद्र, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सीसीटीवी कैमरा आदि को सक्रिय रखने तथा सिंचाई विभाग को बैरीकेडिंग दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। चिकित्सा विभाग द्वारा लगाए गए कैंप में उपस्थित चिकित्सकों एवं फार्मासिस्टों को किसी भी आपात स्थिति में पूर्ण सक्रियता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात रामघाट पर जरूरतमंदों को कंबल भी वितरित किए गए।

पुलिस ने भैंसों को ले जा रहे तीन आरोपियों को दबोचा

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

- पुलिस ने 24 पशु और ट्रक भी बरामद किया

अमृत विचार। थाना पुलिस टीम ने ट्रक से क्रूरतापूर्वक 24 पशुओं को ले जाने में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी मप्र के निवासी हैं।

पुलिस के मुताबिक, एसआई बृजबिहारी रविवार को देवी तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सिधना बाबा आश्रम पराको के पास एक वाहन खराब खड़ा है। इसमें जानवर ठूंसकर भरे हुए हैं। इस पर विश्वास करके एसआई अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस को देखकर ट्रक में बैठे तीन व्यक्ति भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने इनको पकड़ लिया। आरोपियों ने अपने नाम शहजाद पुत्र शेर अली, अफसर अली पुत्र अहमद अली निवासीगण ग्राम हटवा थाना कमरजी जिला सीधी (मप्र) और मो. सजीम पुत्र हामिद रजा निवासी अमहा थाना कमरजी बताए। ट्रक में दो भागों मे लकड़ी की पट्टी लगाकर 20 भैंस व चार पड़ियां लदी थीं। पशु दर्द से कराह रहे थे। आरोपियों पर पशु क्रूरता का मामला दर्ज किया गया। ट्रक को सीज किया गया। पुलिस टीम में आरक्षी राहुल यादव, रोहित आर्या, शुभम मिश्रा और विमलेश शामिल रहे।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

मौनी अमावस्या पर उमड़ा आस्थावानों का सैलाब

संवाददाता, सीतापुर चित्रकूट

अमृत विचार। तीर्थक्षेत्र में माघ मास की मौनी अमावस्या पर रविवार को लाखों श्रद्धालुओं ने कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। सूरज भगवान के पूरे दिन निकलने से मौसम में ठंड कम रही।

सुबह श्रद्धालुओं की भीड़ कम थी पर दोपहर बाद भारी संख्या में लोग पहुंचे। कामतानाथ स्वामी के जयकारों के साथ आस्थावानों ने मंदाकिनी में स्नान किया और महाराजाधिराज मत्यगजेंद्रनाथ का जलाभिषेक किया। इसके बाद कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। मौनी अमावस्या पर आस्थावानों की भीड़ देखते हुए पुलिस ने रूट डायवर्जन किया है। यह व्यवस्था 20 जनवरी रात 12 बजे तक रहेगी। इसके अनुसार कर्वी नगर के नो इंट्री बैरियरों में भारी और मध्यम माल वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ निर्मोही अखाड़ा यूपी एमपी सीमा से बेड़ी पुलिया तिराहे तक नया नो इंट्री मार्ग बनाया गया है।

कामदगिरि परिक्रमा लगाने के लिए प्रमुख द्वार पर श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

तुलसी रघुवीर दर्शन महोत्सव में भगवान के स्वरूपों की झांकी। अमृत विचार

धूमधाम से मना तुलसी रघुवीर दर्शन महोत्सव

प्राचीन सिद्धपीठ तुलसी गुफा तोतामुखी हनुमान मंदिर में धूमधाम से तुलसी रघुवीर दर्शन महोत्सव मनाया गया। मंदिर के महंत मोहित दास ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास को प्रभु श्रीराम जी के दर्शन माघ के मौनी अमावस्या के दिन ही हुए थे। जब तुलसीदास प्रभु को नहीं पहचान पाए तो हनुमानजी ने तोते के रूप में तुलसीदास को दोहा सुनाया, चित्रकूट के घाट पर भई संतन की भीर, तुलसी दास चंदन घिसे तिलक देत रघुवीर। इस अवसर को हर वर्ष माघ की मौनी अमावस्या के दिन तुलसी रघुवीर दर्शन महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। बताया कि इस उपलक्ष्य में सात दिवसीय रामचरित मानस का पाठ किया जाता है और भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

एसडीएम ने दी एसआईआर नोटिस निस्तारण की जानकारी

मानिकपुर (चित्रकूट)। रविवार को तहसील परिसर में उप जिलाधिकारी रामऋषि रमन ने नवनियुक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सुपरवाइजरों एवं बीएलओ को एसआईआर नोटिस निस्तारण की जानकारी दी। एसडीएम ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य उन मतदाताओं से संबंधित नोटिसों का निस्तारण करना था, जिन्होंने एसआईआर के दौरान गणना पत्रक भरते समय मैपिंग के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए थे। इन सभी को नोटिस जारी किए गए हैं। बीएलओ मतदाताओं को इसे तामील कराएंगे एवं रिपोर्ट, नोटिस प्राप्तकर्ता की फोटो ऑनलाइन अपलोड करेंगे।

पात्र लोगों को आवास की चाबी देते विधायक विनोद चतुर्वेदी व अन्य। अमृत विचार

शहरी आवास योजना के अंतर्गत बांटे गये आवास

कालपी जालौन। शहरी आवास योजना के अंतर्गत कांशीराम कॉलोनी में खाली 118 आवास पात्रों को आवंटित किये गये। इस दौरान विधायक विनोद चतुर्वेदी, उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह एवं नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव भी मौजूद रहे। काफी समय से कांशीराम कलोनी में करीब डेढ़ सौ आवास खाली पड़े थे। इनको लॉटरी के द्वारा मई 2025 में पात्र लाभार्थियों को आंवटित किया गया था। लेकिन उन लाभार्थियों को आवास की चाबी एवं प्रमाण पत्र नहीं बंट पा रहे थे। उन सभी पात्र 118 लाभार्थियों को तहसील प्रांगण में उप जिला अधिकारी मनोज कुमार सिंह एवं नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव की मौजूदगी में कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मनोज चतुर्वेदी अधिशासी अधिकारी अवनीश शुक्ला तहसीलदार नगर पालिका परिषद के आरआई एवं अवर अभियंता एवं नगर पालिका के सभासद मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर पालिका के प्रधान लिपिक हर भूषण सिंह ने किया।

बरगढ़ को मिली अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात

संवाददाता, बरगढ़ चित्रकूट

अमृत विचार। उत्तर मध्य रेलवे के बरगढ़ स्टेशन पर अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित हुआ है। रविवार दोपहर साढ़े बारह बजे के आसपास जब ट्रेन बरगढ़ पहुंची तो स्टेशन पर लोगों ने इसका स्वागत किया।

ट्रेन के स्टेशन पहुंचने पर फूल माला चढ़ाकर व नारियल तोड़कर पूजा अर्चना की गई। ट्रेन चालक एसके धुसिया, सहायक चालक चंदन विश्वकर्मा तथा गार्ड विनोद यादव को माला पहनाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। फीता काटकर हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। बरगढ़ स्टेशन पर ट्रेन ठहराव की बहुप्रतीक्षित मांग को ध्यान में रखकर रेल प्रशासन ने अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में क्षेत्रवासियों को सौगात दी है। ट्रेन ठहराव को लेकर क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह है। उद्घाटन के मौके पर विभिन्न स्टेशनों के लिए 15 यात्रियों ने टिकट लेकर यात्रा की। स्टेशन अधीक्षक संजय वर्मा ने कहा कि यदि ट्रेन के लिए नियमित टिकट बिक्री होगी तो और ट्रेनों की सौगात मिलेगी। यातायात निरीक्षक शशिकांत मिश्र ने बताया कि यह ट्रेन अभी शुरुआत में सप्ताह के एक दिन ही चलनी है। बाद में अच्छे परिणाम आने पर एक दो दिन और बढ़ने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सिलीगुड़ी में अमृत भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन समारोह में हरी झंडी दिखाकर ट्रेन चलाने का शुभारंभ किया था। इस मौके पर बरगढ़ रेल परामर्श समिति के अध्यक्ष समाजसेवी अजय त्रिपाठी, ग्राम प्रधान बरगढ़ शैलेश शुक्ल, ग्राम प्रधान कोलमजरा शोभनाथ प्रजापति, सहायक स्टेशन अधीक्षक मनीष कुमार, राजेंद्र पांडेय, श्याम नारायण शुक्ल, मनीष सिंह, विनीत शुक्ल, अशोक पाठक, सुदामा शुक्ल, लवकुश बलुआ, रूपक द्विवेदी, विनोद तिवारी, संगम पयासी, मुन्ना जैन, सोमिल केशरवानी आदि मौजूद रहे। बताया गया कि ट्रेन अलीपुरद्वार पश्चिम बंगाल से पनवेल महाराष्ट्र के बीच पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, बिहार, यूपी, एमपी व महाराष्ट्र से होकर गुजरेगी।

फीता काटकर ट्रेन के ठहराव की खुशियां मनाते लोग। अमृत विचार

कार्रवाई | नोटिस देने के बाद भी नहीं हटाए जा रहे कब्जे

फिर चला तुलसीतीर्थ में अतिक्रमणरोधी अभियान

अतिक्रमणरोधी अभियान के दौरान दुकानदारों को आगाह करते एसडीएम फूलचंद्र यादव। अमृत विचार

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। तुलसीतीर्थ में रविवार को एक बार फिर अतिक्रमणरोधी कार्रवाई की गई। उप जिलाधिकारी फूलचंद्र यादव ने प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह के साथ अवैध कब्जे हटवाए। एसडीएम ने सब्जी दुकानदारों को एक बार फिर चेतावनी दी कि रोड के किनारे पटरी पर और नालियों के ऊपर अतिक्रमण पाया गया तो सामान जब्त कर लिया जाएगा और जुर्माना भी वसूला जाएगा।

एसडीएम ने बताया कि नगर पंचायत के कर्मचारियों से इन दुकानदारों को लगभग एक माह पूर्व नोटिस भेजी गई थी। इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। अतिक्रमणरोधी अभियान में पुत्तीलाल, शिवविजय सिंह, राहुल चौरसिया, मोनू मोदनवाल, पवन तिवारी, अमित सोनी आदि मौजूद रहे।

नई सब्जी मंडी में लगाएं दुकान : संजीव

नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने अपील की कि सब्जी दुकानदारों से बिना किसी जमानत धनराशि के माहवारी किराए पर दुकानों का एलॉटमेंट कर दिया गया है तो वे नवीन सब्जी मंडी स्थल पर ही दुकानें लगाएं। राजापुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में आम जनमानस की भूमिका आवश्यक है। नगर के विकास में अतिक्रमण बहुत बड़ी बाधा है।

श्रद्धालुओं को नहीं होनी चाहिए दिक्कत : सुनील

समाजसेवी सुनील मिश्रा ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस पीठ के दर्शन करने के लिए दूरदराज से श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। अतिक्रमण से इनको परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अभियान में कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

चंद्रजीत यादव को मिली पीएचडी की उपाधि

जालौन। शिक्षा जगत में सिरसा कलार ने एक और उल्लेखनीय उपाधि अपने नाम हासिल की है। गांव के मध्यम वर्गीय किसान परिवार में जन्मे बनवारी लाल यादव लंबरदार के नाती और हरनाथ सिंह यादव के ज्येष्ठ पुत्र चंद्रजीत यादव को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। चंद्रजीत यादव को पीएचडी की यह उपाधि भौतिक शास्त्र में मिली है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर चंद्रजीत यादव को उनके पिता हरनाथ सिंह यादव, माता रूपा यादव, चाचा मूरत सिंह यादव, बड़े भाई नरेंद्र सिंह यादव, कोमल सिंह यादव एवं समस्त परिजनों व शुभचिंतकों ने बधाई दी।

मनोहरगंज में मरे मिले बंदरों से मचा हड़कंप

संवाददाता, सीतापुर चित्रकूट

- प्रथम दृष्टया मौत की वजह करंट लगना बताया जा रहा

अमृत विचार। सीतापुर चौकी क्षेत्र के मनोहरगंज इलाके में रविवार सुबह एक ही स्थान पर 20 से अधिक बंदर मृत पड़े मिले। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बंदरों की मौत का कारण करंट लगना बताया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर बंदर पड़े थे, जिनमें से अधिकांश की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं दो बंदर जीवित मिले लेकिन वे बुरी तरह कांप रहे थे और उनकी हालत गंभीर थी। ग्रामीणों ने बताया कि सभी बंदर पानी में भीगे हुए थे और उनकी स्थिति ऐसी प्रतीत हो रही थी, जैसे उन्हें तेज ठंड या करंट लगा हो। वन विभाग के अधिकारियों ने प्रथमदृष्टया इसकी वजह करंट बताई। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। आशंका जताई जा रही है कि किसी खुले बिजली तार या पानी में करंट उतरने से यह हादसा हुआ हो सकता है। वन विभाग की टीम ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया कि क्षेत्र में बिजली के तारों और अन्य परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। सीतापुर चौकी प्रभारी यदुवीर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी और पूरे क्षेत्र को सुरक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है।

अमृत विचार

सोमवार, 19 जनवरी 2026

शारीरिक प्रशिक्षण के मामले में किसी भी व्यक्ति को शौकिया होने का अधिकार नहीं है। किसी व्यक्ति के लिए यह शर्म की बात है कि वह अपने शरीर की सुंदरता और शक्ति को देखे बिना ही बूढ़ा हो जाए। –**सुकरात, दार्शनिक**

प्रतिबद्ध प्रयास आवश्यक

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर घुसपैठियों का मुद्दा चुनावी विमर्श के केंद्र लाते हुए पश्चिम बंगाल और असम को घुसपैठियों से मुक्त कराने का आह्वान किया है। देश के लिए इस महत्वपूर्ण मुद्दे को प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले से लेकर, तमाम चुनावी जनसभाओं में भी दोहराया गया है, इसके समाधान की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई है, निस्संदेह इस ओर कुछ काम भी हुआ होगा, लेकिन प्रश्न यह है कि इसे अब तक ठोस अंजाम क्यों नहीं मिल पाया। भारत में अवैध घुसपैठ की समस्या केवल सीमाओं तक सीमित विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। घुसपैठ का असर बहुआयामी है। सीमावर्ती राज्यों में जनसांख्यिकीय बदलाव, सरकारी योजनाओं का दबाव, स्वास्थ्य और शिक्षा संसाधनों का अनुचित उपयोग, स्थानीय लोगों की आजीविका पर असर और सामाजिक तनाव, ये सब इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक है फर्जी वोटर आईडी, आधार कार्ड जैसे दस्तावेजों के जरिए चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप, नकली करेंसी, नशीली दवाओं की तस्करी और आतंकी स्लीपर सेल की आशंकाएं। एनडीए सरकार पिछले 11 वर्षों से सत्ता में है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि सरकार वास्तव में प्रतिबद्ध है, तो बिहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में इसके ठोस परिणाम क्यों नहीं दिखते? कम से कम जो भाजपा शासित राज्य हैं, वह घुसपैठ मुक्त क्यों नहीं है? क्या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है या फिर यह मुद्दा चुनावी लाभ के लिए इसे जीवित रखा गया है, जैसा कि विपक्ष आरोप लगाता है?

यूपीए सरकार के अनुसार 2005-2013 के बीच 88,792 अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया गया, जबकि 2014-2019 के बीच यह संख्या घटकर 2,566 रह गई। 2019 के बाद कोई विश्वसनीय आधिकारिक आंकड़ा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। यदि सरकार के पास अद्यतन और पारदर्शी डेटा नहीं है, तो "घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालने" की घोषणा कितनी व्यावहारिक है? बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों की आधिकारिक संख्या आज तक सार्वजनिक क्यों नहीं है, जिसके चलते पश्चिम बंगाल में 50-57 लाख घुसपैठियों के दावे की प्रामाणिक आज भी सवालों के घेरे में है। इसके अलावा क्या घुसपैठियों के प्रवेश मार्ग, धर्म, राज्यों में वितरण इन सबका समेकित, सत्यापित ब्योरा हमारे पास है? यदि नहीं, तो कार्रवाई कैसे होगी? असम में एनआरसी जैसा बड़ा और विवादास्पद अभ्यास हुआ, लेकिन अंतिम सूची आने के बाद निर्णायक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी राज्यों के साथ गृह मंत्रालय, सीमा सुरक्षा बल, विदेश मंत्रालय और पड़ोसी देशों के साथ कूटनीति पर भी है, इनकी जवाबदेही कब तय होगी? यूपी में लागू डिटेक्ट, डिलीट, डीपोर्ट वाली 'थ्री-डी' नीति और बिहार में नोटिस जैसी प्रक्रिया असम और पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं? बेशक समाधान न भाषणों में है, न ही डर के नैरेटिव में। सरकार को पारदर्शी आंकड़े, समयबद्ध कार्ययोजना, अंतर-मंत्रालयी समन्वय, सीमाई प्रबंधन की मजबूती और मानवाधिकार-सम्मत, लेकिन सख्त कार्रवाई के ठोस कदम उठाने होंगे। तभी प्रधानमंत्री का आह्वान चुनावी नारा नहीं, राष्ट्रीय नीति के तौर पर स्थापित हो सकेगा।

प्रसंगवश

बेजोड़ इको-सिस्टम अरावली का संरक्षण जरूरी

अरावली पर्वतमाला का वर्तमान क्षरण उत्तर भारत के लिए ऐसा ही एक गंभीर पर्यावरणीय संकट बनकर उभरा है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव द्वारा हाल ही में जारी इको रेस्टोरेशन ऑफ द अरावली लैंडस्कैप रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को स्पष्ट करती है। रिपोर्ट के अनुसार, 1967-68 से अब तक राजस्थान में अरावली की लगभग 25 प्रतिशत पहाड़ियां नष्ट हो चुकी हैं, जबकि 31 पहाड़ियां पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। इसका सीधा प्रभाव यह है कि पूर्वी राजस्थान धीरे-धीरे अर्ध-रेगिस्तान की ओर बढ़ रहा है। केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के अनुसार खनन, अतिक्रमण और वनों की कटाई इसके प्रमुख कारण हैं। अरावली शब्द का अर्थ है "चोटियों की रेखा"। इसका सबसे ऊंचा शिखर गुरु शिखर है, जो माउंट आबू में स्थित है और जिसकी ऊंचाई 1,722 मीटर है। दुर्भाग्यवश, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से

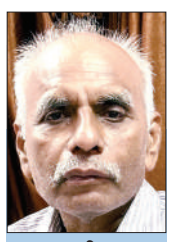

प्रकाश श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध निर्माण और अतिक्रमण ने इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे घाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे जाकर अनियंत्रित खनन किया। इसमें सरकारी तंत्र की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही। इस अनियंत्रित खनन का परिणाम प्राकृतिक जलधाराओं के विनाश के रूप में सामने आया। झीलें सूख गईं, लाखों हेक्टेयर भूमि बंजर हो गई और भूजल रिचार्ज की प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित हुई। जलस्तर में आई गिरावट ने जंगलों और खेती- दोनों को गहरी चोट पहुंचाई। तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने भी अरावली के क्षरण को और तेज किया।

अरावली को इस दुर्दशा से बचाने के लिए स्वयंसेवी संगठनों और जेन-जी के युवाओं ने भी आवाज उठाई है। दिसंबर के अंत में जयपुर की सड़कों पर युवाओं ने मशाल जुलूस निकालकर जागरूकता फैलाई और 'सेव अरावली, सेव लाइफ' जैसे नारों के साथ रैली निकाली। पर्वत-प्रकृति पूजन और पौधारोपण के जरिए, उन्होंने यह संदेश दिया कि अरावली को नुकसान पहुंचा तो स्वच्छ हवा में सांस लेना भी कठिन हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी अरावली के मुद्दे पर गंभीरता दिखाई है। 5 मई 2024 को अदालत ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को अरावली की एक समान परिभाषा तय करने के लिए पैनल गठित करने का निर्देश दिया। पैनल ने चार राज्यों के 34 जिलों में पहाड़ियों की ऊंचाई का अध्ययन कर यह सिफारिश की कि जिन भू-आकृतियों की स्थानीय भू-आकृति से ऊंचाई 100 मीटर या उससे अधिक है, उन्हें अरावली का हिस्सा माना जाए। साथ ही 500 मीटर के दायरे में स्थित दो या अधिक पहाड़ियों को भी शामिल करने की बात कही गई।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को इस परिभाषा को मंजूरी दी। हालांकि इस फैसले से संरक्षणवादियों की चिंता बढ़ गई। उनका कहना है कि केवल ऊंचाई के आधार पर परिभाषा तय करने से 100 मीटर से कम ऊंची कई पहाड़ियों पर खनन और निर्माण का रास्ता खुल सकता है। सुप्रीम कोर्ट के एमिकस क्यूरी ने भी चेताया कि इससे निचली पहाड़ियों में विनाश तेज हो सकता है। इसी कारण अदालत ने 29 दिसंबर को अपने ही फैसले पर रोक लगाते हुए विशेषज्ञ समिति से पर्यावरणीय प्रभाव का अध्ययन कराने का आदेश दिया। अरावली का महत्व उत्तर भारत के लिए अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला पश्चिमी हवाओं को मोड़कर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शीतकालीन वर्षा लाने में सहायक है। स्पष्ट है कि अरावली का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है।

आखिर क्यों बेगाना हो रहा देश!

डॉ .विकास शुक्ला
कानपुर

देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत आज दुनिया में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में हर साल तमाम लोग भारत को छोड़कर विदेशों में बस रहे हैं। बीते तीन साल में हर साल दो लाख से ज्यादा भारतीयों के देश छोड़ने के आंकड़े न सिर्फ चौंकाने वाले हैं, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर रहे हैं कि आखिर इसके पीछे वे कौन से कारण हैं, जो भारतीयों को अपनी नागरिकता छोड़ने के लिए आकर्षित या विवश कर रहे हैं।

देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि के बावजूद सीधे तौर पर इसके पीछे सबसे बड़ा कारण आर्थिक ही है। दरअसल बड़ी जनसंख्या के कारण भारत की प्रति व्यक्ति आय विकसित देशों ही नहीं, कई विकासशील देशों की तुलना में काफी कम है। ऐसे में बेहतर जीवन की तलाश भारतीयों को देश से बाहर बसने के लिए आकर्षित करती है। अधिकतर लोग बढ़िया करियर और ज्यादा सैलरी की तलाश में ही विदेश का रुख करते हैं। उनका मानना रहता है कि विकसित देशों में उन्हें स्वच्छ पर्यावरण, सुगम और तीव्र पब्लिक ट्रांसपोर्ट, उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं, मजबूत नागरिक सुविधाओं के साथ सुरक्षित जीवन के लिए वह सारी सुविधाएं मिलती हैं, जो भारत में उपलब्ध नहीं हैं। इसके साथ ही देश में अवसरों की कमी, आबादी के कारण कड़ी प्रतिस्पर्धा जैसे कारण भी प्रतिभाशाली युवाओं को विदेश जाने के लिए प्रेरित करते हैं, क्योंकि विदेश में उन्हें अपनी योग्यता के अनुसार बेहतर शिक्षा और रोजगार के मौके आसानी से सुलभ रहते हैं।

दिल्ली, मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा जैसे शहरों में खराब हवा तो बेंगलुरू और पुणे में ट्रैफिक जाम की दिक्कत, कमजोर पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर की समस्याओं के साथ असुरक्षित वातावरण के चलते हर साल बड़ी संख्या में तकनीकी पेशेवर विदेश का रुख कर लेते हैं। भारत से नागरिकता त्यागने की प्रवृत्ति किस तेजी से बढ़ रही है। इसकी पुष्टि संसद में प्रस्तुत विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से भी होती है, जिसके अनुसार पिछले पांच वर्षों 2020 से 2024 के बीच नौ लाख भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी है। इसमें साल 2022 के बाद तो यह संख्या दो लाख प्रति वर्ष से अधिक है। हालांकि विदेश में बसने के बाद भी बड़ी संख्या में भारतीय अपनी नागरिकता नहीं छोड़ना चाहते हैं, लेकिन वह जिस देश में काम करते हैं, वहां और बेहतर मौकों की तलाश के लिए उन्हें उस देश की नागरिकता लेनी पड़ती है, अब चूंकि भारत में दोहरी नागरिकता का सिस्टम नहीं है, इसलिए उनकी भारतीय नागरिकता अपने आप चली जाती है। इसके पीछे भारत में डुअल सिटीजनशिप यानी दोहरी नागरिकता का प्रावधान नहीं होना है, जिसकी वजह से लोग भारत का पासपोर्ट छोड़ देने के लिए मजबूर होते हैं।

अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों में दोहरी नागरिकता की सुविधा है। अनेक देशों में वहां की नागरिकता लेने पर तमाम अन्य सुविधाएं मिल जाती हैं। ऐसे में जो लोग विकसित देशों में काम करते हैं, वह भारत के मुकाबले अधिक आकर्षक पासपोर्ट लेना पसंद कर लेते हैं। भारत में नागरिकता कानून-1955 की धारा 9 के तहत, अगर कोई भारतीय विदेशी नागरिकता लेता है, तो उसकी भारतीय नागरिकता अपने आप खत्म हो जाती है। विदेशों में वोटिंग का अधिकार, सोशल सिक्योरिटी, बिना रोक-टोक रहना, सरकारी नौकरियां और लंबे समय की स्थिरता सिर्फ नागरिकता से मिलती है। भारत में जब कोई नागरिक स्वेच्छा से दूसरे देश की नागरिकता लेता है, तो उसका पासपोर्ट अमान्य हो जाता है। हालांकि भारत में ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया का प्रावधान जरूर है, इसमें नागरिकता छोड़ चुके लोगों को वीजा-फ्री यात्रा और सीमित आर्थिक अधिकार दिए जाते हैं, लेकिन इसमें कोई राजनीतिक अधिकार नहीं होता है। ऐसे लोग न तो वोट दे सकते हैं, न ही चुनाव लड़ सकते हैं। भारतीयों के विदेशों में बसने की प्रवृत्ति 'ब्रेन ड्रेन' (प्रतिभा पलायन) के रूप में भी परिभाषित की जाती है, जिससे देश को कुशल कार्यबल का नुकसान होता है।

अमूमन भारत से छात्रों या युवाओं को बेहतर अध्ययन या फिर रोजगार की तलाश में पलायन करते हुए देखा जाता है। 2000 के दशक से अब तक करीब 20 लाख आईटी पेशेवर देश से बाहर जा चुके हैं। इसी तरह हर साल करीब डेढ़ लाख छात्र उच्च शिक्षा के लिए देश छोड़ते हैं, फिर उनमें से 80 फीसदी वापस नहीं लौटते। हालांकि सरकार लोगों के पलायन को उनका व्यक्तिगत कारण बताती है। विदेश मंत्रालय का भी यही कहना है कि ज्यादातर लोग निजी हितों या सुविधा के लिए विदेशी नागरिकता लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञ इसे देश के भीतर सुधारों की आवश्यकता और कमजोर आर्थिक-सामाजिक व्यवस्था का कारण मानते हैं। मॉर्गन स्टैनली के आंकड़ों के मुताबिक साल 2014 से अब तक करीब 25,000 भारतीय मिलियनेयर्स भारत छोड़ चुके हैं। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भारतीय नागरिकों की पहली पसंद हैं, जहां बेहतर अवसर और नागरिकता के रास्ते स्पष्ट हैं।

आज अमेरिका का सबसे प्रबुद्ध एवं उत्पादक समूह, भारतीय प्रवासियों का है, जो कार्य कुशलता के मामले में, दूसरों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहां चिकित्सा, स्पेस, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय मूल के लोग शानदार प्रदर्शन दर्ज कर रहे हैं। भारत से पलायन देश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित कर रहा है। भारतीयों के देश छोड़ने का सीधा असर न केवल हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव पर भी हो रहा है।

अमूमन भारत से छात्रों या युवाओं को बेहतर अध्ययन या फिर रोजगार की तलाश में पलायन करते हुए देखा जाता है। 2000 के दशक से अब तक करीब 20 लाख आईटी पेशेवर देश से बाहर जा चुके हैं।

आमने

कांग्रेस अब इंदौर की घटना के बाद हाय-हाय कर रही है, जबकि हैदराबाद में पानी के कारण कई लोगों की मौत हुई और हिमाचल प्रदेश में 30 से ज्यादा लोग मारे गए, तब राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेता चुप थे।
– **मोहन यादव,**
मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

सामने

जिन लोगों को शासन और प्रशासन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन्होंने मौतों के इस सिलसिले को जारी रहने दिया। चाहे मामला कफ सिरप से बच्चों की मौत का हो या दूषित पानी से लोगों की जान जाने का, सरकार की लापरवाही साफ तौर पर सामने आई है। मुख्यमंत्री को इस बात पर शर्म आनी चाहिए कि उनकी सरकार के काम करने के तरीके के कारण ऐसी घटनाएं हुईं।
– **प्रियंका चतुर्वेदी, सांसद शिवसेना**

अपारदर्शिता या अभियोजन की चूक

डॉ . चंद्र गोपाल पांडेय
स्वतंत्र पत्रकार, अयोध्या

विवेचना में विज्ञान का महत्व सदैव रहा है। विधि विज्ञान एक अलग महत्वपूर्ण शाखा के रूप में स्थापित हो चुका है। इधर विवेचना में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की भूमिका भी बढ़ी है। खासकर पुलिसकर्मियों के रोजाना के कार्यों में ऑडियो -वीडियो रिकार्डिंग और सीसी टीवी फुटेज का विशेष योगदान है। इससे साक्ष्य संकलन में मदद मिलने के साथ ही मानवाधिकार उल्लंघन व भ्रष्टाचार के आरोपों का प्रतिवाद करने में भी सहूलियत होती है। फिर भी कई मामलों में पुलिस जाने- अनजाने कारणों से वीडियोग्राफी करती नहीं दिखती और तो और सीसी टीवी फुटेज का स्टोरेज विहित अवधि तक नहीं रखती है। पुलिस की इस लापरवाही का लाभ एक तो आरोपितों को मिलता है, दूसरे वह स्वयं संदिग्ध आचरण के आरोप की परिधि से बाहर नहीं निकल पाती है। विगत सप्ताह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष दो ऐसे मामले आए, जिसमें पुलिसिया कार्यवाही न तो नियमानुकूल पाई गई और न ही संदेह से परे।

उच्च न्यायालय की एक पीठ शादाब की जमानत याचिका (शादाब बनाम उत्तर प्रदेश राज्य यूपी 2026 लाइव लॉ, ए बी 9) पर सुनवाई कर रही थी। अभियोजन के अनुसार वह चार अन्य के साथ 40 मोटरसाइकिलों की चोरी में आरोपित है और इतनी ही संख्या में बाइक उसके संयुक्त कब्जे से बरामद हुईं। याची का तर्क था कि उसका नाम प्रथम सूचना रिपोर्ट में नहीं है और कथित तौर पर इतनी बड़ी बरामदगी की कार्यवाही की वीडियोग्राफी नहीं की गई, जबकि भारतीय नागरिक न्याय संहिता की धारा-105 के तहत बरामदगी की वीडियोग्राफी अनिवार्य है। इस तर्क से सहमत न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने भी कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 105, सपठित उप्र भारतीय नागरिक सुरक्षा नियम, 2024 के नियम 18 के अनुसार ई-साक्ष्य ऐप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रक्रिया को रिकॉर्ड करना अनिवार्य है, जिसे पुलिस ने नहीं किया। न्यायमूर्ति ने कहा कि "यह तथ्य न केवल पुलिस की लापरवाही, बल्कि मनमानी को भी दिखाता है, जिससे जब्त की गई चीजों की बरामदगी के बारे में अभियोजन की कहानी पर संदेह पैदा होता है।"इस मामले में न्यायालय की यह टिप्पणी कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-105 को विशेषतौर पर कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा झूठी बरामदगी को रोकने के लिए बनाया गया है, कम महत्वपूर्ण नहीं है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-179(1) में कहा गया है कि किसी महिला को पूछताछ के लिए उसके निवास स्थान के अलावा कहीं और नहीं बुलाया जा सकता। न्यायमूर्ति द्वय अब्दुल मोइन और बबीता रानी की खंडपीठ रूबी सिंह व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने 5 अगस्त 2025 को कुछ रिश्तेदारों के विरुद्ध पंजीकृत प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर उन्हें उठा लिया, लेकिन कोई गिरफ्तारी मेमो नहीं बनाया गया। यह भी आरोप लगाया है कि 7 अगस्त की रात याची रूबी सिंह, जो एक महिला है, को अवैध रूप से लॉकअप में रखा गया और उसके खिलाफ अश्लील टिप्पणियां की गईं और दो अन्य याचियों को रिश्वत देने के बाद छोड़ा गया।

याचिकाकर्ता की ओर से इन आरोपों की पुष्टि के लिए 5 से 8 अगस्त 2025 की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय ने उन्नाव के पुलिस अधीक्षक को शपथ पत्र दाखिल करने और उक्त अवधि की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया था, लेकिन पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फुटेज उपलब्ध नहीं है। पुलिस महानिदेशक के परिपत्र दिनांक 20 जून 2025 के अनुसार केवल 2–2.5 महीने की रिकॉर्डिंग रखी जाती है। यहीं पर उच्च न्यायालय ने कहा कि "हम यह समझने में असमर्थ हैं कि डीजीपी ने सर्वोच्च न्यायालय के 02.12.2020 के आदेश का हवाला देने के बावजूद केवल 2-2.5 महीने की स्टोरेज का निर्देश कैसे जारी कर दिया। यह प्रथमदृष्टया अवमानना प्रतीत होती है।" पीठ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 179(1) के उल्लंघन पर भी कहा कि किसी महिला को पूछताछ के लिए उसके निवास स्थान के अलावा कहीं और नहीं बुलाया जा सकता। इसके बावजूद याची रूबी सिंह को थाने बुलाया गया।

न्यायालय ने पुलिस अधीक्षक द्वारा शपथ पत्र में रिश्वत मांगने के आरोपों में कुछ सच्चाई होना स्वीकार करने के बावजूद कार्रवाई के तौर पर केवल दो पुलिसकर्मियों की लाइन हाजिरी को "लापरवाह और औपचारिक रवैया" बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई। न्यायालय ने इस प्रकरण में मुख्य सचिव को तीन सप्ताह में व्यक्तिगत शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। अन्यथा की दशा में उन्हें 29 जनवरी को उपस्थित होने का आदेश दिया है। शपथ पथ में उन्हें स्पष्ट करना होगा कि डीजीपी ने शीर्ष न्यायालय के आदेश के विपरीत केवल दो से ढाई महीने तक के फुटेज स्टोरेज का परिपत्र क्यों जारी किया और महिला याचिकाकर्ता को क्यों व किस परिस्थिति में थाने बुलाया गया। अब प्रश्न यह उठता है कि पुलिस को पारदर्शिता से परहेज है या प्रक्रियात्मक त्रुटियां अनजाने में हो रही हैं। ऐसे में अभियोजन की जबाबदेही भी कहीं न कहीं सवालों के घेरे में है। अन्यथा उच्च न्यायालय, राज्य के मुख्य सचिव के बजाय पुलिस प्रशासन के किसी वरिष्ठतम अधिकारी से शपथ-पत्र देने का आदेश देता।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-179 (1) में कहा गया है कि किसी महिला को पूछताछ के लिए उसके निवास स्थान के अलावा कहीं और नहीं बुलाया जा सकता।

सोशल फोरम

सत्ता कैसे स्वाभाविक बनती है और कैसे टूटती है

सत्ता केवल पुलिस, सेना या कानून के बल पर टिकी हुई व्यवस्था नहीं है। असली सत्ता वह होती है, जो लोगों की सहमति से चलती है, जो उन्हें स्वाभाविक, सामान्य और अपरिहार्य लगने लगती है।

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

इस प्रक्रिया को नैतिक वर्चस्व कहा जाता है। नैतिक वर्चस्व का अर्थ है कि शासक वर्ग अपने हितों को पूरे समाज के हित के रूप में स्थापित कर देता है। लोग उसका विरोध नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि यही सामान्य बुद्धि है, यही यथार्थ है और इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। नैतिक वर्चस्व क्यों ज्यादा खतरनाक है? खुला दमन दिखाई देता है। उस पर गुस्सा आता है, लेकिन नैतिक वर्चस्व दिखाई नहीं देता। वह आदत बन जाता है। वह भाषा में घुल जाता है, मुहावरों में, कहावतों में, 'ऐसे ही होता है' जैसे वाक्यों में। शासक वर्ग की सबसे बड़ी सफलता यह होती है कि वह अपने विचारों को कॉमन सेंस बना दे।

वर्चस्व कैसे टूटता है? सत्ता को केवल हिंसक क्रांति से नहीं गिराया जा सकता। जब तक लोगों की सोच नहीं बदलती, तब तक सत्ता किसी न किसी रूप में बार-बार लौट आती है। इसका अर्थ है संस्कृति के भीतर संघर्ष, नैतिक भाषा को चुनौती देना, पुराने मूल्यों की जगह नए मूल्य प्रस्तावित करना और शासक वर्ग की वैधता पर लगातार सवाल खड़े करना। यह धीमी प्रक्रिया है, लेकिन यही टिकाऊ है, जब शासक वर्ग अपने नैतिक दावे निभाने में असफल होने लगता है, तब नैतिक संकट पैदा होता है। लोग महसूस करने लगते हैं कि जिन मूल्यों के नाम पर सत्ता चल रही थी, वे खोखले हैं। यहीं से प्रतिरोध की संभावना जन्म लेती है, लेकिन यह प्रतिरोध तभी प्रभावी होता है, जब वह केवल गुस्से पर नहीं, बल्कि वैकल्पिक नैतिकता पर आधारित हो। यानी यह बताना कि न सिर्फ मौजूदा व्यवस्था गलत है, बल्कि कोई और व्यवस्था ज्यादा मानवीय, ज्यादा न्यायपूर्ण और ज्यादा तर्कसंगत हो सकती है, जब सत्ता अन्याय को व्यवस्था कहकर पेश करती है और आंदोलन उसे अन्याय कहने में सफल हो जाता है, तब नैतिक वर्चस्व दरकता है। आज भी सत्ता सबसे पहले नैतिक भाषा पर कब्जा करती है। राष्ट्र, विकास, सुरक्षा, संस्कृति जैसे शब्दों को वह अपने हितों के अनुसार परिभाषित करती है, जो इन पर सवाल उठाता है, उसे राष्ट्रविरोधी कह दिया जाता है। असली संघर्ष इन शब्दों को वापस छीनने का है। यह दिखाने का है कि जिन मूल्यों के नाम पर सत्ता बोल रही है, वह उन्हें खुद ही तोड़ रही है। नैतिक वर्चस्व अमूर्त सिद्धांत नहीं है। यह रोजमर्रा के जीवन में काम करता हुआ सत्ता का सबसे मजबूत औजार है। सत्ता तब तक सुरक्षित रहती है, जब तक लोग उसे नैतिक रूप से वैध मानते हैं और जब यह वैधता टूटती है, तब इतिहास की दिशा बदलने लगती है।

– **फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

ओम पर्वत पर बर्फ का न होना चिंता का सबब

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जनपद में 15 हजार 700 फीट ऊंचाई पर स्थित ओम पर्वत आमतौर पर जनवरी माह में बर्फ की चादर ओढ़े रहता था, लेकिन आजकल यह बर्फ विहिन नजर आ रहा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि उत्तराखंड के कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर स्थित विश्व प्रसिद्ध ओम पर्वत से बर्फ पूरी तरह से गायब हो गई हो। पिछले साल भी ऐसा ही देखने को मिला था। बर्फ से बना 'ऊं' अब नजर नहीं आ रहा है। बर्फ विहीन पर्वत के जो चित्र सामने आ रहे हैं, वह बेहद चिंताजनक और भविष्य की भयावह स्थिति की और इशारा कर रहे हैं। यहां यह समझ लीजिए की प्रकृति ने अपनी ओर से एक चेतावनी दे दी है और यहां की पारिस्थितिक संतुलन को गहरा धक्का लगा है। पर्यावरण प्रेमी और स्थानीय लोग इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग तथा यहां हो रहे निर्माण कार्यों को जिम्मेदार मानते हैं। आसपास बना रही सड़के और प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में आने वाले लोगों से होने वाला नुकसान धीमे जहर की तरह है, जो यहां के प्राकृतिक संतुलन को नुकसान पहुंचा रहा है। पिथौरागढ़ जिले के धारचूला तहसील की ब्यास घाटी में स्थित ओम पर्वत हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर स्थित नाभीढांग से ओम पर्वत के दर्शन होते हैं। इस पर्वत की भौतिक बनावट ऐसी है कि चोटी से नीचे तक एक तरफ ढाल पर ओम की आकृति में बर्फ जम जाती है, जो कभी नहीं पिघलता थी। देश से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग हर साल ओम पर्वत को देखने आते हैं।

दीपक नौगांई
लेखक, हल्द्वानी

इस बार पहाड़ की चोटी पर प्राकृतिक रूप से बने ओम को देखने से पर्यटक वंचित हैं। एक और जहां जलवायु परिवर्तन के चलते बर्फबारी कम हो रही है, वहीं दूसरी ओर उच्च पहाड़ी स्थलों में वाहनों की बढ़ती संख्या और उनके धुएं से निकले ब्लैक कार्बन के कारण भी बर्फ तेजी से पिघल रही है। पर्यावरणविद् इसको हिमालय के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान मानते हैं। दरअसल धरती का तापमान बढ़ने से दुनियाभर में ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं और बर्फबारी कम हो रही है, वहीं हिमालय क्षेत्र में बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप और निर्माण कार्यों ने क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने में जैसे आग में घी का काम किया है।

हाल के वर्षों में ओम पर्वत क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियां काफी तेजी से बढ़ी है। हर साल बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक इसे देखने आते हैं। सड़क निकट तक चली गई है, तो धुंआ उगलते वाहनों की संख्या भी बढ़ी है। मूल रूप से मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में यहां की यात्रा होती है। बर्फबारी अक्टूबर के बाद ही होगी। यानी तकरीबन दो माह तक ओम पर्वत से बर्फ गायब रहेगी और यह काले पहाड़ जैसा वीभत्स नजर आएगा। बहरहाल पर्यावरण के सजग प्रहरियों ने ओम पर्वत क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप को कम करने की मांग की है। सरकार और प्रशासन भले ही यहां यात्रियों की बढ़ती संख्या से गदगद हो और यात्रियों की सुविधा की दुहाई देता हो, लेकिन पर्यावरणविदों की दलील है कि ऐसा पहली बार देखने को मिला है। इसलिए इस पर गंभीरता से चिंतन करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में दोबारा ओम पर्वत बर्फ विहीन न हो। उनका कहना है कि यह सुरक्षित और संरक्षित संवेदनशील क्षेत्र है, इसलिए यहां पर हर तरह की अप्राकृतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध भी लगाना जरूरी है। दरअसल पर्यटन और तीर्थयात्रा में विलासिता का पहलू जुड़ जाए, तो प्राकृतिक संतुलन बिगड़ेगा ही और यहां तो पुण्य ओम पर्वत के अस्तित्व का ही सवाल खड़ा हो गया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

स्प्रिंग सीजन 2026

फैशन विजन, रंगों की अभिव्यक्ति और नई सोच

स्प्रिंग सीजन 2026 फैशन की दुनिया में केवल मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि सोच और उपभोग के तरीकों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत देता है। यह सीजन उत्साह, ऊर्जा और आत्म-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ-साथ Conscious Consumption यानी जिम्मेदार उपभोग की अवधारणा को केंद्र में रखता है। इस वर्ष फैशन न सिर्फ सुंदर दिखने पर केंद्रित है, बल्कि यह टिकाऊपन, व्यक्तिगत शैली और तकनीकी नवाचार का संतुलित रूप प्रस्तुत करता है।

नूर हिना खान
लेखिका

रंगों में संतुलन और विरोधाभास

स्प्रिंग 2026 की रंग योजना में स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर Pantone द्वारा घोषित 'Cloud Dancer' जैसे सौम्य ऑफ-व्हाइट टोन शांति और सादगी का प्रतीक बनते हैं, वहीं दूसरी ओर सनशाइन येलो, फायर इंजन रेड और फ्रेश ग्रीन जैसे चमकीले रंग ऊर्जा और आत्मविश्वास को दर्शाते हैं। यह रंग संयोजन आधुनिक समाज की विविध भावनाओं और बदलते दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है।

फैब्रिक और टेक्सचर में हल्कापन

इस सीजन फैब्रिक चयन में 'वेटलेस क्वालिटी' को प्राथमिकता दी गई है। हवा जैसे हल्के कपड़े, जैसे सेमी-ओपेक वूल, ऑर्गेंजा और अल्ट्रा-लाइट निट्स खासतौर पर चलन में रहेंगे। इसके साथ ही Lyocell, Hemp और Recycled Fibers जैसे सस्टेनेबल फैब्रिक्स अब विकल्प नहीं, बल्कि फैशन इंडस्ट्री की आवश्यकता बन चुके हैं। ब्रांड्स पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहे हैं।

प्रमुख स्टाइल ट्रेंड्स

2025 की 'क्वाइट लग्जरी' के बाद 2026 में 'लाउड लग्जरी' की वापसी देखी जा रही है। टैसल्स, फ्रिंज, टेक्सचर और समृद्ध डिजाइन वाले परिधान इस सीजन की पहचान होंगे। साथ ही पोल्का डॉट्स और ज्योमेट्रिक प्रिंट्स नए रूप में सामने आएंगे, जहां अलग-अलग पैटर्न को एक साथ लेयर किया जाएगा। फैशन विशेषज्ञ इसे 'पैटर्न मिक्सिंग का नया दौर' मानते हैं।

भारतीय शहरी फैशन में को-ऑर्ड सेट्स, इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स और आधुनिक टच वाले पारंपरिक परिधान मुख्यधारा में रहेंगे। आरामदायक फिट और पेस्टल रंगों का संयोजन लोकप्रिय होता दिख रहा है।

एक्सेसरीज और डिटेलिंग

एक्सेसरीज में ओवरसाइज्ड सनग्लासेस, बड़े स्ट्रक्चर्ड टोट बैग्स और स्कार्फ को बेल्ट की तरह पहनने का चलन फिर से लौट रहा है। यह Y2K नॉस्टैल्जिया का आधुनिक संस्करण है। ज्वेलरी में मिनिमल डिजाइन और स्कल्पचरल पेंडेंट नेकलेस को प्राथमिकता दी जा रही है।

पुरुषों के फैशन में नया संतुलन

पुरुषों के फैशन में भी व्यावहारिक बदलाव देखने को मिल रहा है। स्नीकर्स की जगह लोफर्स और डर्बी शूज, स्पोर्ट्स जैकेट, जैक्वार्ड फैब्रिक्स और हल्के ओवरशर्ट्स लोकप्रिय हो रहे हैं। आराम और एलिगेंस का संतुलन पुरुषों की नई पहचान बनता जा रहा है। स्प्रिंग सीजन 2026 का फैशन केवल ट्रेंड्स तक सीमित नहीं है। यह जिम्मेदारी, रचनात्मकता और व्यक्तिगत पहचान का संगम है। बदलती जीवनशैली और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच यह सीजन फैशन को एक अधिक संवेदनशील और सार्थक दिशा में आगे बढ़ाता है।

फिल्म समीक्षा

हैप्पी पटेल

आमिर खान प्रोडक्शंस की यह फिल्म खुद को एक अलग और बेधड़क कॉमेडी-स्पाई पैरोडी के रूप में पेश करती है। हैप्पी पटेल पारंपरिक बॉलीवुड कॉमेडी नहीं है, बल्कि यह जानबूझकर अराजक, बेतुकी और "अनफिल्टर्ड" बनने की कोशिश करती है। यही वजह है कि फिल्म या तो आपको कुछ जगहों पर हंसाएगी, या फिर कई मौकों पर असहज और थका देगी। फिल्म की कहानी हैप्पी पटेल नाम के एक अजीब-से जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भाषा, संस्कृति और हालात को समझने में बार-बार चूक करता है। यह गलतफहमियां फिल्म का मुख्य हास्य आधार हैं। कहानी का ढांचा काफी ढीला है और इसमें कोई मजबूत स्पाई थ्रिल या ठोस प्लॉट नहीं मिलता। फिल्म ज्यादातर सीन-टू-सीन जोक्स, स्केच-जैसे एपिसोड्स और शॉक वैल्यू पर टिकी हुई है। वीर दास अपने किरदार में पूरी ऊर्जा झोंक देते हैं। उनका अभिनय अलग है, लेकिन लगातार ऊंची टोन, अराजक हरकतों और गाली-प्रधान संवादों के कारण किरदार कई बार ओवरडोज लगने लगता है।

मिथिला पालकर स्क्रीन पर फ्रेश दिखती हैं, मगर उनके किरदार को गहराई नहीं मिलती। शारिब हाशमी अपनी टाइमिंग और पंचलाइनों से कुछ सीन संभाल लेते हैं। मोना सिंह का रोल साफ तरह से डेवलप नहीं हो पाता। आमिर खान का कैमियो तो है, लेकिन प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहता है। निर्देशक की मंशा साफ है, एक बिंदास, सीमाएं तोड़ने वाली कॉमेडी बनाना, लेकिन समस्या यह है कि निर्देशन में संतुलन की कमी है। फिल्म कई जगहों पर यह तय नहीं कर पाती कि उसे स्मार्ट पैरोडी बनना है या सिर्फ शोर-शराबे वाली बेतुकी कॉमेडी। तकनीकी रूप से फिल्म औसत है। कैमरा वर्क साधारण है, बैकग्राउंड म्यूजिक याद नहीं रहता और एडिटिंग ढीली है। कई सीन काटे जा सकते थे, जिससे फिल्म ज्यादा टाइट और असरदार बन सकती थी। फिल्म का सबसे विवादित पहलू इसकी अत्यधिक गाली-प्रधान भाषा है। कुछ जगह यह किरदारों की अराजकता दिखाने में काम आती है, लेकिन ज्यादातर मौकों पर गालियां सिर्फ जबरन हंसी निकालने का जरिया लगती हैं। उनकी अधिकता हास्य को कमजोर करती है और पारिवारिक दर्शकों के लिए फिल्म को लगभग असहज बना देती है। हैप्पी पटेल एक एक्सपेरिमेंटल फिल्म है जो हर दर्शक के लिए नहीं बनी। इसमें कुछ मज़ेदार पल हैं, लेकिन कमजोर कहानी, ओवरडोज गालियां और असंतुलित निर्देशन इसे पूरी तरह कामयाब नहीं होने देते। अगर आपको अनफिल्टर्ड, अजीब और बिना दिमाग लगाए देखने वाली कॉमेडी पसंद है, तो यह फिल्म आपको कुछ हंसी दे सकती है। अगर आप स्मार्ट, सधी हुई और पारिवारिक कॉमेडी ढूंढ रहे हैं, तो यह फिल्म शायद आपको निराश करेगी।

समीक्षक -प्रदीप शर्मा

दिन जो याद आते हैं

घर-घर के सपनों और संघर्षों की कहानी था 'हम लोग'

भारत का पहला टीवी धारावाहिक 'हम लोग' दूरदर्शन पर 7 जुलाई 1984 से रात नौ बजे प्रसारित होना शुरू हुआ था। इस अकेले धारावाहिक की लोकप्रियता ने टीवी को घर-घर पहुंचाने में बड़ा योगदान दिया। हफ्ते में एक दिन आने वाले 20 वीं सदी के इस धारावाहिक की यादें आज सीनियर सिटीजन हो चुके लोगों के जेहन में न सिर्फ ताजा हैं, बल्कि किरदार उनके दिलों में जीवंत हैं। यह वह दौर था, जब परिवार ही नहीं आस-पड़ोस के लोगों के साथ या टेलीविजन नहीं होने पर दूसरों के घर जाकर सीरियल या फिल्म देखने का मजा लिया जाता था। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर।*

'हम लोग' में आठ सदस्यों वाले एक उत्तर भारतीय मध्यमवर्गीय परिवार की ऐसी कहानी थी, जिसमें सभी का अलग-अलग व्यक्तित्व था। उनकी जिंदगी, तकलीफों, सपनों, मुश्किलों और कुंठाओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ एक छत के नीचे पिरोया गया था। यही वजह थी कि इसके पात्र जैसे शराबी पिता बसेसर राम, मंझली, बड़की, छुटकी और नन्हें न सिर्फ उस समय हर घर की पहचान बन गए थे, बल्कि दर्शक उनसे खुद को या अपने आसपास के लोगों से जुड़ा हुआ महसूस करते थे। इन सभी ने मिलकर एक ऐसे परिवार की रचना कर दी थी कि जिसे आज भी लोग याद करते हैं। धारावाहिक में विनोद नागपाल- (बसेसरराम-पिता), जयश्री अरोड़ा (भागवंती-मां), (सुषमा सेठ-इमरती-दादी), लाहिरी सिंह- दादाजी, राजेश पुरी-लल्लू, सीमा पाहवा-बड़की, दिव्या सेठ-छुटकी तथा लवलीन मिश्रा ने मंझली और अभिनव चतुर्वेदी ने नन्हें का अभिनय किया था।

देश का पहला सोप ओपेरा

'हम लोग' को भारतीय टेलीविजन इतिहास का पहला सोप ओपेरा माना जाता है। यह एक मेक्सिकन टेलीविजन सीरीज वेन कोनमिगो से प्रेरित था, जिसे शिक्षा और मनोरंजन पर बनाया गया था। बताते हैं 'हम लोग' का आइडिया तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री वसंत साठे को आया था, जो 1982 में मेक्सिको के दौरे से लौटे थे। इसी के बाद मनोहर श्याम जोशी ने इस धारावाहिक की कहानी लिखी, जिसे निर्देशक पी. कुमार वासुदेव के सहयोग से विकसित किया गया।

154 एपिसोड, 17 महीने से ज्यादा प्रसारण

'हम लोग' धारावाहिक 17 महीनों से ज्यादा चला और खत्म होने के साथ सबसे लंबे समय तक चलने वाला टीवी सीरियल बन गया था। इसके कुल 154 एपिसोड प्रसारित किए गए थे। एक एपिसोड 25 मिनट का होता था, लेकिन आखिरी एपिसोड, जिसे 17 दिसंबर 1985 को प्रसारित किया गया, वह 55 मिनट का था।

दादा मुनि अंत में आते और छा जाते

'हम लोग' के हर धारावाहिक के अंत में प्रसिद्ध अभिनेता दादा मुनि अशोक कुमार आकर कहानी का सार देने के साथ अपने अलग ही अंदाज में समाज पर कटाक्ष करते हुए सार्थक संदेश देते थे, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते थे। इसके चलते ही उन्हें धारावाहिक के दौरान चार लाख से अधिक पत्र मिले थे।

समाज सुधार के लिए जागरूकता

इस धारावाहिक का मुख्य उद्देश्य मनोरंजन के साथ परिवार नियोजन और सामाजिक सुधारों के प्रति जागरूकता फैलाना था। इसमें शराबखोरी, लैंगिक भेदभाव, गरीबी, अंधविश्वास और करियर की संभावनाओं जैसे मुद्दों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ उठाया गया था।

हिमाचल भवन में रिहर्सल, गुड़गांव में शूटिंग

धारावाहिक की शूटिंग गुड़गांव (अब गुरुग्राम) में की जाती थी, जबकि रिहर्सल दिल्ली में मंडी हाउस के पास हिमाचल भवन में होती थी। इसके किरदार शूटिंग पर जाने से पहले यहां रिहर्सल करते फिर वैन में बैठकर गुड़गांव जाते थे।

और कहानी के अंत में...

दादीजी कैंसर से हार गए, लेकिन उन्होंने अपनी अधूरी तीर्थयात्रा पर जाने का फैसला किया। बसेसर राम सुधर गए। एक सुखद मोड़ पर, उन्होंने परिवार के मुखिया की भूमिका संभाली। भगवंती आज्ञाकारी पत्नी ही रहीं, लेकिन अब वह कम आहें भरती थीं और ज्यादा बोलती थीं। मंझली न तो नायिका बन पाईं और न ही गायिका, लेकिन उन्हें इंस्पेक्टर सामदार से प्यार हो गया। बड़की को दमदार आवाज वाले डॉ. अश्विनी के साथ सितारों के नीचे अपना पल मिला। लालू अपने नाम के अनुरूप ही रहे, लेकिन उन्होंने नौकरी का सपना छोड़ दिया। उनकी गरिमापूर्ण और सुशिक्षित पत्नी उषा रानी उनके साथ खड़ी रहीं। नन्हें 'गावस्कर' तो नहीं बन पाए, लेकिन कामिया के साथ, उन्होंने वास्तविक दुनिया में अपनी जगह बनाई। छुटकी डॉक्टर बनने के लिए घर से निकल गई।

जिंदगी का सफर

सिनेमा की एवरग्रीन ब्यूटी रेखा

भारतीय सिनेमा की 'एवरग्रीन ब्यूटी' कही जाने वाली अभिनेत्री रेखा का व्यक्तित्व और करियर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 10 अक्टूबर 1954 को चेन्नई में जन्मी भानुरेखा गणेशन उर्फ रेखा ने अपनी मेहनत और समर्पण से वह मुकाम हासिल किया, जहां आज वे एक जीवंत किंवदंती (Legend) मानी जाती हैं।

रेखा का फिल्मी सफर चुनौतियों से भरा रहा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में तेलुगु फिल्म 'रंगुला रत्नम' से की थी। 1970 में मात्र 16 साल की उम्र में 'सावन भादों' फिल्म से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। शुरुआती दिनों में उन्हें उनके रंग-रूप और हिंदी न बोल पाने के कारण काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन रेखा ने हार नहीं मानी। 70 के दशक के उत्तरार्ध में उन्होंने खुद में, जो क्रांतिकारी बदलाव किया, उसने पूरी इंडस्ट्री को हैरान कर दिया। फिल्म 'दो अनजाने' (1976) उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने अपने करियर में सिलसिला, मिस्टर नटवरलाल, मुकद्दर का सिकंदर और कई ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मों में अपने आइकॉनिक परफॉर्मेंस से लोगों के दिल जीत लिए।

रेखा की अभिनय क्षमता का लोहा दुनिया ने तब माना जब 1981 में फिल्म 'उमराव जान' आई। इस फिल्म में एक तवायफ के किरदार को उन्होंने अपनी आंखों की नजाकत और बेहतरीन संवाद अदायगी से अमर कर दिया, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अलावा 'खूबसूरत', 'खून भरी मांग' और 'उत्सव' जैसी फिल्मों ने यह साबित कर दिया कि वे हर तरह की भूमिका निभाने में सक्षम हैं।

रेखा ने लगभग 180 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें रेखा के अलग-अलग रूप दिखाई पड़े। रेखा केवल अपने अभिनय ही नहीं, बल्कि अपनी रहस्यमयी जीवनशैली और अद्वितीय फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। आज भी जब वे कांजीवरम साड़ियों, भारी आभूषणों और डार्क रेड लिपस्टिक में रेड कार्पेट पर उतरती हैं, तो नई पीढ़ी की अभिनेत्रियां भी उनके सामने फीकी नजर आती हैं। उनकी फिटनेस और सौंदर्य आज भी 71 वर्ष की आयु (2026 तक) में चर्चा का विषय बना रहता है। उनका निजी जीवन हमेशा विवादों और चर्चाओं के घेरे में रहा, लेकिन उन्होंने अपनी गरिमा कभी कम नहीं होने दी। रेखा को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2010 में पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया है। वे राज्यसभा की सदस्य भी रह चुकी हैं। रेखा केवल एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि नारी शक्ति और आत्म-सुधार की एक प्रेरणादायक मिसाल हैं। उन्होंने दिखाया कि कैसे एक साधारण लड़की अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से खुद को बदलकर 'बॉलीवुड की दिवा' बन सकती है।

भारत का वाहन निर्यात 24% बढ़ा

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के अनुसार विदेशी बाजारों में कारों, दुपहिया वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों की मजबूत मांग के कारण 2025 में भारत से वाहन निर्यात 24% बढ़ा। पिछले साल भारत से कुल निर्यात 24 .1% बढ़कर 63,25,211 इकाई हो गया, जबकि 2024 में यह 50,98,474 इकाई था। यात्री वाहनों का निर्यात 16% बढ़कर 8,63,233 इकाई रहा, जो 2024 में 7,43,979 इकाई था। उपयोगिता वाहनों का निर्यात 32% बढ़कर 4,27,219 इकाई रहा। यात्री कारों का निर्यात 3% बढ़कर 4,25,396 इकाई हो गया।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 19 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एमवे इंडिया का घाटा बढ़कर 74.25 करोड़

नई दिल्ली। प्रमुख प्रत्यक्ष बिक्री कंपनी एमवे इंडिया के अनुसार 2024-25 में उसका कुल घाटा बढ़कर 74 .25 करोड़ रुपये हो गया और परिचालन राजस्व 10 .56% घटकर 1,148 .16 करोड़ रहा। कारोबार संबंधी खूफिया जानकारी देने वाले मंच टोफलर से मिले वित्तीय आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय (जिसमें अन्य आय भी) 9 .2% घटकर 1,174 .85 करोड़ रुपये रही। पिछले वित्त वर्ष में एमवे ने 53 .38 करोड़ का कुल घाटा दर्ज किया था और परिचालन राजस्व 1,283 .75 करोड़ रुपये था। भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग दो वर्षों से सुस्त वृद्धि दर का सामना कर रहा है।

एडलवाइस का घाटे से उबरने का लक्ष्य

नई दिल्ली। एडलवाइस लाइफ इंश्योरेंस को 2-3 वर्षों में दहाई अंकों में वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के एमडी और सीईओ सुमित राय ने कहा कि कंपनी 2026-27 तक घाटे से उबर जाएगी। शुरुआती साल, विशेष रूप से 2011 और 2016 के बीच समग्र जीवन बीमा उद्योग के लिए धीमी वृद्धि का दौर था। हमारी वृद्धि में वास्तविक उछाल 2017-2018 के बाद आया। राय ने कहा कि शुरुआत में बीमाकर्ता मुख्य रूप से एक ही चैनल वाली कंपनी थी। राय ने कहा कि यह संतुलन कंपनी के उत्पाद मिश्रण में भी दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि 2025-26 में कंपनी 650 करोड़ का नया व्यवसाय और कुल 2,400 करोड़ की प्रीमियम आय प्राप्त करने का लक्ष्य रख रही है।

डांगोटे रिफाइनरी का विस्तार करेगी ईआईएल

नई दिल्ली। इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) ने नाइजीरिया में डांगोटे रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल परिसर के विस्तार के लिए 35 करोड़ डॉलर का अनुबंध किया है। ईआईएल परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) और ईपीसीएम सलाहकार के रूप में काम करेगी। इससे दुनिया की सबसे बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं में से एक में कंपनी की भूमिका और मजबूत हुई है। ईआईएल उस समय डांगोटे ग्रुप के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण प्रबंधन (ईपीसीएम) सलाहकार थी, जब उसने पहली बार तेल रिफाइनरी बनाई थी। कंपनी ने कहा कि अब विस्तार कार्य के लिए कंपनी को फिर से नियुक्त किया गया है।

वैश्विक दिग्गजों के सामने दमदार उपस्थिति के लिए तैयार भारत

डब्ल्यूईएफ : पांच दिवसीय कार्यक्रम में संवाद की भावना पर होगी चर्चा

- **सरकार, व्यापार, शिक्षा, बहुपक्षीय निकायों, नागरिक समाज और श्रम संघों के 3,000 से अधिक नेता होंगे शामिल**
- **भारत से एनएसए, चार केंद्रीय मंत्री, छह मुख्यमंत्री और 100 से अधिक शीर्ष सीईओ कार्यक्रम में लेंगे भाग**

दावोस, एजेंसी

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारत दमदार प्रतिनिधित्व को तैयार है। सोमवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय इस आयोजन में दुनिया भर के दिग्गज चुनौतीपूर्ण दुनिया में संवाद की भावना विषय पर चर्चा करेंगे। सरकार, व्यापार, शिक्षा, बहुपक्षीय निकायों, नागरिक समाज और श्रम संघों के 3,000 से अधिक वैश्विक नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सबसे बड़े आकर्षण होंगे। ट्रंप अपने मंत्रिमंडल के पांच सदस्यों के साथ आ रहे हैं।

भारत से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के अलावा चार केंद्रीय मंत्रियों अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू के साथ ही छह मुख्यमंत्रियों और 100 से अधिक शीर्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के शामिल होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन हैं।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भी रहने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्रियों में नायडू तेदेपा से हैं, जबकि अन्य चार भाजपा से हैं। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष रमेशभाई संघवी (भाजपा) और उत्तर प्रदेश का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी दुनिया भर के अमीर और शक्तिशाली लोगों के इस वार्षिक जमावड़े के लिए दावोस की यात्रा करेंगे।

भारतीय नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान कई समूह चर्चाओं में भाग लेने की उम्मीद है, जिसमें क्या भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है विषय पर चर्चा भी शामिल है। इसके अलावा वे द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन इरानी भी अलायंस फॉर ग्लोबल गुडः जेंडर इक्विटी एंड इक्वालिटी की संस्थापक और चेयरपर्सन के रूप में वहां मौजूद रहेंगी, जिसकी स्थापना कुछ साल पहले दावोस में ही हुई थी। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी, टाटा समूह के एन चंद्रशेखरन, बजाज समूह के संजीव बजाज, जुबिलेंट भरतिया समूह के हरि एस भरतिया और टीवीएस मोटर के सुदर्शन वेणु भी होंगे।

बैठक में एक्सिस बैंक के अमिताभ चौधरी, गोदरेज इंडस्ट्रीज के नादिर गोदरेज, जेएसडब्ल्यू समूह के सज्जन जिंदल, जेरोधा के निखिल कामथ, भारती समूह के सुनील भारती मित्तल, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी और सीईओ सलिल एस पारेख, विप्रो के ऋषद प्रेमजी, एस्सार के सीईओ प्रशांत रुइया, पेटीएम के विजय शेखर शर्मा और रिन्यू के सीईओ सुमंत सिन्हा भी शामिल होंगे। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया के साथ ही कई सार्वजनिक उपक्रमों के प्रमुख भी होंगे।

टीम इंडिया का संदेश- साझेदारी करें और भविष्य से जुड़ें

दावोस। स्विट्जरलैंड के दावोस में जिस जगह कभी प्रतिष्ठित पियानो बार था, वहां से अब टीम इंडिया का स्पष्ट संदेश इस बर्फीले रिसॉर्ट शहर की गलियों में गूंज रहा है कि भारत के साथ साझेदारी करें और भविष्य से जुड़ें। दावोस के मुख्य मार्ग पर स्थित इंडिया पवेलियन के इस मूल संदेश को वहां मौजूद विभिन्न राज्यों के पवेलियन और उद्योग जगत के भागीदार भी दोहरा रहे हैं। शीर्ष उद्योग मंडल सीआईआई ने कुछ ऐसा ही संदेश दिया है। भारत की कई दिग्गज आईटी कंपनियों ने भी अपने पवेलियन और लाउंज सजाए हैं, जिनका साझा विषय कृत्रिम मेधा (एआई) रखा गया है। इन कंपनियों द्वारा लगाए चाय और कॉफी स्टाल के अलावा, यहां एक विशेष एआई लाउंज भी बनाया गया है। प्रोमेनेड मार्ग के दोनों तरफ विप्रो और टीसीएस के लाउंज एक-दूसरे के सामने हैं, जबकि इन्फोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा भी उनसे ज्यादा दूर नहीं हैं। विप्रो जहां एआई और उससे आगे की बात कर रही है, वहीं टीसीएस का कहना है कि वह अपनी हर सेवा में एआई को शामिल कर रही है। इसमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश, केरल और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्य सरकारों के भी पवेलियन लगे हैं। अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी और के. राममोहन नायडू समेत कई केंद्रीय मंत्रियों के इसमें शामिल होने और द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है।

वैश्विक दिग्गजों की प्रतीक्षा में दावोस की किलेबंदी

डब्ल्यूईएफ की बैठक के लिए दुनिया भर के दिग्गज जुटने लगे हैं। 5,000 सशस्त्र बल के जवान, स्नाइपर, एआई संचालित ड्रोन और विशेष उपकरण शहर की सुरक्षा में तैनात हैं। अति विशिष्ट लोगों को देखते हुए सभी द्वारों और अचानक जांच आम है। इसमें दुनिया भर के 400 से अधिक राजनेता भाग ले रहे हैं, जिनमें 64 राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष हैं। एक हजार से अधिक सीईओ, नागरिक समाज के सदस्य, श्रम प्रतिनिधि, धार्मिक संगठन, सांस्कृतिक दिग्गज, सामाजिक उद्यमी, शिक्षाविद, विशेषज्ञ और थिंक टैंक भी रहेंगे। प्रमुख नेताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग, स्विस राष्ट्रपति गाइ पारमेलिन, पाकिस्तान के शहबाज शरीफ, फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण के प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा, इजरायली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में संयुक्त राष्ट्र, डब्ल्यूटीओ, विश्व बैंक, आईएमएफ, नाटो, डब्ल्यूएचओ, यूएनडीपी, ओईसीडी, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त और खाड़ी सहयोग परिषद के प्रमुख शामिल हैं।

नेविल को एसआरटीटी का ट्रस्टी बनाने वाली बोर्ड की बैठक रद्द

नई दिल्ली। सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) की प्रस्तावित बोर्ड बैठक कोरम (गणपूर्ति) की कमी से शनिवार को रद्द कर दी गई। बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा को ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया जाना था। नेविल को आरएसटीटी के बोर्ड में शामिल करने की कोशिश दो महीने पहले भी असफल हो चुकी है।

- **बैठक में सभी ट्रस्टी नहीं हुए शामिल जो नए ट्रस्टी की नियुक्ति के लिए अनिवार्य**

180 अरब डॉलर के टाटा समूह की प्रवर्तक होल्डिंग कंपनी टाटा संस में एसआरटीटी की 23.6% हिस्सेदारी है। इस घटनाक्रम की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले ने कहा कि सभी ट्रस्टी बैठक में शामिल नहीं हो सके, जो नए ट्रस्टी की नियुक्ति के लिए एक अनिवार्य शर्त है। अगले कुछ दिनों में बैठक फिर से होगी। हालांकि, अन्य लोगों का कहना है कि ट्रस्टियों के बीच नियुक्ति पर आम सहमति बनाने के लिए संभव है कि बैठक को आगे बढ़ाया गया हो। इस संबंध में टाटा ट्रस्ट्स को भेजे सवालों का कोई जवाब नहीं मिला है। एसआरटीटी के ट्रस्टी नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी एन टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर और डेरियस खंबाटा हैं। पिछले साल नवंबर में नेविल और भास्कर भट को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) में नियुक्त किया गया था, जिसकी टाटा संस में 28% हिस्सेदारी है। हालांकि, उन्हें एसआरटीटी में नियुक्त नहीं किया जा सका। टाटा से जुड़े अन्य ट्रस्टों की टाटा संस में 13.8% हिस्सेदारी है। स्पष्ट रूप से यह नियुक्ति वेणु श्रीनिवासन द्वारा उठाए विरोध से रुकी थी।

निर्यात बढ़ाने को विदेश में स्थित भारतीय मिशनों के लिए दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच बाजार विविधीकरण के जरिए निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत विदेश में स्थित भारतीय मिशनों के लिए विशिष्ट दिशानिर्देश तैयार किए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि विदेश में भारतीय वाणिज्यिक मिशनों के लिए व्यापार प्रोत्साहन संबंधी इन दिशानिर्देशों में गैर-शुल्क बाधाओं का प्रबंधन, बाजार सहभागिता गतिविधियां, योजना एवं संसाधन प्रबंधन, व्यापार सूचना और बाजार अनुसंधान शामिल हैं। ये दिशानिर्देश इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि व्यापार के क्षेत्र में मेजबान देश के हितधारकों के लिए वाणिज्यिक प्रतिनिधि ही संपर्क के पहले बिंदु होते हैं। अधिकारी ने कहा कि वाणिज्यिक प्रतिनिधियों को जारी मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने के लिए व्यापार प्रोत्साहन गतिविधियों को उसी अनुरूप ढालना होगा, ताकि इन समझौतों का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने में मदद मिल सके। वाणिज्यिक प्रतिनिधियों को भारतीय उत्पादों की मांग का आकलन करने के लिए बाजार सर्वेक्षण करने का सुझाव भी दिया गया है। सरकार का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को दो लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

- **वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच बाजार विविधीकरण से निर्यात बढ़ाने के प्रयास तेज**

वुड मैकेंजी की वैश्विक शीर्ष 10 में अडाणी सोलर

नई दिल्ली। वुड मैकेंजी की 2025 की पहली छमाही की वैश्विक सौर मॉड्यूल विनिर्माण सूची में अडाणी सोलर शामिल है।

अडाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) की सौर फोटोवोल्टिक विनिर्माण इकाई अडाणी सोलर को वैश्विक ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन परामर्शदाता ने श्रेणी ए वर्गीकरण दिया गया है। वुड मैकेंजी की सूची में कंपनी को 8वां स्थान मिला। वुड मैकेंजी ने 2025 की पहली छमाही के लिए ताजा रिपोर्ट जारी की है, जो सौर पैनल कंपनियों का मूल्यांकन करती है। जेए सोलर और ट्रिनासोलर ने क्रमशः 91.7 और 91.6 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अडाणी सोलर ने 81 अंक हासिल किए। वुड मैकेंजी विनिर्माताओं का 10 मानदंडों पर मूल्यांकन करता है।

पूंजी बाजार कराधान को आसान बनाए सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार प्रतिभागियों ने 2026-27 के आम बजट से पहले सरकार से पूंजी बाजार कराधान को आसान बनाने का आग्रह किया है, जिसमें दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर उच्च छूट सीमा की मांग शामिल है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को लेनदेन करों में और वृद्धि करने से बचना चाहिए। आम बजट 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया जाएगा।

बाजार के हितधारकों ने खुदरा और दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए इक्विटी निवेश से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर मुक्त छूट सीमा को बढ़ाने की मांग की है। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा कि सरकार को इक्विटी एलटीसीजी के लिए कर-मुक्त छूट सीमा को 1.25 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख करना चाहिए। कंपनी ने जटिलता को कम करने और कर स्पष्टता में सुधार के लिए इक्विटी, डेट, सोना और रियल एस्टेट सहित सभी परिसंपत्ति वर्गों में दीर्घकालिक की परिभाषा को 12 महीने के रूप में मानकीकृत करने की भी मांग की है। इसके अतिरिक्त, इसने पूंजीगत हानि को अन्य मदों के तहत होने वाली आय के साथ समायोजित करने की अनुमति देने की मांग भी की है।

- **आम बजट से पहले बाजार प्रतिभागियों ने की इक्विटी कर में राहत की मांग**

राष्ट्रीय

बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए बनेगी एसओपी

केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक को निर्देश दिए जाने का याचिका में किया गया अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

- **उच्चतम न्यायालय ने रजिस्ट्री को सीजेआई से निर्देश लेने और उचित पीठ के समक्ष रखने का दिया निर्देश**

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि साइबर अपराध की जांच के दौरान बैंक खातों को फ्रीज और डी-फ्रीज करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के लिए केंद्र और भारतीय रिजर्व बैंक को निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिका को भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के समक्ष रखा जाए। खातों को फ्रीज करने का आशय उनसे जुड़े लेन-देने पर रोक लगाने से है।

न्यायमूर्ति पंकज मिथल और एसवीएन भट्टी की पीठ ने उच्चतम न्यायालय रजिस्ट्री को सीजेआई से निर्देश लेने और मामले को तदनुसार उचित पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया। इससे पहले केंद्र ने रजिस्ट्री को सूचित किया था कि सीजेआई की पीठ पहले से ही डिजिटल गिरफ्तारी से संबंधित स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें यही मुद्दा विचाराधीन है। शीर्ष अदालत ने 16 जनवरी के आदेश में कहा कि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने बताया कि अर्जी बी और सी के संबंध में, वे इस न्यायालय की एक अन्य पीठ के समक्ष स्वतः संज्ञान लेते हुए दायर रिट याचिका (आपराधिक) में विचाराधीन हैं। उपरोक्त के मद्देनजर, रजिस्ट्री सीजेआई से उचित आदेश प्राप्त करे और मामले को तदनुसार सूचीबद्ध करे। शीर्ष अदालत ने पहले याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई थी जिसमें अर्जी बी में कहा गया कि लिखित तर्कसंगत आदेश और खाताधारक को ऐसी कार्रवाई की सूचना दिए बिना 24 घंटे में किसी भी बैंक खाते को फ्रीज नहीं किया जाएगा और बैंक खाता फ्रीज करने के प्रत्येक आदेश की सूचना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 106(3)/दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 102(3) के तहत अनिवार्य रूप से उसे क्षेत्र के मजिस्ट्रेट को तुरंत दी जाएगी।

अजी सी में केंद्र और भारतीय रिजर्व बैंक को साइबर अपराध जांच के दौरान बैंक खातों को फ्रीज करने और डी-फ्रीज करने के संबंध में एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है ताकि मनमानी कार्रवाई को रोका जा सके और देश भर में प्रक्रियात्मक निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके।

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी : मप्र के मंत्री विजय शाह की याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में सोमवार को मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की उस याचिका पर सुनवाई होगी, जिसमें उन्होंने भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के आरोप में खुद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ द्वारा मंत्री की याचिका पर सुनवाई की संभावना है। मंत्री ने अपनी टिप्पणियों पर खेद व्यक्त किया है। उच्चतम न्यायालय ने 28 जुलाई 2025 को कर्नल कुरैशी के खिलाफ अपनी टिप्पणियों पर सार्वजनिक रूप से माफी न मांगने के लिए शाह को फटकार लगाई थी और कहा था कि वह अदालत के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। शाह के अधिवक्ता के. परमेश्वर ने तर्क दिया था कि मंत्री ने सार्वजनिक रूप से माफीनामा जारी किया है, जिसे ऑनलाइन साझा किया गया था और इसे अदालत के रिकॉर्ड में रखा जाएगा। शीर्ष अदालत ने तब कहा था कि ऑनलाइन माफी क्या होती है? हमें उनकी मंशा और ईमानदारी पर संदेह है। आप माफी को रिकॉर्ड पर रखें। हमें इसे देखना होगा। उसने मंत्री के बयानों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को 13 अगस्त 2025 तक रिपोर्ट देने को कहा था। एसआईटी का एक अधिकारी रिपोर्ट लेकर अदालत में पेश हुआ। पीठ ने कहा था कि शाह के बयानों के बजाय उन लोगों के बयान दर्ज किए जाने चाहिए थे जिनकी भावनाएं आहत हुई थीं।

गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा व डिलीवरी इन टेन मिनट को घोषित करें अपराध

जयपुर, एजेंसी

देश में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक ढाई करोड़ तक पहुंचने की संभावना के बीच अर्थशास्त्रियों ने उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने और डिलीवरी इन टेन मिनट के चलन को अपराध घोषित करने की मांग रखी। 19वें जयपुर साहित्योत्सव में द गिग इकॉनामी सत्र में प्रख्यात अर्थशास्त्री, वरिष्ठ नीति निर्माता और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य राकेश मोहन ने गिग वर्कर्स की समस्याओं का जिक्र करते हुए कि देश में 2021 में गिग वर्कर्स की संख्या 77 लाख थी जो 2025 में एक करोड़ 40 लाख हो चुकी है और 2030 तक इसके बढ़कर ढाई करोड़ तक पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने डिलीवरी कंपनियों द्वारा डिलीवरी इन टेन मिनट की अवधारणा को अपराध घोषित करने के साथ ही गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा मुहैया देने के लिए एप से होने वाली सामान की डिलीवरी पर उपकर लगाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि उपकर से प्राप्त इस धनराशि पर पूरी तरह गिग वर्कर का अधिकार होगा और यह राशि राष्ट्रीय पेंशन जैसी किसी योजना के तहत खाते में जमा कराई जा सकती है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने पिछले दिनों कहा था कि डिलीवरी कंपनियों ने 10 मिनट में डिलीवरी का वादा खत्म कर दिया है।

सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस (सीएसईपी) के मानद अध्यक्ष राकेश मोहन ने कहा कि यह आज देश का प्रमुख रोजगार सृजक क्षेत्र बनकर उभरा है और न केवल विकासशील देशों में बल्कि विकसित देशों में बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स हैं। मोहन ने इन कामगारों को यूनियनों द्वारा सशक्त बनाने से पहले इन्हें संगठित करने पर कहा कि गिग वर्कर्स के लिए कामकाज के न तो घंटे तय हैं, न शिकायत निवारण तंत्र है और असुरक्षित माहौल के बावजूद इनके लिए दुर्घटना बीमा या सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था न होना चिंताजनक है। शहरी अर्थव्यवस्था और विकास पर तीन किताबें लिख चुके मोहन ने कहा कि इन गिग वर्कर्स के पास सेवा से इन्कार करने की स्वतंत्रता भी छीन ली गई है। ओटीपी प्लीज नामक पुस्तक की लेखिका वंदना वासुदेवन ने कहा कि शिकायत निवारण तंत्र न होने से गिग के साथ उपभोक्ता को भी बड़ी परेशानियां हो रही हैं।

- **देश में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक ढाई करोड़ पहुंचने की संभावना**
- **अर्थशास्त्रियों ने एप से होने वाली डिलीवरी पर उपकर का दिया सुझाव**

परिवार की मदद का बहाना कर संभावित आत्मघाती हमलावर साजिश से पीछे हटा

नई दिल्ली/श्रीनगर, एजेंसी

लाल किला विस्फोट

- **मास्टरमाइंड डॉ. उमर-उन-नबी दूसरे आत्मघाती हमलावर की भर्ती की कर रहा था कोशिश**
- **श्रीनगर पुलिस और एनआईए ने नबी के संचालित समानांतर आतंकी मॉड्यूल का किया पर्दाफाश**

लाल किले के पास हुए कार बम धमाके के बाद पकड़े गए सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की जांच में सामने आया है कि साजिश का मास्टरमाइंड डॉ. उमर-उन-नबी एक दूसरे आत्मघाती हमलावर की भर्ती करने की कोशिश कर रहा था। हालांकि वह इसमें सफल नहीं हो सका, क्योंकि संबंधित व्यक्ति ने सेब की पैदावार के मौसम में अपने परिवार की मदद की जरूरत का हवाला देते हुए इस आतंकी साजिश से पीछे हटने का फैसला कर लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

श्रीनगर पुलिस और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने नबी द्वारा संचालित समानांतर आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। नबी वही व्यक्ति था जो 10 नवंबर को लाल किले के पास विस्फोटकों से लदी गाड़ी चला रहा था। इसमें 12 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। गिरफ्तार संदिग्धों से पूछताछ के दौरान डॉक्टर से आतंकी बने व्यक्ति द्वारा अपनाई भर्ती की रणनीतियों का खुलासा हुआ है। इन्हीं जानकारियों के आधार पर एनआईए ने शोपियां निवासी यासिर अहमद डार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि नबी ने डार को एक संभावित आत्मघाती हमलावर के रूप में सफलतापूर्वक कट्टरपंथी बना दिया था, लेकिन पिछले साल अगस्त में हुई एक मुलाकात के दौरान उसने आखिरी समय में इस साजिश से पीछे हटने का फैसला किया। उसने इसके लिए "सेब की पैदावार का मौसम" और घर में मरम्मत का काम होने को कारण बताया। अधिकारियों के अनुसार, डार 2023 से नबी के संपर्क में था। उसने स्वीकारा कि नबी का डॉक्टर होना उसके प्रभाव में आने का कारण बना।

ईडी ने ऑनलाइन सट्टा एप मामले में दाखिल किया आरोप पत्र

पाकिस्तानी कर रहा था संचालन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइट के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है, जिसके पाकिस्तानी निदेशक संयुक्त अरब अमीरात में रहते हैं। संघीय एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। मैजिकविन मामले में कुल 14 व्यक्तियों और कंपनियों को आरोपी बनाया गया है। भारत ने 2025 में वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने इसे एक वित्तीय और सामाजिक खतरा बताते हुए कहा कि इसमें उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से युवाओं की मेहनत से कमाए गए धन बर्बाद हो जाते हैं।

संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि अभियोजन शिकायत (जो आरोप पत्र के समकक्ष है) 15 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में दाखिल की गई। ईडी के मुताबिक धनशोधन का यह मामला अहमदाबाद साइबर अपराध पुलिस द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें पोर्टल पर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के मैच की अनधिकृत मेजबानी, स्ट्रीमिंग और प्रसारण के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

जब तक धर्म मार्गदर्शन करेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रवादी स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा आध्यात्मिक ज्ञान दुनिया के दूसरे हिस्सों में नहीं पाया जाता।

भागवत ने एक कार्यक्रम में कहा कि धर्म ही पूरे ब्रह्मांड को चलाता है और सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से समृद्ध आध्यात्मिक धरोहर विरासत में मिली है और साधु-संतों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। दुनिया के पास इस तरह का ज्ञान नहीं है क्योंकि उसमें आध्यात्मिकता की कमी है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत है, जो हमें मिली है। भागवत ने कहा कि चाहे वह नरेन्द्र भाई हों, मैं हूं, आप हों या कोई और, हम सभी को एक ही शक्ति चला रही है। यदि वाहन उस शक्ति से चले, तो कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी। वह चालक धर्म है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि की उत्पत्ति हुई, तो वह नियम जो उसकी कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते थे, वही धर्म बने। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।

भागवत ने कहा कि धर्म केवल धार्मिकता तक सीमित नहीं है और प्रकृति में हर किसी का अपना नैतिक कर्तव्य व अनुशासन होता है। राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई भी मानव या कोई भी सृष्टि धर्म रहित नहीं हो सकती। पानी का धर्म है बहना, आग का धर्म है जलाना। पुत्र का कर्तव्य है, शासक का कर्तव्य है और आचार-व्यवहार के नियम होते हैं। हमारे पूर्वजों ने इन नियमों को आध्यात्मिक शोध और महान प्रयासों के माध्यम से समझा।

- **आरएसएस प्रमुख भागवत बोले- भारत को अपने पूर्वजों से समृद्ध आध्यात्मिक धरोहर विरासत में मिली**

भेदभाव खत्म करने को जाति मिटाने की जरूरत

छत्रपति संभाजीनगर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अगर जातिगत भेदभाव को खत्म करना है तो सबसे पहले मन से मिटाना होगा। भागवत ने जन संगोष्ठी में कहा कि पहले जाति का संबंध पेशे और काम से था, लेकिन बाद में इसने समाज में पैठ बना ली और भेदभाव का कारण बनी। यह संगोष्ठी आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर हुई थी, जिसमें उन्होंने जनता से संवाद किया। भागवत ने जातिवाद पर बात करते हुए लोगों से अपील की कि वे इसे मन से निकाल दें। उन्होंने कहा कि इस भेदभाव को खत्म करने के लिए, जाति को मन से मिटाना होगा। यदि इसे ईमानदारी से किया जाता है, तो 10 से 12 वर्षों में जातिवाद समाप्त हो जाएगा। भागवत ने कहा कि संघ का उद्देश्य भारत को इसका सर्वोत्तम गौरव दिलाना है, साथ ही समाज को भी साथ में लेकर चलना है। संघ व्यक्ति के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए काम करता है और यह कोई प्रतिक्रिया के रूप में स्थापित संस्था नहीं है, न ही यह किसी से प्रतिस्पर्धा करता है। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य भारत और पूरे समाज को उसके सर्वोत्तम गौरव तक ले जाना है।

अवैध निर्माण को लेकर 2024 में चिह्नित किया गया था नाइट क्लब

पणजी, एजेंसी

गोवा सरकार ने विधानसभा में कहा है कि राजस्व अधिकारियों ने 2024 में नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन को अवैध निर्माण के सिलसिले में चिह्नित किया था। उत्तरी गोवा के अरपोरा स्थित इस नाइट क्लब में पिछले महीने आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी जबकि कई लोग झुलस गए थे।

राज्य के राजस्व मंत्री अतानासियो मॉनसेराटे ने शुक्रवार को सदन में लिखित उत्तर में ऐसे दस्तावेज पेश किए, जिनसे पता चलता है कि साल्ट पैन के भीतर स्थित पारंपरिक 'स्लूइस गेट (बांध)' को ध्वस्त कर तथा भूमि को अवैध रूप से

- आग लगने की घटना पर गोवा सरकार ने दी विस में जानकारी

परिवर्तित करके क्लब का निर्माण किया गया था।

संपत्ति के मूल मालिक प्रदीप घड़ी अमोनकर और सुनील दिवकर ने 21 दिसंबर 2023 को बारदेज तालुका के मामलतदार (राजस्व अधिकारी) के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। यह शिकायत तत्कालीन 'मैजोन लेक व्यू रिजॉर्ट' (जिसे बाद में सौरभ और गौरव लूथरा भाइयों को पट्टे पर दिए जाने के बाद बिर्च बाय रोमियो लेन के नाम से जाना जाने लगा) के खिलाफ दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ताओं ने रिसॉर्ट के मालिक सुरिंदर खोसला के साथ बिक्री के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उनकी शिकायत में विशेष रूप से उल्लेख किया गया था कि भूमि रूपांतरण और जोन परिवर्तन किए बिना निर्माण किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि किराए पर ली गई भूमि पर निर्माण किया गया और पारंपरिक स्लूइस गेट को ध्वस्त कर दिया गया। यह भी बताया गया कि प्रतिष्ठान से बागा नदी में कचरा बहाया जा रहा था।

ठंड में सड़कों पर अदृश्य हत्यारा

कोहरे की सफेदी

सर्दियों की दस्तक के साथ ही उत्तर भारत सहित दुनिया के कई हिस्से एक सफेद चादर में लिपट जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से कोहरा केवल ज़मीन के करीब तैरते पानी के सूक्ष्म कणों या बादलों का एक रूप है, लेकिन सड़कों पर यह एक अदृश्य हत्यारा बन जाता है। आए दिन हादसों में लोगों की मौतें होती हैं। जब तापमान गिरता है और हवा में नमी का स्तर बढ़ जाता है तो जलवाष्प संघनित होकर छोटी बूंदों में बदल जाती है, जिससे दृश्यता शून्य तक गिर सकती है। कोहरा केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं है, यह परिवहन तंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है। हर साल ठंड के महीनों में घने कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं, रेलगाड़ियों की देरी और हवाई उड़ानों के रद्द होने की खबरें आम हो जाती हैं। बढ़ते प्रदूषण ने इसे स्मॉग में बदल दिया है। स्मॉग, जो धुएं और कोहरे का मिश्रण है, न केवल दृश्यता कम करता है बल्कि फेफड़ों के लिए भी घातक होता है।

प्रमुख हादसे

- यमुना एक्सप्रेसवे (भारत) : 2023 और 2024 की सर्दियों में कई बार 20-30 वाहनों की आपस में भिड़ंत हुई, जिसमें दर्जनों लोग हताहत हुए।
- ह्यूस्टन, अमेरिका (2012) : घने कोहरे के कारण थैंक्सगिविंग डे पर 140 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए थे।
- चीन (2022) : झेंग्झौ में पीले नदी पुल पर कोहरे के कारण 200 से अधिक वाहन टकराए, जो हाल के वर्षों की सबसे बड़ी शृंखला दुर्घटना थी।
- बटिंडा, पंजाब (2026) : दृश्यता कम होने से 5 पर्यटकों की मौत हो गई। मानसा रोड पर दो बसों-अन्य वाहनों की टक्कर में कई घायल हुए।
- असम, गोलाघाट (2024) : कम दृश्यता के कारण एक पिकअप और ट्रक की टक्कर में 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

बचाव के उपाय

- **गति कम रखें :** आपकी गति इतनी होनी चाहिए कि दृश्यता के भीतर वाहन रोक सकें।
- **लो-बीम हेडलाइट्स का प्रयोग :** कभी भी हाई-बीम का प्रयोग न करें, वह कोहरे से परावर्तित होकर आंखों को चुंधिया सकती है।
- **वाइपर-डिफॉगर :** शीशे से नमी को हटाने को वाइपर और हीटर/डिफॉगर चालू रखें।
- **दूरी बनाए रखें :** आगे चल रहे वाहन से सामान्य से दोगुनी दूरी रखें।

यातायात नियम

- **ओवरटेकिंग पर पाबंदी :** घने कोहरे में ओवरटेक करना कानूनी अपराध है।
- **इंडिकेटर :** मुड़ने से काफी पहले इंडिकेटर दें। पार्किंग के लिए हजार्ड लाइट्स का उपयोग तभी करें जब गाड़ी सड़क के किनारे खड़ी हो।
- **नो-स्टॉपिंग जोन :** एक्सप्रेसवे पर बीच सड़क या किनारे पर बिना कारण गाड़ी खड़ी करना प्रतिबंधित है।

सरकारी प्रबंध

- स्मार्ट साइनेज : एक्सप्रेसवे पर डिजिटल बोर्ड लगाए गए हैं जो रियल-टाइम दृश्यता की जानकारी देते हैं।
- एंटी-फॉग लाइट्स : प्रमुख जंक्शंस और ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष (एम्बर) रंग की लाइटें लगाई जा रही हैं।
- कैट्स आइज (रोड स्टड्स) : सड़कों पर रिफ्लेक्टिव स्टड लगाए जाते हैं जो रात और कोहरे में चमकते हैं।
- रेलवे में फॉग सेफ्टी डिवाइस : भारतीय रेलवे लोको-पायलटों को जीपीएस आधारित डिवाइस देती है, जो आने वाले सिग्नल की दूरी बताता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

सर्बिया में हजारों छात्रों ने रैली निकाली

नोवी साद। सर्बिया में छात्रों ने देश के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिक के कार्यकाल के खिलाफ अपने संघर्ष के एक नए चरण की घोषणा की और हजारों लोगों ने रैली निकाली। छात्रों ने पिछले एक साल में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए हैं, जिनसे देश में वुसिक की निरंकुश सरकार हिल गई है। नोवी साद में प्रदर्शनकारियों ने चोर के नारे लगाते हुए सरकार पर व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। उनका मानना है कि भ्रष्टाचार के कारण ही उत्तरी शहर में नवंबर 2024 में रेलवे स्टेशन हादसा हुआ जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई और बदलाव के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू हुआ।

फोर्ड के 3 लाख वाहनों को वापस मंगाया

ओटावा। कनाडा में परिवहन विभाग ने शॉर्ट सर्किट से आग लगने के खतरे के कारण फोर्ड की 300,000 से ज़्यादा गाड़ियों को वापस मंगाने की घोषणा की है। कनाडा के परिवहन विभाग ने कहा कि अलग-अलग फोर्ड मॉडल की कुछ गाड़ियों में इंजन ब्लॉक हीटर से कूलेंट लीक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ऐसा होता है, तो प्लग लगाने पर ब्लॉक हीटर में शॉर्ट सर्किट हो सकता है। फोर्ड मालिकों को सलाह दी गई है कि वे प्रभावित गाड़ियों को डीलरशिप पर ले जाएं ताकि ब्लॉक हीटर को बदला जा सके।

रिश्वत देने में ताइवान में पत्रकार गिरफ्तार

ताइपे। ताइवान में एक पत्रकार को मुख्यभूमि चीन के लोगों को सैन्य जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों में शनिवार को हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वशासित द्वीप ताइवान चीन की संभावित घुसपैठ के खिलाफ सख्ती बढ़ा रहा है। ताइवान के कियाओतौ जिला अभियोजक कार्यालय ने कहा कि एक जिला अदालत ने लिन उपनाम वाले टीवी रिपोर्टर और सेना के पांच वर्तमान व सेवानिवृत्त अधिकारियों की हिरासत का आदेश दिया है। बयान में पत्रकार की पहचान उजागर नहीं की गई।

पाकिस्तान के मॉल में आग से तीन की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में शनिवार देर रात एक बहुमंजिला शॉपिंग मॉल में भीषण आग लग जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और करीब 12 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस और बचाव अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी और बचावकर्मी स्थानीय समयानुसार रात करीब 10 बजे गुल प्लाजा पहुंचे।

ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर लगाई रोक

ग्रीनलैंड विवादः अमेरिका द्वारा शुल्क लगाने की चेतावनी के बाद उठाया कदम

- संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर कोई भी समझौता संभव नहीं

ब्रुसेल्स, एजेंसी

ग्रीनलैंड मामले में अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी है। ईयू ने यह कदम डेनमार्क और संघ के कई देशों पर अमेरिका द्वारा आयात शुल्क लगाने की चेतावनी के बाद उठाया है। ईयू के नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ये आयात शुल्क संघ और अमेरिका के संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ ही, उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता ऐसे सिद्धांत हैं जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि जुलाई 2025 में प्रस्तावित समझौते को आयात शुल्क कम करने और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया था। हालांकि ग्रीनलैंड पर ट्रंप के रुख और आयात शुल्क लगाने की उनकी चेतावनी के बाद संघ ने इस प्रस्तावित समझौते के अनुमोदन को रोकने का आह्वान किया है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में धमकी दी है कि यदि ग्रीनलैंड को पूरी तरह से अमेरिका को नहीं बेच दिया जाता, तो एक फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा, जो 1 जून से बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड के रणनीतिक स्थान और खनिज संसाधनों को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए चेतावनी दी कि एक फरवरी 2026 से, उपर्युक्त सभी देशों द्वारा अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा।

ट्रंप के विरोध में ग्रीनलैंड, डेनमार्क में हुए प्रदर्शन

कोपेनहेगन। ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने के अमेरिकी प्रयासों और बयानों के विरोध में डेनमार्क और ग्रीनलैंड के कई शहरों में विशाल विरोध प्रदर्शन हुए हैं। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के सिटी हॉल स्क्वायर पर शनिवार को भारी भीड़ जमा हुई, जिसने अमेरिकी दूतावास तक मार्च निकाला। इस प्रदर्शन में डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों देशों के नागरिक शामिल हुए, जो अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए थे। इस बीच ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में भी लोगों ने ग्रीनलैंडवासियों का है ग्रीनलैंड के नारे लगाए। इस प्रदर्शन में ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक निल्सन भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने पारंपरिक इनुइट गीत गाए और कई लोग मेक अमेरिका गो अवे लिखी हुई टोपियां पहने नजर आए। ग्रीनलैंड, डेनमार्क साम्राज्य के भीतर एक स्वशासी क्षेत्र है, जिसकी रक्षा और विदेश नीति डेनमार्क सरकार के नियंत्रण में है।

स्थिरता को छीनती है ट्रंप की टैरिफ घोषणा

यूरोपियन पीपल्स पार्टी के उपाध्यक्ष सिगफ्राइड मूरसन और अन्य यूरोपीय अधिकारियों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घोषणा उस स्थिरता को कमजोर करती है, जिसे सुनिश्चित करने के लिए यह व्यापार समझौता किया गया था। मूरसन ने कहा, पिछले साल अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते से स्थिरता ही एकमात्र लाभ होता। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कई ईयू सदस्य देशों पर नए आयात लगाने की आज की घोषणा उस स्थिरता को छीन लेती है। यही कारण है कि उस व्यापार समझौते के अनुसमर्थन को स्थगित करना उचित है। मूरसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमें पिछले जुलाई के ईयू-यूएस व्यापार समझौते को बहुत जल्द अनुमोदित करना था।

श्रीलंका जाने वाले पर्यटकों में सबसे ज्यादा भारतीय

कोलंबो। साल 2025 में कुल 23 लाख पर्यटकों ने श्रीलंका की यात्रा की, जिनमें सबसे अधिक संख्या भारतीयों की रही। पर्यटन प्राधिकरण के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। श्रीलंका पर्यटन विकास प्राधिकरण (एसएलटीडीए) द्वारा शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, भारत निर्विवाद रूप से अग्रणी स्रोत बाजार बना हुआ है, जहां से 531,511 पर्यटक आए। यहां आए भारतीयों की संख्या दूसरे स्थान पर रहे देश से आए पर्यटकों की संख्या के दोगुने से भी अधिक है।

यह पिछले वर्ष की तुलना में 1,14,000 से अधिक पर्यटकों की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।" बयान में कहा गया कि इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया है कि दूसरे स्थान पर ब्रिटेन रहा जिसके 21,227 पर्यटकों ने श्रीलंका की यात्रा की। भारतीय यात्रियों के आगमन की औसत दर प्रति माह औसतन 23 प्रतिशत से अधिक रही और दिसंबर में सबसे अधिक 56,715 यात्री आए। फरवरी में सबसे कम 35,000 भारतीय यात्री आए। इसमें कहा गया कि दिसंबर में कुल 2,58,928 यात्री श्रीलंका आए जो इस वर्ष का सबसे अधिक आंकड़ा है।

दोष साबित होने से पहले जमानत प्राप्त करना हर नागरिक का अधिकार

जयपुर, एजेंसी

- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ बोले-दोष सिद्धि तक कोई भी आरोपी निर्दोष

छात्र नेता उमर खालिद की जमानत नामंजूर किए जाने की पृष्ठभूमि में देश में उदारवादी मूल्यों के खतरे में पड़ने की चिंताओं के बीच देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने रविवार को यहां कहा कि दोषसिद्धि से पहले जमानत प्राप्त करना एक नागरिक का अधिकार है। इसके साथ ही पूर्व सीजेआई ने उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित कॉलेजियम व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और न्यायपालिका में आम नागरिक के भरोसे की बहाली और मजबूती के लिए नागरिक संस्थाओं से भी विशिष्ट व्यक्तियों को शामिल किए जाने का सुझाव दिया।

यहां 19वें जयपुर साहित्य महोत्सव में आइडियाज ऑफ जस्टिस सत्र में वरिष्ठ पत्रकार वीर सांघवी द्वारा शुरूआत में ही उमर खालिद की जमानत का मुद्दा उठाए जाने पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) चंद्रचूड़ ने कहा कि दोषसिद्धि से पूर्व जमानत अधिकार का मामला है। हमारा कानून एक प्रकल्पना पर आधारित है और वह प्रकल्पना यह है कि कोई भी आरोपी व्यक्ति, अपराध सिद्ध होने तक निर्दोष है। विभिन्न मामलों का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर आरोपी के समाज में लौट कर फिर से अपराध को अंजाम देने, सबूतों से छेड़छाड़ करने या जमानत का फायदा कानून के शिकंजे से भाग निकलने के लिए किए जाने की आशंका है, तो आरोपी को जमानत देने से इंकार किया जा सकता है।

यदि ये तीनों आधार नहीं हैं, तो जमानत देनी ही होगी। मुझे लगता है कि जहां राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, वहां अदालत का कर्तव्य है कि वह मामले की गहराई से पड़ताल करे। अन्यथा लोग वर्षों तक जेलों में बंद रहते हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यापारी की हत्या

ढाका, एजेंसी

- पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया

बांग्लादेश के गाजीपुर में केले को लेकर हुए विवाद के बाद एक हिंदू व्यवसायी को तीन लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। खबरों के मुताबिक आरोपी एक ही परिवार के सदस्य हैं। अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि गाजीपुर जिले के कालीगंज इलाके में शनिवार को हुई घटना का संबंध बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हाल ही में हुई हिंसा की घटनाओं से है या नहीं।

द डेली स्टार की खबर के अनुसार, पीड़ित की पहचान लिटन चंद्र घोष (55) के तौर पर हुई है जो बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल का मालिक था। कालीगंज पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी जाकिर हुसैन के अनुसार, एक परिवार के तीन सदस्यों स्वपन मियां (55), उसकी पत्नी माजेदा खातून (45) और उनके बेटे मासूम मियां (28) को हत्या में संलिप्त होने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मासूम केले के बागान का मालिक है और उसमें से केले का एक गुच्छा गायब हो गया था। तलाश के दौरान उसने केले लिटन के होटल में देखे और इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। पुलिस ने बताया, आरोपी ने लिटन को घूंसे और लात मारे।

एआर रहमान ने कहा, मेरे इरादों को गलत समझा गया

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म उद्योग के बारे में हालिया टिप्पणियों पर उठे विवाद के बीच ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश जारी कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि संगीत हमेशा से भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने, उसे सम्मान देने और उसका उत्सव मनाने का माध्यम रहा है। वीडियो में रहमान ने कहा कि भारत उनके लिए प्रेरणा, गुरु और घर है।

उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि कई बार इरादों को गलत समझ लिया जाता है, लेकिन मेरा उद्देश्य हमेशा संगीत के जरिए लोगों को सशक्त करना, सम्मान देना और सेवा करना रहा है। मेरा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं रहा। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय होना उनके लिए सौभाग्य की बात है, क्योंकि यह उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसांस्कृतिक आवाज़ों का उत्सव मनाने का अवसर देता है। रहमान ने अपने हालिया प्रोजेक्ट्स का भी उल्लेख किया, जिनमें प्रधानमंत्री के समक्ष वेव समिट में प्रस्तुत जाला पहल, युवा नागा संगीतकारों के साथ मिलकर स्ट्रिंग ऑर्केस्ट्रा का गठन आदि शामिल हैं।

सीरिया में अमेरिका ने अल कायदा नेता को मार गिराया

वाशिंगटन, एजेंसी

- शीर्ष आतंकवादी नेता था मारा गया हसन अल जासिम

अमेरिका द्वारा सीरिया में किए गए जवाबी हमलों के तीसरे दौर में अल-कायदा से जुड़े एक नेता की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, इस नेता का उस इस्लामिक स्टेट (आईएस) सदस्य से सीधा संबंध था जो पिछले महीने सीरिया में घात लगाकर किए गए हमले का जिम्मेदार था।

घात लगाकर किए गए इस हमले में अमेरिका के दो सैनिकों और एक दुभाषिए की मौत हो गई थी। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी सीरिया में किए गए हमले में बिलाल हसन अल-जासिम मारा गया। उसका दावा है कि वह एक शीर्ष आतंकवादी नेता था, जो हमलों की साजिश रचता था और 13 दिसंबर को हुए उस हमले से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ था, जिसमें सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवार, सार्जेंट विलियम नथानियल हॉवर्ड और अमेरिकी असैन्य दुभाषिया अयाद मंसूर सकात मारे गए थे। अमेरिकी कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा, तीन अमेरिकियों की मौत से जुड़े एक आतंकवादी के सफाए से यह स्पष्ट होता है कि हमारे बलों पर हमला करने वालों का पीछा करने के प्रति हमारा संकल्प अडिग है। अमेरिकियों पर हमले करने वालों का कहीं सुरक्षित ठिकाना नहीं है।

भुवनेश्वर में शराबी ने रोकी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन

भुवनेश्वर। रंगापानी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस को रविवार को उस समय कुछ देर के लिए रोका गया, जब यह ट्रेन स्थानीय स्टेशन में प्रवेश कर रही थी और नशे में धुत एक व्यक्ति पटरी पर बैठ गया। अधिकारियों ने बताया कि लक्ष्मीसागर इलाके के निवासी पी. अप्पन्ना राव (38) लोको पायलट द्वारा बार-बार हॉर्न बजाए जाने के बावजूद ट्रैक से नहीं हटा। ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीआर) ने एक बयान में कहा कि लोको पायलट ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाए और ट्रेन को पूरी तरह से रोक दिया। रेलवे सुरक्षा बल के जवान और ट्रेन के साथ चल रहे कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे तथा उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने बताया कि वह शराब के नशे में पाया गया और उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 जनवरी, सोमवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 20 जनवरी 02.14 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

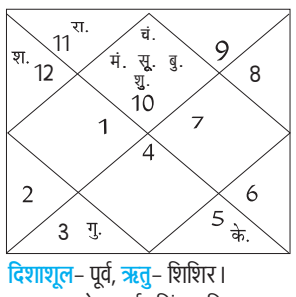

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 11.52 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष आज विदेश से नौकरी के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। आपके साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति सबल रहेगी। किसी बड़ी समस्या से आपको छुटकारा मिल सकता है। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

वृष आज आपकी वाणी में मिठास रहेगी। अध्यात्मिक विषयों में रुचि लेंगे। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए प्रकल्पों को लेकर आप अत्यंत सक्रिय रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद दिया जा सकता है। वैवाहिक जीवन में संवादहीनता हो सकती है।

मिथुन आज भाग्य का साथ न मिलने से आपके काम प्रभावित हो सकते हैं। यात्रा के दौरान बड़ी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। शरीर में थकावट महसूस होगी। अकारण लोगों से विवाद होने की आशंका है। धैर्यवान होकर सभी कार्य करें।

कर्क आज व्यवसाय में बड़े अनुबंध हो सकते हैं। धन कमाने के नए स्रोत बना सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है। अपनी कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार कर लेंगे। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखमय रहेगा।

सिंह आज पारिवारिक कार्यों को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है। उच्च अधिकारी आपको चुनौतियों वाला काम सौंप सकते हैं। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सुबह मन व्यथित हो सकता है, लेकिन शाम तक आप अत्यंत शांत मूड में आ जाएंगे।

कन्या आज दिन काफी अच्छा रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। शेयर मार्केट से होने वाले नुकसान की भरपाई करने के लिए दिन अच्छा है। दर्शन और साहित्य के प्रति आप अत्यंत आकर्षित रहेंगे।

तुला आज विद्वान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। कानूनी मामलों में उलझने की आशंका है। कार्यक्षेत्र में अपनी छवि को लेकर चिंतित रहेंगे। नई तकनीक को सीखने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन धन की कमी के कारण आपके काम रुक सकते हैं।

वृश्चिक आज नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अत्यंत शुभ है। कारोबार को लेकर यात्रा कर सकते हैं। आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए।

धनु आज आप लोगों की सहायता करने के लिए उधार दे सकते हैं। गुप्त शत्रु आपका अहित करने का प्रयास करेंगे। कुछ लोग आपके साथ विश्वासघात कर सकते हैं। आपको उनसे झगड़ने के बजाय उन्हें अपनी बातें मनानी चाहिए।

मकर आज आपको नौकरी में उच्च पद प्राप्त हो सकता है। आपके सपने साकार हो सकते हैं। जीवनसाथी आपकी निष्ठा से बहुत प्रभावित होगा। किसी मांगलिक समारोह की योजना बना सकते हैं। छात्रों का पढ़ाई में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहेगा।

कुंभ आज व्यापार को लेकर बड़ी मीटिंग कर सकते हैं। बढ़ते खर्चों को नियंत्रित करने के लिए आप काम करेंगे। कारोबारियों को बड़ा निवेश करने से बचना चाहिए। घर में उत्साह का वातावरण रहेगा। अनुशासनहीनतापूर्ण व्यवहार से आपको बचना चाहिए।

मीन आज आप अत्यंत लोकप्रिय रहेंगे। परिवार में तालमेल शानदार रहने वाला है। इंटरव्यू आदि में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। ललित कलाओं का आनंद ले सकते हैं।

सुडोकू-36

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8			7		4		1
3				6	5	7		
	7		4				8	
6			7		3			8
	1						9	
5			1		8			2
	9				4		7	
		3	2	8				4
8		4		1			3	

सुडोकू - 35 का हल

5	9	1	3	2	7	4	8	6
7	8	3	4	6	1	9	5	2
6	2	4	5	8	9	3	7	1
1	3	8	2	4	6	5	9	7
2	5	7	9	1	3	8	6	4
4	6	9	8	7	5	2	1	3
8	1	5	6	3	4	7	2	9
3	7	2	1	9	8	6	4	5
9	4	6	7	5	2	1	3	8

साइक्लिंग सभी उम्र के लोगों के लिए सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। यह कार्बन फुटप्रिंट कम करने में भी मदद करती है। हम सभी को एक साथ आना चाहिए और रेगुलर साइक्लिंग करनी चाहिए।

डॉ. मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

कानपुर, सोमवार, 19 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

वानखेड़े स्टेडियम का इंतजार कर रहे अमेरिकी गेंदबाज नेत्रवलकर

नई दिल्ली। मुंबई में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर उस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब वह सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ अपनी टीम के टी20 विश्व कप के पहले मैच में मैदान पर उतरेंगे। यह वही मैदान है जहां से एक क्रिकेटर के रूप में उनके करियर की शुरुआत हुई थी। इसके बाद वह अपना करियर बनाने के लिए अमेरिका चले गए और वहां की नागरिकता हासिल करने के बाद उसकी राष्ट्रीय टीम के सदस्य बन गए। इस 34 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 2013 में सूर्यकुमार यादव और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ियों के साथ मुंबई के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेला था, लेकिन 2010 में अंडर-19 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद वह सीनियर टीम में जगह नहीं बना पाए।

एथलीट कमीशन के सदस्य बने विजेंदर

नई दिल्ली। बीजिंग ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट विजेंदर सिंह को एशियाई बॉक्सिंग एथलीट कमीशन का सदस्य नियुक्त किया गया है, जबकि राजेंद्रन रविंद्रन को रेफरी और जज कमीशन सदस्यों का चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। ये नियुक्तियां एशियाई बॉक्सिंग के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एशियाई बॉक्सिंग संविधान और उसके गवर्नेंस ढांचे के अनुसार प्रभावी समन्वय, तकनीकी देखरेख और आने वाले कार्यक्रमों और चैंपियनशिप को पूरा करने में सहायता के लिए की हैं।

श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को 3-2 से हराया

भुवनेश्वर। श्राची बंगाल टाइगर्स ने रविवार को यहां पुरुषों की हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पूल चरण के अपने आखिरी मैच में एसजी पाइपर्स को 3-2 से हराकर खुद को शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखा। एसजी पाइपर्स ने दिलराज सिंह के चौथे मिनट में और टॉमस डोमेन के 31वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त बनाई हुई थी। लेकिन श्राची बंगाल टाइगर्स के लिए जुगराज सिंह ने 45वें मिनट, अभिषेक ने 45वें मिनट और अफ्फान यूसुफ ने 48वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को वापसी कराकर जीत दिलाई।

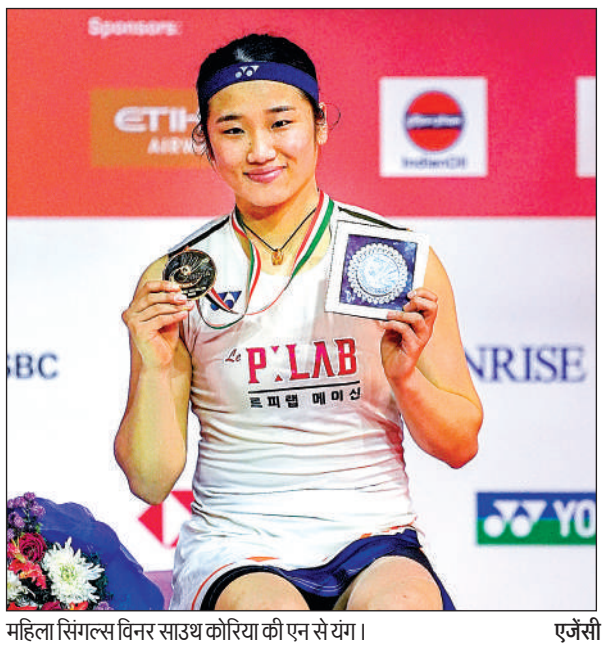

महिला सिंगल्स विनर साउथ कोरिया की एन से यंग। एजेंसी

लिन चुन यी और आन से यंग बने चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार को यहां 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया। महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त

इंडिया ओपन

लिन चुन यी। एजेंसी

और मौजूदा चैंपियन आन से यंग ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए चीन की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी वांग झियी को 21-13, 21-11 से हराकर सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता। युगल स्पर्धा में लियू शेंगशु और टैन निंग की चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 58 मिनट तक चले महिला युगल फाइनल में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त युकी फुकुशिमा और सायका मात्सुमोतो पर 21-11, 21-18 से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। चीन के लियांग वेइकिंग और वांग चांग की जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में जापान के हिरोकी मिडोरिकावा और क्योहेई यामाशिता की दुनिया की 22वें नंबर की जोड़ी को 17-21 25-23 21-16 से हरा दिया। मिश्रित युगल का ताज थाईलैंड के तीसरी वरीयता प्राप्त डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिसरा पेवसम्प्रान को मिला।

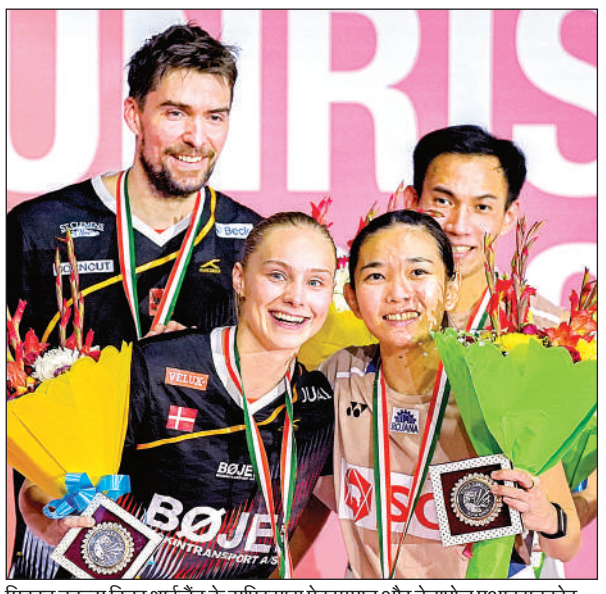

मिक्स्ड डबल्स विनर थाईलैंड के सुपिस्सारा पेवसम्प्रान और डेचापोल पुआवरानुक्रोह (दाएं), रनर-अप डेनमार्क के एलेक्जेंड्रा बोजे और मैथियास क्रिस्टियनसेन। एजेंसी

विराट शतक के बावजूद भारत वनडे सीरीज में हारा

न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास, मिचेल और फिलिप्स ने खेलीं शतकीय पारियां

इंदौर, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (124 रन) का 54वां वनडे शतक भी भारतीय टीम के काम नहीं आ सका जिससे न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (137 रन) और ग्लेन फिलिप्स (106 रन) के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां तीसरे और अंतिम क्रिकेट मैच में 41 रन की जीत से श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

न्यूजीलैंड के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि उसने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मुकाबलों के लिए भारत का दौरा शुरू किया था लेकिन यहां कभी भी श्रृंखला नहीं जीती थी। इस जीत से उसने 37 साल बाद भारत में श्रृंखला जीतने का इंतजार खत्म किया। भारत के तेज गेंदबाजों के शुरुआती झटकों के बावजूद न्यूजीलैंड ने मिचेल के लगातार दूसरे शतक और फिलिप्स के तूफानी सैकड़े से आठ विकेट पर 337 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कोहली (108 गेंद) का दबाव में खेला गया शानदार और जुझारू शतक भारतीय टीम के काम नहीं आ सका जिससे टीम जवाब में 46 ओवर में 296 रन पर ढेर हो गई। इससे भारत को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंडसे पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हार का मुंह देखना पड़ा। दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे लेकिन कोहली डटे रहे और पारी के अंत में आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए जैकरी फोक्स ने 77 रन देकर तीन और क्रिस्टियन क्लार्क ने 54 रन देकर तीन तीन विकेट झटके। वहीं जेडन लेनोक्स ने 42 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

मिचेल और फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 गेंद में 219 रन की साझेदारी करके पारी की पूरी तस्वीर बदल दी। मिचेल (131 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) ने संयम और नियंत्रण के साथ पारी को संभाला जबकि फिलिप्स (88 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) ने आक्रामक अंदाज में रन गति बढ़ाई जिससे सतर्क शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड की पारी का रूख ही बदल गया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 71 रन पर चार विकेट खो दिए थे। फिर कोहली और नीतिश कुमार रेड्डी (53 रन) ने पांचवें विकेट के लिए 88 गेंद में इतने ही रन की साझेदारी निभाई।

जीत का जश्न मनाते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

भारत

337/8 (50 ओवर)

- कॉनवे का रोहित बो हर्षित राणा 05
- हेनरी निकोल्स बो अर्शदीप 00
- विल यंग का जडेजा बो हर्षित राणा 30
- मिचेल का कुलदीप बो सिराज 137
- फिलिप्स का राहुल बो अर्शदीप 106
- माइकल ब्रेसवेल नाबाद 28
- मिचेल हे पगबाधा बो कुलदीप 02
- फॉक्स का कुलदीप बो अर्शदीप 10
- क्रिस्टियन क्लार्क बो हर्षित राणा 11
- काइल जैमीसन नाबाद 00

गेंदबाजी : अर्शदीप 10-1-63-3, हर्षित राणा 10-0-84-3, मोहम्मद सिराज 10-0-43-1, नीतिश कुमार रेड्डी 8-0-53-0, कुलदीप यादव 6-0-48-1, रविंद्र जडेजा 6-0-41-0

न्यूजीलैंड

296/10 (46 ओवर)

- रोहित शर्मा का क्लार्क बो फोक्स 11
- शुभमन गिल बो जैमीसन 23
- कोहली का मिचेल बो क्लार्क 124
- अय्यर का फोक्स बो क्लार्क 03
- राहुल का फिलिप्स बो लेनोक्स 01
- नीतिश कुमार का यंग बो क्लार्क 53
- रविंद्र जडेजा का यंग बो लेनोक्स 12
- राणा का निकोल्स बो फोक्स 52
- मोहम्मद सिराज का हे बो फोक्स 00
- कुलदीप यादव रन आउट 05
- अर्शदीप सिंह नाबाद 04

गेंदबाजी : काइल जैमीसन 9-0-58-1, जैकरी फोक्स 9-0-77-3, क्रिस्टियन क्लार्क 9-0-54-3, जेडन लेनोक्स 10-0-42-2, डेरिल मिचेल 1-0-10-0, ग्लेन फिलिप्स 8-0-54-0

कोहली ने जड़ा 54वां वनडे शतक

इंदौर। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में रिकॉर्ड 54वां वनडे शतक लगाया। यह सुपरस्टार वडोदरा में श्रृंखला के पहले वनडे में 93 रन पर आउट हो गया था और इस उपलब्धि से चूक गया था। उन्होंने 40वें ओवर की आखिरी गेंद पर जैकरी फोक्स की गेंद पर एक रन लेकर 91 गेंद में अपना शतक पूरा किया जिसमें आठ चौके और दो छक्के जड़े थे। न्यूजीलैंड के आठ विकेट पर 337 रन का स्कोर खड़ा किया जिसके बाद कोहली एक छोर पर डटे रहे और शतक पूरा किया।

हर्षित राणा ने कुछ बंधाई उम्मीद

हर्षित राणा की 43 गेंद में 52 रन की छोटी सी पारी ने कुछ समय के लिए उम्मीदें जगाईं, लेकिन जरूरी रन रेट बहुत ज्यादा था। कोहली के आउट होने से स्कोर नौ विकेट पर 292 रन था जिन्हें क्लार्क ने आउअ किया जिससे भारत की हार पक्की हो गई। कुलदीप यादव के आउट होते ही न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। इससे पहले भारत एक समय पूरी तरह हावी था और उसने मेहमान टीम के 58 रन पर तीन विकेट झटक लिए थे। लेकिन मिचेल और फिलिप्स ने संभलकर खेलते हुए पारी को संभाला। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद न्यूजीलैंड ने पहले दो ओवर में पांच रन पर पहले दो विकेट गंवा दिए थे।

सौराष्ट्र को हराकर विदर्भ ने जीता खिताब

बेंगलुरु, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

अथर्व तायडे (128) की शतकीय और यश राठौड़ (54) की अर्धशतकीय पारियों के बाद यश ठाकुर और नचिकेत भूटे (तीन-तीन) विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत रविवार को विदर्भ ने फाइनल में सौराष्ट्र को रनों से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया।

318 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौराष्ट्र की पूरी टीम 48.5 ओवरों में 279 रन ही बना सकी और मुकाबला 38 रनों से हार गई। सौराष्ट्र की शुरुआत खराब रही और उसने 30 के स्कोर अपने दो विकेट गंवा दिए।

कप्तान हार्विक देसाई (20) और विश्वराज जडेजा (नौ) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद प्रेरक मांकडे और समर गज्जर ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 17वें ओवर में दर्शन नालकंडे ने समर गज्जर (25) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पारस्वराज राणा (दो), प्रेरक मांकड़ (88) रन बनाकर आउट हुये। प्रेरक मांकड़ ने अपनी पारी में 10 चौके लगाये। चिराग जानी ने 63 गेंदों में 64 रन बनाये।

रूचि अहीर (21) और चेतन साकरिया 11 रन बनाकर आउट हुये। सौराष्ट्र के पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। विदर्भ के लिए यश ठाकुर और नचिकेत भूटे (तीन-तीन) विकेट लिये। दर्शन नालकंडे को दो विकेट मिले। हर्ष दुबे ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मुंबई मैराथन में महिला एलीट वर्ग की विजेता येशी कलायू चेकोले। एजेंसी

इथियोपियाई धावकों का दबदबा बरकरार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई मैराथन

- **अबाते ने पुरुष और येशी ने महिला खिताब जीता**

मुंबई मैराथन में एक बार फिर इथियोपियाई धावकों का दबदबा देखने को मिला जिसमें ताडु अबाते देमे और येशी कलायू चेकोले ने क्रमशः पुरुष और महिला एलीट वर्ग के खिताब अपने नाम किए। अबाते ने पुरुष एलीट वर्ग में दो घंटे नौ मिनट 55 सेकंड का समय लेकर जीत दर्ज की, जबकि उनकी हमवतन येशी ने 2:25:13 के समय के साथ खिताब जीता। मुंबई मैराथन में 21 चरणों में यह सातवीं बार है जब इथियोपियाई धावकों ने पुरुष और महिला दोनों खिताब एक साथ जीते हैं। पुरुष एलीट रेस में कीनिया के लियोनार्ड किपरोतिच लंगाट (2:10:10) दूसरे और इरिट्रिया के मेरहावी केसेटे वेल्डेमारियम (2:10:22) तीसरे स्थान पर रहे।

महिला एलीट रेस में इथियोपियाई धावकों ने क्लीन स्वीप किया। किडसान अलेमा गेब्रेमेधिन (2:27:35) दूसरे और गोज्जाम त्सेगाये एनीयू (2:28:27) तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुष व महिला एलीट वर्ग के शीर्ष तीन धावकों को क्रमशः 50000 अमेरिकी डॉलर, 25000 अमेरिकी डॉलर और 15000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि दी गई। भारतीय पुरुष वर्ग में कार्तिक ने 2:19:55 के समय के साथ जीत दर्ज की। गत चैंपियन अनिश थापा (2:20:08) दूसरे और प्रदीप चौधरी (2:20:49) तीसरे स्थान पर रहे।

एरिगैसी ने प्रज्ञानानंद को हराया, गुकेश ने सिंदारोव से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)। शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने हमवतन आर प्रज्ञानानंद को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश ने पहले दौर में उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेला।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण खेल समय पर शुरू नहीं हो पाया था लेकिन इसके बाद जब दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक में खेल शुरू हुआ तो फिर कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस प्रतियोगिता की पहली जीत अमेरिका के हैंस मोके नीमन ने हासिल की, जिन्होंने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव हो हराया। जर्मन खिलाड़ी विन्सेंट कीमर दिन के दूसरे विजेता रहे। उन्होंने नीदरलैंड के अनीश गिरी को पराजित किया। पहले दौर के बाद एरिगैसी, कीमर और नीमन एक-एक अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

एरीना सबालेंका।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | रिकॉर्ड बनाकर हारीं वीनस विलियम्स, मेलबर्न पार्क में पहले दिन रिकॉर्ड 100,763 दर्शक पहुंचे मैच देखने

अल्कराज और सबालेंका की शानदार शुरुआत

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज और एरीना सबालेंका ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके रविवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का रिकार्ड बनाने वाली वीनस विलियम्स को जीत के करीब पहुंचने के बावजूद पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा।

मेलबर्न पार्क में पहले दिन 100,763 दर्शक मैच देखने के लिए पहुंचे जो नया रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया के एडम वाल्टन ने दूसरे सेट में अल्काराज को चुनौती दी। यह सेट टाईब्रेकर तक खिंचा लेकिन स्पेन का दिग्गज खिलाड़ी जल्द ही संभल गया। अल्काराज ने आखिर में यह मैच 6-3, 7-6 (2), 6-2 से अपने नाम किया।

सबालेंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने पहले तीन गेम गंवा दिए। इसके बाद हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल करके तियांतसोआ राकोटोमांगा राजाओनाह को 6-4, 6-1 से हरा दिया। दिग्गज खिलाड़ी रॉड लेवर और रोजर फेडरर भी इस मैच को देखने के लिए दर्शकों के बीच उपस्थित थे। वीनस वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 45 साल की उम्र में महिला एकल का मैच खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई है लेकिन उन्हें तीन सेट तक चले मैच में ओल्गा डैनलोविच से 7-6 (5), 3-6, 4-6 से पराजय झेलनी पड़ी। वीनस तीसरे सेट में एक समय 4-0 से आगे चल रही थी लेकिन इसके बाद डैनलोविच ने शानदार वापसी की। वीनस ने सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने के रिकॉर्ड के मामले में जापान की किमिको दाते (44 साल) को पीछे छोड़ा। पिछले साल के उपविजेता और पुरुष वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी गैब्रियल डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार 10वें साल ऑस्ट्रेलिया ई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं। महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले दौर में अलीअक्सांद्रा को 6-1, 6-2 से हराया।

कार्लोस अल्काराज।

> मुझे आज के अपने प्रदर्शन पर वास्तव में गर्व है क्योंकि मैं हर अगले मैच में अच्छा प्रदर्शन कर रही हूं। अभी मैं केवल अपने खेल को और बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही हूं।
>
> **-वीनस विलियम्स**
>
> सच कहूं तो जब मैंने ड्रॉ देखा तो मैं बिल्कुल भी खुश नहीं था। पहले सेट में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मैं सोच रहा था कि इससे बुरा तो कुछ भी नहीं हो सकता। इसके बाद मैंने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। डियालो युवा है, बहुत प्रतिभाशाली है।
>
> **-ज्वेरेव**

माउटेट ने अंडर आर्म सर्विस करके लोगों का ध्यान खींचा

मेलबर्न। कोरेंटिन माउटेट ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दिन रविवार को यहां मैच प्वाइंट पर अंडरआर्म सर्विस करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। किआ एरिना में मौजूद दर्शकों ने उनकी हूटिंग भी की, लेकिन 32वीं वरीयता प्राप्त माउटेट विचलित नहीं हुए। फ्रांस के इस खिलाड़ी ने बाद में कहा कि उन्होंने ट्रिस्टन स्कूलकेट पर 6-4, 7-6(1), 6-3 की जीत हासिल करने के लिए जो करना था, वह किया। उन्होंने कहा कि सर्विस करने का उनका यह तरीका योजनाबद्ध होने के बजाय सहज प्रवृत्ति पर आधारित था। माउटेट ने कहा मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मुझे लगा कि इससे मैं अंक हासिल कर सकता हूं और आखिर में मैं अंक हासिल करने में भी सफल रहा।